मेरा राजस्थान

वर्ष-१५, अंक- १२, मुम्बई, फरवरी २०२१ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ६० मूल्य -१००.०० रूपए प्रति

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

With Best Compliments

K.L. Mundhra

Hitesh Plastics Pvt. Ltd.

Mumbai

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान

'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

http:// www.merarajasthan.co.in

नीम लगाओ पर्यावरण बचाओ

मेरा राजस्थान

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

भारत को भारत ही बोला जाए

पधारो म्हारे देश

मात्र रु. 100/- में, प्रति महिना

राजस्थान का इतिहास पहुँचाए आपके हाथ

वार्षिक शुल्क 1,111/-
आजीवन शुल्क 11,111/-

पंजीकृत कार्यालय

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९

दूरध्वनि: ०२२-२८५० ९९९९ अणुडाक: mailgaylordgroup@gmail.com

सम्पादक
बिजय कुमार जैन

उपसम्पादक
संतोष जैन 'विमल'

कार्यकारी सम्पादक
अनुपमा शर्मा (दाधीच)

विशेष छूट
विज्ञापन देने पर
पूरे साल
पत्रिका मुफ्त

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान

नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

विश्वास दिलाते हैं

आपका किया हुआ विज्ञापन खर्च
भारत की संस्कृति-सम्मान
की बढ़ोत्तरी के लिए
उपयोग किया जाता है

सहयोग करें **सम्मान बढाएं**

'भारत' का नाम विश्व में गौरवान्वित करवाएं

१३० करोड़ भारतीयों की

भारत माँ

अपने बच्चों से पूछ रही है कि

मेरा नाम क्या है?

'भारत' या 'INDIA'
निर्धारित करें

विशेष जानकारी के लिए संपर्क करें

बिजय कुमार जैन

भ्रमणध्वनि : ९३२२३०७९०८

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी, पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत कहा जाए
का आव्हान करने वाला एक भारतीय

ऐतिहासिक आध्यात्मिक नगरी...

भारत का स्वर्णिम...

संत श्री सेवाराम गौशाला...

प्रसिद्ध संत श्री सेवाराम...

कन्हैयालाल मूंधड़ा...

नापासर में हनुमान धोरा...

फरवरी २०२१ के अंक की झलकियाँ

और भी बहुत कुछ....

'मेरा राजस्थान' मार्च २०२१ री विशेषतावां

२५ फरवरी २०२१ २५ फरवरी २०२१

विश्वकर्मा जयंती विशेषांक

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

वर्ष २०२१ सुख पूर्वक व स्वास्थ पूर्वक हो

'नापासर' के इतिहास प्रकाशन पर 'मेरा राजस्थान' परिवार को शुभकामनाएँ

CHAMPALAL SOHANLAL

Mfg. of : Janpriya Rainwears

Dealers In All Types of Woollen Hosiery, Baba suit, T-Shirt, Lower, Bermuda & Gout. Order Suppliers

Shop :- 76 Jamunalal Bazaz Street (Tirpal Patty) Kolkata, West Bengal, Bharat - 700 007
Office :- 13, Pageya Patty Street (2nd Floor) Kolkata, West Bengal, Bharat - 700 007
Shop No : 033 - 2269 0290 / Mob. 94330 62445 Fax :- 033 22680618
e-mail : clsljanpriya@gmail.com
Mob: 93310 21827

Ganesh TEXTILE MILLS

Splts. in : BAANKETS & WOOLLEN FABRICS

Office : 112, R.K. Goenka Market, Moti Bazar, Amritsar, Punjab, Bharat - 143 008
Works : O/s. Ghee Mandi, I/s. Kapoor Finishing Mills Complex, Amritsare, Punjab, Bharat - 143006
Tel.: (0) 0183-2542659, 2542660 Fax : 91-183-2542659
e-mail : ganeshtextilemills@ yahoo.com / maheshkjhawar@ yahoo.com / maheshkjhawar @ gmail.com
Mob. : - 93560 02127

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान नीम लगायें पर्यावरण बचायें

वर्ष-१५, अंक १२ फरवरी 2021

१२ अंक वार्षिक १११/-

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

कार्यकारी सम्पादक
अनुपमा शर्मा (दाधीच)

उपसम्पादक
संतोष जैन 'विमल'

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

'मेरा राजस्थान' के संरक्षक
स्व. रामनारायण घ. सराफ, मुम्बई

सम्पर्क करें...
सम्पादकीय कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड
की शानदार प्रस्तुति

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

बी- २१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट,
मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई,
महाराष्ट्र, भारत - ४०० ०५९.
दूरध्वनि - ०२२-२८५० ९९९९
भ्रमणध्वनिः 9322307908

अणुडाकः mailgaylordgroup@gmail.com
अन्तरताना : http//: www.merarajasthan.co.in
http//:www.bijayjain.com

bijaykumarjain1956@gmail.com
hindiwelfaretrust@gmail.com
Linkedin:hindiwelfaretrust@gmail.com
Instagram: hindiwelfaretrust@gmail.com

अपने व्यापार-समाज-स्वयं की वेबसाइट बनाने के लिए या
digital marketing के लिए संपर्क करें
gdigital World Ph: 022-28509999

सम्पादकीय ....

भारत का एक राज्य
राजस्थान का एक जिला
बीकानेर का एक धार्मिक कस्बा नापासर

'मेरा राजस्थान' परिवार ने राजस्थान के कई कस्बे-गांव-नगर-शहर के इतिहास का प्रकाशन कर अपना कर्तव्य ही नहीं निभाया, देश-दुनिया को यह बताया है कि 'राजस्थान' वीर और वीरांगनाओं के साथ धर्मपरायण भीरू 'भारत' का एक राज्य है।

हम विश्व में फैले राजस्थानी वर्ष २०२० में महामारी कोरोना की वजह से त्रस्त रहे, उससे हम अपनी कर्मठता से बहुत जल्दी ऊबर भी जाएंगे, लेकिन अपनी पावन मातृभूमि को ना भूलेंगे ना भूल पाएंगे। 'नापासर' राजस्थान का एक वह भूभाग है जिसे धर्म की नगरी कहा जाता है और सच्चाई भी यह है कि जब मैंने 'नापासर' की धरती का इतिहास संकलन करने का प्रयास किया तो सच कहता हूँ यहां के भामाशाहों द्वारा की गई धर्म सेवा व प्राणी मात्र की सेवा को प्रणम्य करने का ही मन बना और मन में एक ही भाव आया कि हम राजस्थानी चाहे कहीं पर भी रहें अपनी मातृभूमि को नहीं भूल पाते हैं और यह सच्चाई 'नापासर' के प्रवासियों के साथ रहवासियों के कार्यों से शत प्रतिशत प्रतीत भी हुई।

'नापासर' का प्रस्तुत विशेषांक आप सभी को कैसा लगा, जरूर मेरा मार्गदर्शन करें ताकि आगामी आने वाले गांव व शहरों के इतिहास को प्रकाशन करने में मुझे प्रोत्साहन मिले और मेरा ज्ञानवर्धन भी हो।

'मेरा राजस्थान' परिवार द्वारा एक आह्वान किया गया है कि हमारे देश का नाम अब केवल 'भारत' ही रहे। आज विदेशों में हमारे देश को 'इंडिया' के नाम से जाना जाता है जबकि हमारे देश में जाना जाता है २ नामों से 'भारत और इंडिया'?

मित्रों! मैं पहले भी लिख चुका हूँ कि जब हम एक इंसान के नाम दो नहीं हो सकते तो फिर मेरे और आपके देश का नाम दो क्यों

भारत और इंडिया?

आज पूरे देश में चर्चा की लहर चली है कि अब हमारे देश का नाम एक ही होना चाहिए 'भारत' होना चाहिए।

मैं अपने देश के सभी भारतीय भाइयों से नम्र निवेदन करता हूँ कि वह अपने इर्द-गिर्द मित्रों, सहयोगीयों, संबंधियों को जागरूक करें कि 'भारत को केवल भारत ही बोला जाए' अभियान को सफल बनाने में अपने जीवन के अमूल्य समय की आहुति दें, ताकि भारत का नाम गौरवान्वित हो और विश्व में भारत को इंडिया के साथ नहीं केवल 'भारत' के नाम से ही पहचाना जाए, यह मेरी आप सभी से अपील है और मुझे पूरा विश्वास है कि भारत माँ के सम्मान के लिए हम सभी मिलकर कार्य करेंगे और विश्व में 'भारत' को गौरवान्वित करवाएंगे।

जय जय राजस्थान! जय जय राजस्थानी!

जय भारत!
जय भारतीय संस्कृति!

पूर्ण राष्ट्र की परिभाषा
भाव-भूमि और भाषा

आपका अपना
- बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत कहा जाए का
आव्हान करने वाला एक भारतीय
मो.९३२२३०७९०८

KILLER K
this is us
NO SMOKING
READY FOR LIFE
APPARELS | EYE WEAR | FOOT WEAR | INNER WEAR | TIME WEAR | TRAVEL WEAR | PERSONAL CARE | ACCESSORIES
AVAILABLE AT : KILLER K (EXCLUSIVE STORES), K-LOUNGE AND ALL LEADING RETAILERS IN YOUR CITY
FOR FRANCHISEE & INSTITUTIONAL ENQUIRY CALL : 022-26814400 OR EMAIL AT : FRANCHISEE@KEWALKIRAN.COM | WWW.KILLERJEANS.COM
ONLINE ON: K-LOUNGE.COM amazon.in JABONG Flipkart Myntra PayTm snapdeal LIMEROAD ebay SHOPCLUES TATA CLiQ voonik AJIO KKCL
FOLLOW US ON:

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक बिजय कुमार जैन द्वारा आव्हान

10 फरवरी 2021 को संभावित 'भारत सम्मान दीपोमय यात्रा' सफल होगी

'भारत को भारत ही बोला जाए' के आह्वान की सफलता के लिए १० फरवरी २०२१ से २१ फरवरी २०२१ तक आयोजित दिल्ली में कार्यक्रम के लिए १७ जनवरी को ज़ूम पर रखे गए कार्यक्रम में 'मैं भारत हूँ' संघ के आदरणीय भारतीय मित्रों की उपस्थिति संख्या २८ की रही। सभी सदस्यों ने अपने विचार प्रस्तुत किए, विशेषकर सम्माननीय जयपुर निवासी पूर्व न्यायाधीश पानाचंद जी जैन साहब ने भारत के प्रधानमंत्री को दिया जाने वाला प्रतिवेदन तैयार करने की जिम्मेदारी ली। दिल्ली निवासी प्रसिद्ध समाज सेवक जितेंद्र सिंह शंटी ने अपने विचार प्रस्तुत किए और कहा की मंच में उपस्थित 'मैं भारत हूँ' के सभी सदस्यों से कहना चाहता हूँ कि 'भारत को भारत ही बोला जाए' उद्देश्य तो बहुत ही सुंदर है, राष्ट्रीयता का सर्जन है लेकिन क्या यह उद्देश्य सफलता प्राप्त होने तक जारी रहेगा, क्योंकि मैंने कई संस्थाओं की शुरुआती जोश को देखा है लेकिन धीरे-धीरे वह जोश कमजोर हो जाता है और कभी-कभी तो एकदम खत्म सा हो जाता है। मैं अपनी तरफ से मुझे दी जाने वाली जिम्मेदारियों को निभाऊंगा ही नहीं, पूरी भी करूंगा, साथ ही निवेदन भी करूंगा कि भारत को जब तक भारत ना बोला जाए तब तक यह जोश इसी प्रकार जारी रहे, मैं अपना पूर्ण सहयोग देने का वादा करता हूँ। कोलकाता निवासी श्रीमती शोभा जी सदानी ने कहा कि मैं संस्था के राष्ट्रीय महामंत्री का पद स्वीकारते हुए विश्वास दिलाती हूँ कि मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, मैं उसे सम्मान पूर्वक पूरा करने का वचन देती हूं और विश्वास दिलाती हूं कि एक दिन १३० करोड़ भारतीयों का 'भारत' विश्व में भारत के नाम से ही गौरवान्वित होगा। मंच का संचालन प्रचार प्रसार मंत्री मुंबई निवासी विनोद जी माहेश्वरी ने संभाला। मुंबई निवासी शिखा जी मूंदड़ा ने 'भारत को भारत ही बोला जाए' कविता की शानदार प्रस्तुति दी। सभी सम्माननीय सदस्यों ने अपने विचार प्रस्तुत कर 'भारत को भारत ही बोला जाए' अभियान की सफलता के लिए अपना समर्थन के साथ सहयोग देने का भी वचन दिया।

सभी सम्माननीय सदस्यों से, जिन्होंने पद धारण किए हैं वे प्रतिदिन ५ भारतीयों से बात करें कि भारत को अब केवल भारत ही बोलें, साथ ही घोषित हर कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दिखाएं ताकि संपूर्ण भारत में एक क्रांति का सर्जन हो ताकि भारत मां जब आजादी की ७५ वीं सालगिरह मनाएगी उस समय से विश्व में भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए। मैं आदरणीय सभी सम्माननीय सदस्यों से निवेदन करता हूँ कि 'मैं भारत हूँ' के द्वारा जो भी कार्यक्रम घोषित किए जाते हैं उसमें अपनी उपस्थिति दिखाकर भारत के साथ जुड़ा गुलामी का कलंक 'इंडिया' जब तक भारत से दूर ना हो जाए तब तक भारत मां के सम्मान के लिए अपना बहुमूल्य समय जरूर निकालें, आयोजित कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति जरूर देवें। 'मैं भारत हूँ' का आगामी कार्यक्रम २४ जनवरी वार रविवार को ज़ूम पर संध्या ४:०० से ६:०० तक प्रचार प्रसार मंत्री मुंबई निवासी विनोद जी माहेश्वरी के मार्गदर्शन में निश्चित किया गया है, जिसका लिंक संघ के टेलीग्राम एप पर प्रस्तुत किया जाएगा। सभी सम्माननीय भारतीय मित्रों से निवेदन है कि अपनी उपस्थिति के साथ अपने अमूल्य विचारों की प्रस्तुति देने की तैयारी कर लें ताकि घोषित कार्यक्रम १० फरवरी २०२१ से २१ फरवरी २०२१ तक दिल्ली में 'भारत सम्मान दीपोमय यात्रा' सफलता प्राप्त करे और विश्व में भारत मां केवल 'भारत' के नाम से ही गौरवान्वित हो।

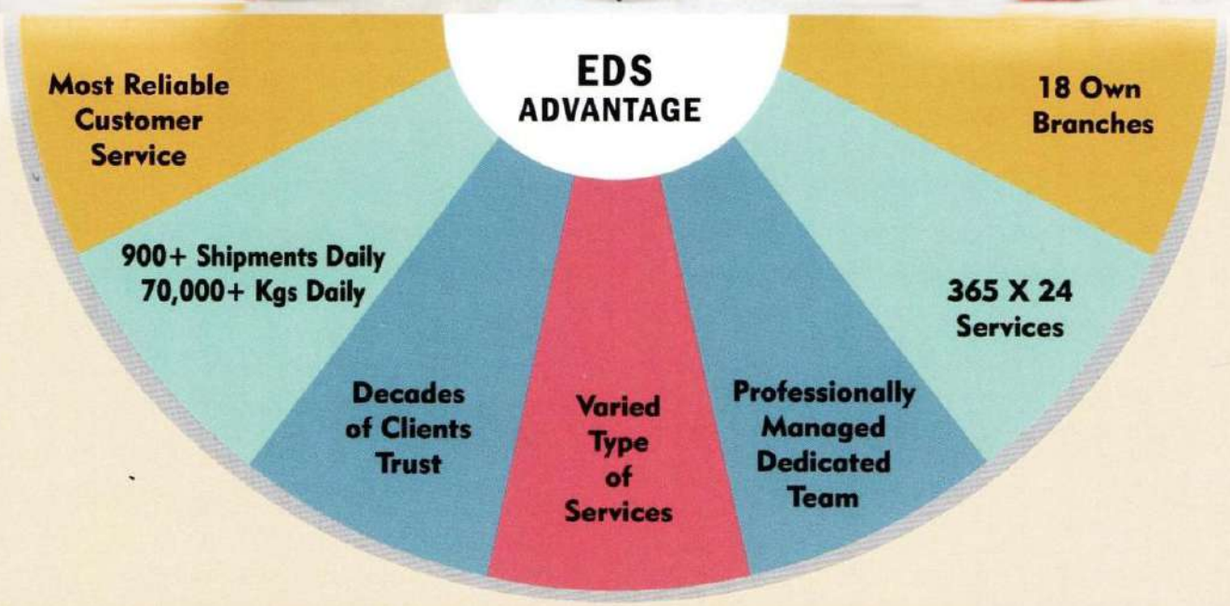

Our Branches

• Mumbai (H O) • Delhi • Bangalore • Chennai • Kolkata • Ahmedabad • Hyderabad • Pune
• Coimbatore • Indore • Jaipur • Nagpur • Goa • Guwahati • Lucknow • Cochin • Bagdogra • Chandigarh

Corporate Office

107, Windfall, Sahar Plaza Complex, Andheri-Kurla Road, Opp. J.B. Nagar, Andheri(East), Mumbai- 400 059.

+91 22 6817 1000 | ghuwalewala@edscargo.com

'नापासर' विशेषांक के प्रकाशन पर सहयोग हेतु विशेष आभार

गणेशलाल नागर
नापासर

शंकरलाल झंवर
कोलकात्ता

पूनम सुथार
वीणा डिजिटल स्टूडियो
नापासर

भारत को 'भारत' बोला जाए

अभियान को सफल बनाने के लिए बीकानेर राजस्थान की नवनियुक्त कार्यकारिणी शपथ ग्रहण करते हुए।

आत्मनिर्भर भारत

उठो साथियों वीर सपूतों, हम आजादी को याद करें
विश्वगुरू भारत हो, आओ मिलकर फरियाद करें
आत्मनिर्भर भारत का, सपना आओ हम साकार करें
अपनाकर स्वदेशी, विदेशी चायना का बहिष्कार करें

जहाँ दूध की नदियाँ बहती थी, सब घरों में गायें पलती थी
''वसुधैव कुटुम्बम'' के होते, अपनों की कमी ना खलती थी
था सौहार्द एक दूसरे के दिल में, प्रेम की बाती जलती थी
खो चुकी जो संस्कृति हमारी, आओ फिर से आबाद करें
आत्मनिर्भर भारत का सपना, आओ मिलकर साकार करें

ना फैशन था ना चायना था, ना ही विदेशी मेले थे
खो-खो, कब्बडी जैसे तो, अपने स्कूली खेले थे
भारत को विजय दिलाने में, महापुरुषों ने दुःख झेले थे
कहाँ खो गये वो दिन भारत के आओ फिर से हम याद करें
विश्व गुरु अब भारत देश बने, आओ मिलकर फरियाद करें

हो चुके हम आदी साधन के, इन विदेशियों के संसाधन के
पाश्चात्य संस्कृति को अपनाकर, सब फिसल गए अनुशासन से
ले आओ राम राज्य फिर से, तो बच पायेंगे नारी शोषण से
उन वीर महापुरुषों की जीवन, गाथाओं को फिर से याद करें
विश्वगुरु अब भारत बने, आओ मिलकर फरियाद करें

महाराणा प्रताप का कर्म यहाँ, मीरा का देखो मर्म जहाँ
सब धर्मों का था मेल यहाँ, ना चलता झूठ फरेब जहाँ
उन बलिदानों की गाथाओं का, आओ पुनः यशोगान करें
आत्मनिर्भर भारत का सपना आओ हम साकार करें
अपनाकर स्वदेशी, विदेशी चायना का बहिष्कार करें

- श्रीमती सरोज मरोठी
प्रदेशाध्यक्ष
राजस्थान प्रदेश
'मैं भारत हूँ'

भारत को केवल 'भारत' ही कहा जाए
ये नारा है हमारा
130 करोड़ भारतीय इसे सफल बनाएं
ये है निवेदन हमारा

ऐतिहासिक आध्यात्मिक नगरी नापासर

'नापासर' भारत के राजस्थान राज्य में बीकानेर जिले का एक कस्बा है। नापासर कस्बा एक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धार्मिक धरोहरो को संजोये हुए हर क्षेत्र में प्रगती की ओर अग्रसर होता हुआ बिकानेर ही नहीं पूरे राजस्थान के हृदयपटल पर अपनी छाप बनाये हुए है।

इसे बीकानेर के महाराजा गंगासिंह जी के भतीजे, युगदृष्टा कुशल राजनीतिज्ञ नापाजी सांखला ने बीकानेर स्थापना के एक वर्ष बाद संवत् १५४६ में

ग्राम पंचायत, नापासर

नापासर की नींव रखी, जिसका शिलालेख नाइयों का मोहल्ला, रामसर रोड पर शिव मंदिर के दरवाजे के ऊपर लगा हुआ है। 'नापासर' की स्थापना के साथ सांखला, धांधल राजपूतों के साथ राठी, डागा, नाई, दर्जी, जोतकी, पारीक, नायक मेघवाल आदि जातियाँ पानी एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से आकर बस गयी। किंवदन्तियों के अनुसार पूर्व में यहाँ अन्य जातियाँ भी बस्तियों के रूप में अस्तित्व में थी, उस समय के देवासर बस्ती के अवशेष अभी भी मौजूद है। वर्तमान में देवासर काँकड़ अवस्थित है। लेकिन गाँव नगण्य है। कालान्तर में धीरे-धीरे झँवर, आसोपा, मोहता, कर्डू (सूरतगढ़) सोमाणी वृन्दावन से, ओझा रामसर से, मूंधड़ा डीडवाना से, करनानी केसरदेसर से, जाटान बादनूं व आसपास के गाँवों से आ-आकर यहाँ पानी एवं सुरक्षा की दृष्टिकोण से अपने परिवारों के साथ बसते चले गए। सर्वप्रथम यहां कोई प्रमाणिक शैक्षणिक संस्था नहीं थी, लोग अपने स्तर से ही वाणिका आदि का अध्ययन कर लेते थे।

नापासर राजस्थान की एक बड़ी ग्राम पंचायत है। स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता और उनके पूर्व

शेष पृष्ठ १२ पर...

पृष्ठ ११ से... सरपंच स्व. बजरंगलाल आसोपा का 'नापासर', जिसे नेताजी के नाम से भी जाना जाता है।

'नापासर' रेलवे स्टेशन में २ प्लेटफार्म हैं। पैसेंजर, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें यहां रुकती हैं।

नापासर जनसंख्या: 'नापासर' में करीब ४००० परिवार निवासित हैं। 'नापासर' गाँव की जनसंख्या २२८९३ है जिसमें ११८८८ पुरुष हैं और ११००५ महिलाएँ हैं।

नापासर गाँव में ०-६ आयु वर्ग के बच्चों की जनसंख्या ३४८८ है जो गाँव की कुल जनसंख्या का १५.२४% है। नापासर गाँव का औसत लिंग अनुपात ९२६ है जो राजस्थान राज्य के औसत ९२८ से कम है। जनपद की जनगणना के अनुसार बाल लिंग अनुपात ९१९ है, जो राजस्थान के औसत ८८८ से अधिक है।

बीकानेर की तुलना में नापासर गाँव में साक्षरता दर अधिक है। २०११ में राजस्थान के ६६.११% की तुलना में नापासर गाँव की साक्षरता दर ७३.०५% थी। नापासर में पुरुष साक्षरता ८२.२९% है जबकि महिला साक्षरता दर ६३.०७% है। भारत और पंचायती राज अधिनियम के अनुसार नापासर गाँव का प्रशासन सरपंच (गाँव के मुखिया) द्वारा किया जाता है, जो गाँव का प्रतिनिधि होता है।

पशुपालन एवं कृषि क्षेत्र: पशुपालन एवं कृषि क्षेत्र के कार्यों में वस्तु विनिमय तथा सामाजिक व्यवस्थाओं के अनुकूल जीवन निर्वाह करते थे। पशुपालन एवं कृषि के अलावा कोई अन्य आजीविका का कोई विशेष साधन नहीं था। पानी के लिए ताल-तलैया या बरसाती पानी के संग्रहण से ही काम चलाते थे।

'नापासर' में ऊनी शॉल, सूती कपड़े (कपड़ा), वस्त्र, टाइलें, पीवीसी, लकड़ी, खाद्य प्रसंस्करण भुजिया और पापड़ भी मुख्य है। कपड़ा और कपास उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। 'नापासर' में बहुत से लोगों के पास खेती या निवेश के काम हैं। बीकानेर के गावों में नापासर वृक्षारोपण में भी अग्रणी रहा है, नापासर की सीमा से लगे सभी गावों को जानेवाली सड़कों के किनारे हरे-भरे वृक्ष लगाए गए है, जिनके लिए गांव के ही गोपी किशन झंवर, बद्रीनारायण मूंधडा, मदन गोपाल झंवर, भैरूदान मूंधड़ा, गोपाल झंवर, दामोदर प्रसाद जोशी, ओम लखानी तथा गणेशलाल नागर, व अन्य ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

'नापासर' के आकर्षण में शामिल हैं:

१. बाबा रामदेव जी मंदिर (पुराना मंदिर) देशनोक रोड

२. माँ भद्र काली मंदिर (पारीक चौक)

३ गायत्री माता मंदिर

४. श्री द्वारकेशदेव अवं सन्तशिरोमणि श्री पापाजी महाराज मंदिर (पीपी चौक पर चतरिया समाज द्वारा निर्मित)

५. गणेश मंदिर (देशनोक रोड पर)

६. झंवर गेस्ट हाउस: स्वर्गीय हनुमानदास जी झंवर द्वारा निर्मित और सत्यनारायण जी झंवर द्वारा प्रबंधित।

(गंगासागर (पश्चिम बंगाल) में पहला गणेश मंदिर भी झंवर परिवार द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है)

७. वेद विद्यालय (संस्कृत पाठशाला-शिक्षा के लिए प्रसिद्ध)

८. माँ दुर्गा का मंदिर (सोनी परिवार के अधिक प्रभाव/देखभाल के कारण सोनिया री बगीची के नाम से जाना जाता है)

९. हनुमान धोरा

१०. लक्ष्मीनाथ जी मंदिर

११. माहेश्वरी भवन (माहेश्वरी परिवारों के

शेष पृष्ठ 14 पर...

बाबा रामदेव मंदिर, नापासर

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

चहुं ओर स्नेह श्रद्धा, सदभाव की लहर, न कोई दिखावा,
ना कहीं आडंबर, प्रकृति का अनोखा उपहार है ''नापासर''

रतिराम तावणिया
सरपंच प्रतिनिधि (नापासर)
भ्रमणध्वनि : ९९५००९९५०४/ ६३७६८४८५८८

पो.नापासर, जि. बीकानेर,
राजस्थान, भारत - ३३४२०१

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

संतो की भूमि
'नापासर' के इतिहास
प्रकाशन पर
'मेरा राजस्थान'
परिवार को धन्यवाद

Sundar Lal Tanwar
भ्रमणध्वनि: 98300 49132

Ishwar Tanwar
भ्रमणध्वनि: 98304 36565

Durga ENTERPRISES
Mfg. of Girls Designer Wear

Ishwar Bhai
भ्रमणध्वनि: 98304 36565

Ram Bhai
भ्रमणध्वनि: 9836220834

My Dream Designer Wear
MN Real

19, Brojo Dulal Street, 3rd Floor, Kolkata, West Bengal, Bharat - 700 007

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

संतो की भूमि 'नापासर' के
इतिहास प्रकाशन पर
'मेरा राजस्थान' परिवार को
हार्दिक शुभकामनाएं

Jethmal Prahlad Das Rathi
Mob. : 93766 28193

Rama
Rama Water Coats Industries L.L.P.

Mfg. H.D.P.E Tarpaulin Roll

D-271, 3rd Floor, Sumel Business, Park-ll, B/h. Vanijya Bhavan,
Kankaria Road, Ahmedabad, Gujrat, Bharat - 380022
e-mail : ramawatercoats.2017@gmail.com www.shreetarp.com
Ph. : 079-25450555

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

धरती पर स्वर्ग जैसा बसा है
यह शहर मंदिरों से भरा पुरा गांव
'नापासर' के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Jagdish Bagri भ्रमणध्वनि: 9339880966

KITCHEN ESSENTIALS
Rasoi ka makeover

RK ENTERPRISES

188, M.G. Road, 4th Floor, Kolkata, West Bengal, Bharat - 700007

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पृष्ठ १२ से...

श्री द्वारिकाधीश मंदिर, नापासर

योगदान के साथ निर्मित)

१२. करणी माता मंदिर
१३. साई बाबा मंदिर (नापासर-सिंधल) रोड
१४. गोपाल मंदिर (मुंडारा इलाके में)
१५. श्री रामचंद्र जी मंदिर (करणी परिवार के योगदान से निर्मित)
१६. हनुमान वाटिका
१७. डूंगरपुरी हनुमान जी मंदिर
१८. हनुमान मंदिर (जन्माष्टमी महोत्सव के लिए प्रसिद्ध)
१९. हनुमान मंदिर (जाट मोहल्ला)
२०. तारा माता मंदिर, जिसे काली माता मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।
२१. वीर तेजाजी मंदिर (चुंगी चौकी के पास)
२२. जसनाथ जी का बदी (जाट मोहल्ला)
२३. हनुमान जी का मंदिर पट्ट बास, नेहरू चौक
२४. प्राचीन भगवान शिव मंदिर के पास एक पवित्र झील, जिसे पंडरिया झील के नाम से जाना जाता है।
२५. रामदेव जी मंदिर के पीछे, एक झील जिसे पकोरी झील के नाम से

शेष पृष्ठ 15 पर...

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
वर्ष २०२१ सुख पूर्वक व स्वास्थ पूर्वक हो
धरती पर स्वर्ग जैसा बसा है यह शहर हवेली मंदिरो से भरा पुरा गांव
'नापासर' के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय

Manoj Karnani
भ्रमणध्वनि: 9830344486
INTERNATIONAL TRADELINK
12, Amartall Street 3rd Floor, Room No. 201,
Kolkata, West Bengal, Bharat - 700 001
Ph. : 033-40032957
e-mail : mk_km22@hotmail.com
internationaltradelinkltd@gmail.com
भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

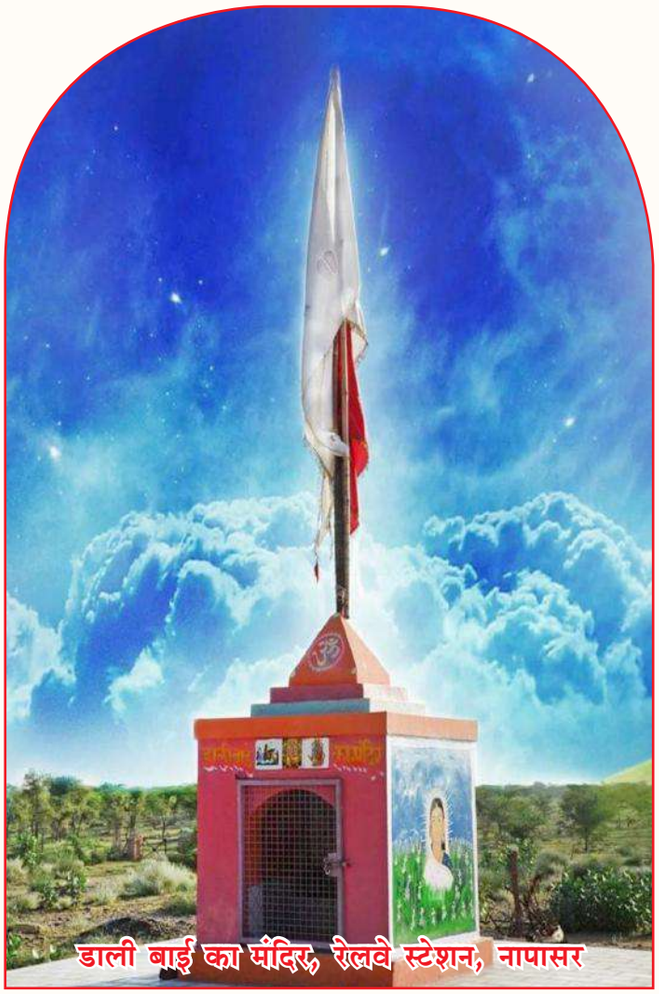
डाली बाई का मंदिर, रेलवे स्टेशन, नापासर

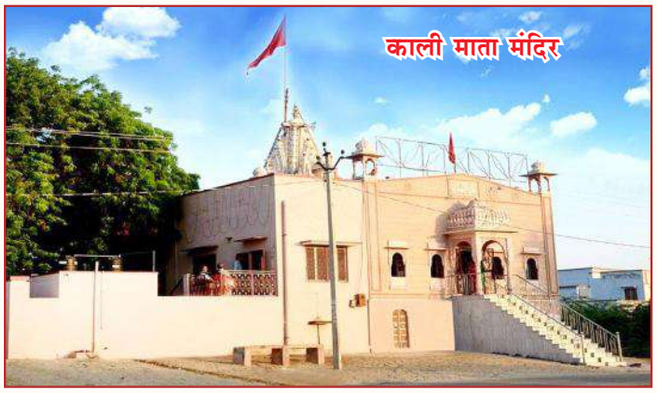

पृष्ठ १४ से... जाना जाता है।

२६. विश्वकर्मा जी मंदिर (नेहरू चौक)
२७. एसबीआई बैंक सिंतल रोड
२८. आरएमजी बैंक मुख्य बाजार
२९. पीएनबी बैंक स्टेशन रोड

शेष पृष्ठ 16 पर...

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
वर्ष २०२१ सुख पूर्वक व स्वास्थ पूर्वक हो
भामाशाओं की भूमि 'नापासर' के इतिहास प्रकाशन पर
'मेरा राजस्थान' परिवार को धन्यवाद

Panna Lal Kothari
भ्रमणध्वनि: 9330926633
Kothari Lungi House
House Of : Fancy Lingies Towels & Bed Sheets
20, Pageya Patty Street,
Kolkata, West Bengal, Bharat - 700 007
Ph. : 033 - 2269 3063 / 2666 1909
भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

देश सेवक, उद्योगपतियों की भूमि
राजस्थान का 'नापासर'
इतिहास के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Shree Kishen Mundhra
भ्रमणध्वनि :09830092339
Kohinoor
(3) TEEN
BHAIYON KI DUKAN
Raincoat, Rainwear & all types
of Blankets, Winter Wear
13, Basant Lal Murarka Road, (Pageya Patty),
Ground Floor, Kolkata, West Bengal, Bharat-700007
दूरध्वनि: 033-22715118
भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान भारत की वर्तमान राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

हनुमान वाटिका, नापासर

तथा अक्टूबर १९८२ में हायर सैकण्डरी स्कूल की मंजूरी मिलने पर ऋषिकेश शर्मा प्रधानाचार्य के सान्निध्य में 'नापासर' बीकानेर जिले में पायलेट स्कूल की श्रेणी में आने लगा तथा बालक-बालिकाओं ने कीर्तिमान स्थापित किया। आज की स्थिति का अवलोकन कर विहंगम दृष्टि डालें तो 'नापासर' कस्बा शिक्षा क्षेत्र में अग्रणीय बन रहा है।

शिक्षा व खेलकूद क्षेत्र में कई छात्र-छात्राओं ने मैरिट में स्थान प्राप्त किया है। खेलकुद में श्री किशनलाल झंवर, श्री अशोक कुमार आसोपा, श्री बजरंगलाल सोमाणी ने राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर 'नापासर' का गौरव बढ़ाया है तथा 'नापासर' के कई सपूत भारतीय एवं राज्य प्रशासनिक सेवाओं में भी कार्यरत हैं। यही नहीं व्यापारिक एवं व्यवसायिक क्षेत्र का अवलोकन करें तो एक से एक विलक्षण प्रतिभाएँ देश-विदेश में 'नापासर' का गौरव बढ़ा रही हैं।

धार्मिक भूमि नापासर: ऐतिहासिक नगरी 'नापासर' बीकानेर से २७ किलोमीटर दूर स्थित है। नापासर सन्त सेवाराम जी महाराज की तपोभूमि है तथा श्री बजरंगलाल जी आसोपा की कर्मस्थली रही है, जहाँ महान संतों का हमेशा समागम एवं आशीर्वाद रहा है। चारों जगतगुरु शंकराचार्यों का भी परम पूजनीय प्रात: स्मरणीय करपात्री जी महाराज के साथ पदार्पण हुआ। स्वामी रामसुखदासजी महाराज की तो 'नापासर' के प्रति हमेशा कृपा दृष्टि रही, उसी का प्रतिफल है कि यहाँ प्रात:काल उठते ही गायत्री पुरश्चरणों से परिष्कृत स्वर सन्तों एवं भागवत् वाचकों के मुख से मुखरित वाणी, ब्रह्म तेजस्वी ब्राह्मणों के वेदपाठ एवं शिव महिमा

शेष पृष्ठ 18 पर...

पृष्ठ १५ से... ३०. पंचायत भवन में डाकघर

नापासर की प्रथम पाठशाला: सर्वप्रथम पंडित शिवदयाल शर्मा ने अक्टूबर सन् १९१८ में एक झोपड़े में पाठशाला शुरू की, जहाँ १००-११० छात्र वणिका व हिन्दी पहाड़ा का अध्ययन करते थे, जिसका समय-समय पर निरीक्षण होता था। सेठ साहूकारों ने कलकत्ते से दस हजार रुपये की व्यवस्था कर तथा नापासर के जाटों ने मिलकर विद्यालय का नवीनीकरण किया तथा पक्के कमरों का निर्माण भी करवाया, जिसमें बीकानेर दरबार ने भी अपने खजाने से सहयोग प्रदान किया। १३ अप्रैल सन् १९२५ में पं. शिवदयाल शर्मा की बदली होने के बाद छात्र संख्या कम होने लगी तथा पढ़ाई स्तर गिरने लगा, जिसके फलस्वरूप पूरणमलजी एवं मोतीलालजी ने व्यवस्था संभाली।

दिनांक २७.१०.१९३० को स्टेट स्कूल में हिन्दी वणिका के साथ-साथ अंग्रेजी विषय पढ़ाने की स्वीकृति मिल गयी तथा समुचित पढ़ाई भी शुरू होने से पुनः छात्र संख्या बढ़ने लगी। जैसे-जैसे शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ी, अन्य लोगों ने भी प्राइवेट शालाएं खोलना शुरू कर दिया। श्री टीकूराम जी मथेरण ने रुघजी महाराज की पिरोल के कमरों में तथा बेरासर से आये स्वामी तनसुखदासजी ने अपने घर में ही पढ़ाना शुरू किया। मिडिल स्कूल की स्वीकृति मिलने पर स्टेट की स्कूल में ही अच्छी पढ़ाई होने लगी। उत्तरोत्तर १९५७-५८ में हाईस्कूल

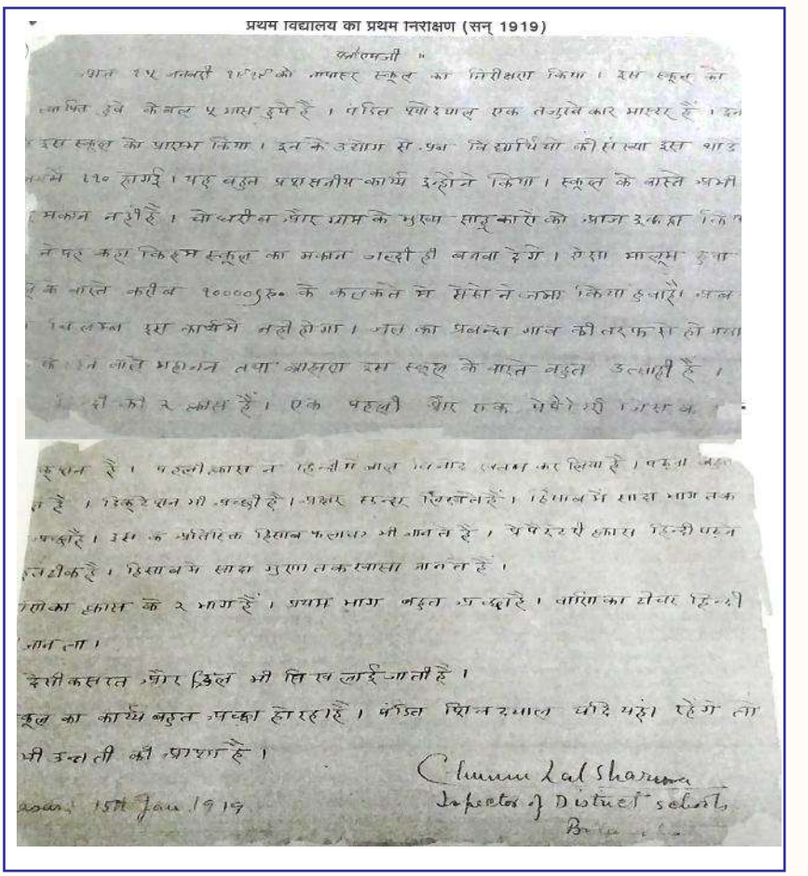

प्रथम विद्यालय का प्रथम निरीक्षण (सन् 1919)

Chunni Lal Sharma
Inspector of District schools
Bikaner

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

राजस्थान की शान 'नापासर' के
ऐतिहासिक प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Narayan Jhawar
Mob: 9331007372

Baldev Jhawar
Mob: 9331005173

R R TRADING CO.

Indenting & Commission
Agent of all types of Cotton Grey Varieties,
Suiting Shirting & Dhoti

61, Jamunalal Bajaj Street, 3rd Floor,
Kolkata, West Bengal, Bharat- 700007

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान
नीम लगायें

भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
पर्यावरण बचायें

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
'नापासर' के
इतिहास प्रकाशन पर
'मेरा राजस्थान' परिवार को
हार्दिक शुभकामनाएं

Rainbow
Rain Wears
RAINBOW FASHION
Winter Jackets

Babulal Mundhra
Mob. : 9830037797

RAINBOW WATERPROOF PVT. LTD.
12. NOORMAL LOHIA LANE, 3RD FLOOR, KOLKATA, WEST BENGAL, BHARAT -700 007
PHONE : 033-22687820

CHAMPALAL MAHESHWARI & BROS
76. JAMUNALAL BAJAJ STREET, KOLKATA, WEST BENGAL, BHARAT -700 007
PHONE : 033-22698373, 9836548211

NAPASAR POLYMER PVT. LTD.
(An ISO 9001 : 2008 Certified Company)
Manufacturer of : Rubberised Fabrics (ST & DT), Hospital Sheet, P.R.S., Babymate, Raincoat, Air Pillow, Ground Sheet, Holdall, P.S.P. Bed etc.
Regd. Office : 12, Normal Lohia Lane, 3rd Floor, Kolkata, West Bengal, Bharat - 700 007
Phone : +91 33 2268 3586, Telefax : +91 33 2218 0165 e-mail : npplcal@rediffmail.com
Branch : - Kolkata , Mumbai, Delhi , Jaipur

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
'नापासर' विशेषांक के प्रकाशन पर
'मेरा राजस्थान' परिवार को हार्दिक बधाई

Badrinarayan Bagri
भ्रमणध्वनि: 9423634848

Harish Bagri
भ्रमणध्वनि: 9423102728

BAGRI AGENCIES
MAHESHWARI MARKETING

Distributors:
BLACK COBRA PLYWOOD, HB GOLD PLYWOOD, Livansh Ply, KINETIC, Mohanda, TUFFEN, GOLDEN SAFARI, KANGARO PLYWOOD

Lajwanti Complex, 10/2, Central Avenue,
Near Gandhi Pulta, Nagpur,
Maharashtra, Bharat-440002
Ph: 0712-2777366
email: harishbagrinagpur@gmail.com

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान
नीम लगायें
'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान
पर्यावरण बचाये

Sri Balaji Lubricants
Mfg. All Kinds of Lubricanting Oil & Greace
Mahesh Kumar Bang - 9331024449, 7003625770

132, Cotton Street, 4th Floor, Kolkata - 700 007
Factory : Vill Bhantida (Khaldhar)
Dist/Ps : Rajarhat, North 25 Paraganas

Residence : 137 VIP Road
Netural Height Block-7, Flat No. 6A
Kolkata - 700 052

Bang Oil Company
Sun Oil Company
Mfg. All kinds of Lubricating oil & Greace
Sunil Kumar Bang - 9312580307
Anil Kumar Bang - 9971205707
Sector - 2, Block - J181/188
Bawana Industrial Area, New Delhi

Residence : 33A Sanjay Nagar,
4th Floor, Rohini Sector-3
Near (Jaipur Golden Hospital)
Delhi

Gajanand Bang - 8296800699, 7003032269

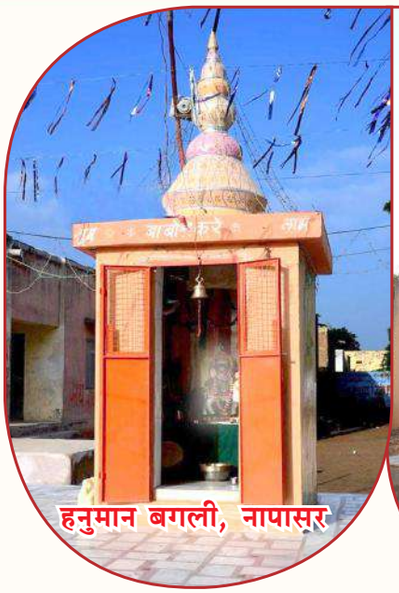
हनुमान बगली, नापासर

डूँगरपुरी बाबा मंदिर

पूजा पाठ अर्चना, घंटा घड़ियालों की मधुर ध्वनि सारे वातावरण में शीतल मंद पवन के झोंकों के साथ झंकृत होती नजर आती है। दानदाताओं द्वारा 'नापासर' की चतुर्दिक दिशाओं में लगाये गये पेड़ों के झुरमुटों से आती ठण्डी बयार जन-मानस को नया जीवन प्रदान करती है।

नापासर की सामाजिक संस्थाएं: कर्मवीर सभ्यता एवं संस्कृति को संजोये हुए धर्मपरायण लोग 'नापासर' में निवास करते हैं, जिसका प्रमाण है कि सभी सार्वजनिक संस्थाएं रा. उ. मा. वि., गीता देवी बागड़ी बालिका उच्च मा. विद्यालय, चौतीना कुआं, मिडिल स्कूल, रेफरल हॉस्पिटल, पशु चिकित्सालय, नवयुवक पुस्तकालय, सुभाष क्लब, सन्त श्री सेवाराम गौशाला, धर्मार्थ औषधालय, सनातन संस्कृत पाठशाला आदि अनेक संस्थाओं का निर्माण यहां के प्रवासी एवं स्थानीय दानदाताओं के सहयोग से हुआ है। माहेश्वरी भवन का निर्माण भी जनसहयोग से हुआ है, जो कि उल्लेखनीय है। 'नापासर' की शान उ. मा. वि. विद्यालय का निर्माण करवाया गया है, श्री अनिल ओझा ने विज्ञान वर्ग प्रयोगशाला हेतु चार कमरे का सभी सुविधाओं से सुसज्जित कर चार चांद लगा दिए है।

नापासर नागरिक परिषद के रतनलाल मूंधड़ा ने अवगत कराया कि परिषद रेफरल हॉस्पिटल का निर्माण करवाकर साधन सम्पन्न कर, राज्य सरकार को समर्पित किया गया है, जहाँ गांवों के रोग ग्रस्त लोगों का इलाज होता है। बालिका शिक्षा की बढावा के लिए गीतादेवी बागडी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का निर्माण मांगीलाल बागडी ने करवाकर, सी. एम. मूंधडा मेमोरियल चेरिटेबल में १९ कमरे व तीन लॅब का निर्माण करवाकर आदर्श प्रस्तुत किया है। इसके अलावा प्राइवेट विद्यालयों से सहित १३ हजार विद्यार्थी 'नापासर' में अध्ययनरत है।

नापासर कस्बे के शिक्षा स्तर को सुधारने हेतु एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु नि:शुल्क पाठय पुस्तकें,

राजकीय रेफरल हॉस्पिटल

राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय नापासर

गणवेश, अन्य आर्थिक सहयोग सदैव मिलता रहा है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने सही कहा है-

जिसकी रज में लौट-लौटकर बड़े हुए हैं
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं
उस माटी को हम प्रणाम कर रहे हैं
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाये
जिसके कारण धूल भी हीरे कहलाये
मिलकर नापासर को संवारें व सजायें

वास्तव में मातृभूमि स्वर्ग से भी महानतम् है, उसके प्रति लगाव रहता ही है, जहाँ सभी जनवासी सर्वधर्म समभाव, पारस्परिक सौहार्द्र, बन्धुत्व और सहिष्णुता से निवास करते हैं।

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

भारत नाम आजादी का है
India नाम गुलामी का है
हम गुलाम नहीं आजाद हैं
बिजय जी! आप आगे बढ़ें हम आपके साथ हैं

SERVICE SINCE 1976

43 Years Of Glory In Handing

TRON ORE ● CHROME ORE ● COKE ● COAL ●
SPONGE IRON ● STEEL ● ALUMINIUM ● FERTILISERS
VARIOUS OTHER MINERALS

KANDOI TRANSPORT LIMITED

Regd. Office :
KANDOI HOUSE
Matha Sahi, Chauliaganj, Cuttack, Odisha, Bharat - 753003,
Phone : 0671-2442029 Fax - 0671-2445377
e-mail : ho@ktlgroup.in, kandoitransport @ yahoo.co.in

AMBIKAPUR : 7024146885, 9178102995 ● ANGUL : 9437076029 ● ANPARA : 09161927700
BALASORE : 9437072880 ● BANAPAL : 9937839651 ● BARGAON : 08965040409
BELPAHAR : 9858756120/9437799066 ● BEMETRA : 09575578853
BHIWANDI : 09860107430 ● BADDI (HP) : 9816038384 ● DANAGADI : 9437073068
GAZIABAD (UP) : 09350128042 ● HATHBANDH : 09977450277
HOWRAH : 07439321734/07439261303 ● JHARSUGUDA : 9437076027
JODA : 9437021179 ● JAMSHEDPUR : 9431 179996/9337390155 ● KAWADHA : 9685704103
KARBA (CG) : 09300598657 ● LANJIGARH : 9438258026 ● MANGULI : 9438533976
NAGPUR : 08149926507 ● NEW DELHI: 08826756981/08826756984 ● PARADEEP - 9437075334
RAIPUR (CG) : 09589347377 ● RENUKOOT : 09792738222/05446254139
TALCHAR : 9439142431 ● VISAKHAPATNAM : 09348995400.

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान नीम लगायें पर्यावरण बचायें

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

Santosh Kumar Jhunjhunwala

Vicky fashion ltd
Manufacturer of Ready Made Garment

Unit No. 232, Sanjay Bldg. No. 5B,
Mittal Industrial Estate, Andheri Kurla Road,
Andheri East, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400059
Ph.: +91-22-40600400
Fax : 91-22-40600428
E-mail: admin@vickyfashionltd.com,
mkt@vickyfashionltd.com

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचायें

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

२०२१ भारत का ही होगा
भारत को केवल 'भारत' ही कहा जाएगा
बिजय जी! आप आगे बढ़ें
आपका अरमान जरूर पूरा होगा

SUNIL SARAF

C-1803, Lakshchandi Height,
Krishna Vatika Marg, Gokuldham, Goregaon East,
Mumbai, Maharashtra, Bharat-400 063
Ph.: R: 022- 35977750
O- 022-4058 9888 M: 98201 82260

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान

श्री छगनलाल झंवर नीमड़ीवाला चेरिटेबल ट्रस्ट का संक्षिप्त परिचय

महर्षि वाल्मिकी ने अपने अमर ग्रंथ रामायण में लिखा है
जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

'मेरा राजस्थान' परिवार प्रार्थना करता है कि परमपिता परमेश्वर आपको गणेश की सिद्धि, लक्ष्मी की वृद्धि, चाणक्य की बुद्धि, विक्रमादित्य का न्याय, भीष्म की प्रतिज्ञा, हरिश्चन्द्र की सत्यता, विदेह की विरक्ति, तानसेन का राग, दधिचि का त्याग, भृतहरी का वैराग, एकलव्य की लगन, सूर के भजन, कृष्ण की मित्रता, गंगा की पवित्रता, सूर्य की दिव्यता, माँ का ममत्व, पारे का घनत्व, शारदा का ज्ञान, कर्ण का दान, ध्रुव का ध्यान, पवन की गति, विदुर की नीति, रघुकूल की रीति प्रदान करें।

नापासर: अपनी मातृभूमि के सर्वांगीण विकास हेतु प्रवासी लोग तथा स्थानीय महानुभाव हमेशा तत्पर रहते हैं, इसी से प्रेरणा लेकर श्री नन्दकिशोर झंवर एवं श्री जुगलकिशोर झंवर ट्रस्टी, श्री छगनलाल झंवर नीमड़ीवाला चेरिटेबल ट्रस्ट, नापासर ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क गणवेश पेन्ट/हाफपेन्ट, शर्ट, स्कर्ट, जूते, मौजे, टाई, पाठ्य सामग्री में पेन, पेन्सिल, ज्योमेट्रिक बॉक्स, कॉपियाँ, स्कूल बेग तथा प्रतिभावान बालक-बालिकाओं को सम्मान प्रदान कर हर तरह से सहयोग देकर उनके शैक्षिक, सहशैक्षिक स्तर को सुधारने एवं गुणवत्ता हेतु नापासर वासियों के सहयोग से संकल्प लिया है, जिसमें शिक्षा विभाग तथा शिक्षा समिति के सदस्य, अध्यापक वर्ग का सहयोग मिला है जिस कारण रा.उ.प्रा.वि., नापासर अपने एक आदर्श प्रस्तुत किया है। प्रयोगात्मक रूप से ही समर्पित विषय अध्यापक/अध्यापिकाओं व जनता का रचनात्मक सहयोग मिलने पर जिले में ही नहीं पूरे राजस्थान में एक अनुपम अभिनव नवाचार का प्रयोगात्मक परीक्षण हुआ है।

शिक्षाप्रेमियों के मार्गदर्शन एवं अलौकिक सुझावों के साथ सहयोग निरन्तर मिलता रहा, प्रवासीगण अपनी मातृभूमि के प्रति उदारभाव रखा, अविस्मरणीय सहयोग प्रदान किया है।

श्री छगनलाल झँवर नीमड़ीवाला ट्रस्ट के प्रतिनिधि श्री नन्दकिशोर झँवर एवं जुगलकिशोर झँवर परिवार का सहयोग स्तुत्य एवं अनुकरणीय है। परमपिता परमेश्वर की कृपा से आप सदा इसी तरह अपने धीर-वीर-गम्भीर

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नापासर

पुरूषार्थ के सहारे जीवन में आगे बढ़ते रहें और आमजन के मानस पटल पर आपकी अमिट छाप युगों-युगों तक बनी रहे, ऐसी मनोकामना समस्त राजस्थानियों की विश्वस्तरीय एकमात्र ऐतिहासिक पत्रिका 'मेरा राजस्थान' परिवार करता है।

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

Naresh Suthar
Mob: 9898282300, 9829282300

ENOX E | SAINT-GOBAIN | MODIGUARD | OZONE FOR A SAFER WORLD

Sanskriti CREATION
The Work of Glass

Shop no. 13 - UG, mahalxmi complex, Bhatar Char Rasta,
Surat, Gujarat, Bharat 395007
Email : sanskriticreation2300@gmail.com

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान
'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान
नीम लगायें
पर्यावरण बचाये

हम-सब
भारत को 'भारत' ही बोलेंगे

श्री लक्ष्मीनाथ जी का मंदिर नापासर में

नापासर में श्रीलक्ष्मीनाथ जी का मंदिर १०० वर्ष से प्राचीन है। मंदिर के बाहर प्राप्त शिलालेख में मंदिर का जीर्णोद्धार विक्रम सम्वत् २००८ फाल्गुन सुदि सप्तमी के दिन मुर्हुत का उल्लेख है। मंदिर की भूमि लिखमीचंद झंवर की थी, लगभग ८० वर्ष पहले पंडित श्री रामपाल जी जोशी ने सामान्य पट्टशिला पर लक्ष्मीनारायण जी की २ मुर्ति मोहल्ले वालों से परामर्श कर ग्रीष्म ऋतु में सूर्य के ओज से श्रद्धालुओं की इच्छा और मोहल्लेवासियों के लिए मंदिर का निर्माण झंवर-सोमाणी-राठी-मोहता परिवारों ने मिलकर किया। मंदिर में लक्ष्मीनारायण एवं शिवपरिवार के साथ हनुमानजी प्रतिष्ठित है। इस मंदिर में मणिमय दुर्लभ श्री यंत्र स्थापित है। सम्वत २०७५ में मंदिर निर्माताओं ने विद्युतीकरण कर चांदी कपाट एवं स्वर्णिम कार्य से कलात्मक स्वरूप प्रदान किया है। मंदिर में शिवरात्री अन्नकूट वितरण अनवरत उत्सव मनाये जाते हैं। सम्वत् २०४२ में संत रामलाल जी जोशी जी के वैकुन्ठवासी होने के पश्चात उनके चिरायु पं किशनलाल जोशी यथावत् पूजा-पाठ, हवन आदि करते हैं। श्री किशनलालजी, जोशी भागवताचार्य एवं संस्कृत के विद्वान पंडित है। पूजा पाठ, हवन इत्यादि कर्मकांडो में भी आप दक्ष है। उनका पूरा परिवार मंदिर के प्रति समर्पित है। मंदिर की सेवा अखण्ड गंगाधारा से समाज प्रवाहित होती रहे यही प्रभु के चरणों में प्रार्थना है।

-पं. किशनलाल जोशी शास्त्री
भ्रमणध्वनि: ९८२९९१५८२०

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
२०२१ भारत का ही होगा
भारत को केवल 'भारत' ही कहा जाएगा
बिजय जी! आप आगे बढ़ें
आपका अरमान जरूर पूरा होगा
Him Prakash Lunia
Mob: 9374020709
OM SYNTHETIC
HIMANSHU TEXTILE
Cloth Merchant
162, 1st Floor, New Cloth Market,
Ahmedabad, Gujarat, Bharat-380 002.
Ph. (0)079 22161141
☆☆☆☆☆☆
Resi: 7, Spandan Apartment, Krishna Kunj Society,
Near Pran Shankar Hall, Bhairavnath, Kankaria Road,
Maninagar, Ahmedabad, Gujarat, Bharat-380028
भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचायें

संत श्री सेवाराम गौशाला प्राणी सेवा एकमात्र उद्देश्य

'नापासर' संत श्री सेवाराम महाराज जी की तपोभूमि व पूर्व सरपंच जननायक स्व. बजरंग लाल आसोपा की कर्मभूमि रही है। 'नापासर' में बड़े-बड़े संत एवं धर्माचार्यों का पदार्पण हुआ है। हमारे सनातन धर्म के धर्म सम्राट ब्रह्मलीन श्री करपात्री जी महाराज चारों शंकराचार्य, स्वामी रामसुख दासजी, निरंजन पीठाधीस्वर आचार्य ब्रह्मलीन श्री १००८ नृसिंग गिरीजी महाराज, महेशानन्द गिरीजी महाराज, श्री कृष्णानन्द गिरीजी महाराज तथा वर्तमान आचार्य १००८ श्री पुण्यानन्द गिरीजी महाराज, श्री कृष्णानन्द गिरीजी महाराज तथा वर्तमान

आचार्य १००८ श्री पुण्यानन्द गिरीजी महाराज जो की वर्तमान श्री रामेश्वर दक्षिणा मूर्ति वेदांत आश्रम ट्रस्ट के अंतर्गत शिवालय एवं श्री शंकर सनातन धर्म संस्कृत पाठशाला 'नापासर' का भी संचालन एवं पोषण करीबन ८३ वर्षों से करते आ रहे हैं। संत श्री सेवाराम जी महाराज जिन्होंने यहीं पर तपस्या की थी, उनकी याद में करीबन ६० वर्ष पहले अर्थात १४ अगस्त १९६० को कृष्णाष्टमी के दिन गौशाला की स्थापना की गयी थी, जो की संत श्री सेवाराम गौशाला 'नापासर' के नाम से जानी जाती है, इस गौशाला में संत श्री सेवाराम जी की समाधि व मंदिर बने है। गौशाला में भव्य दो भाग बने हुए हैं। वार्ड में गायों की सेवा सुविधा की व्यवस्था अच्छी है। गौशाला के पास बाराघर बना हुआ हैं जिनमें चारे की व्यवस्था की गयी है। गौशाला ट्रस्ट के अंतर्गत दुधारू पशु, बछड़े, सांड, असहाय पशु भी हैं। असहाय पशुओं के लिए दवाई आदि की व्यवस्था भी की जाती है। गौशाला की बनावट इस प्रकार बनी हुई है कि कस्बे तथा आसपास के लोगों का दर्शनीय स्थल बना हुआ है। गौशाला दान दाताओं के सहयोग से चल रही है।

वर्तमान में संत श्री सेवाराम गौशाला के ट्रस्टीगण में वरिष्ठ ट्रस्टी श्री रतनलाल जी मुंधड़ा, श्री हरिकिशन जी झंवर, श्री किशनलालजी मुंधड़ा, श्री रामकिशन जी सोमाणी, श्री चम्पालाल जी मूंधड़ा (मोदी), पुषराज तोषणीवाल, श्री श्याम सुंदर जी झंवर, श्री शंकरलाल जी झंवर, कार्यकारिणी पदाधिकारी अध्यक्ष श्री रामकिशन जी सोमाणी, उपाध्यक्ष श्री बद्रीनारायण जी तोषणीवाल, मंत्री श्री शंकरलाल जी झंवर, उपमंत्री श्री श्यामसुंदर जी राठी, उपमंत्री श्री नारायणदास जी झंवर, कोषाध्यक्ष श्री सुंदरलाल जी झंवर के साथ व्यवस्था समिति में श्री तुलसीराम जी सादाणी, श्री घनश्याम जी पेड़ीवाल प्रमुख हैं।

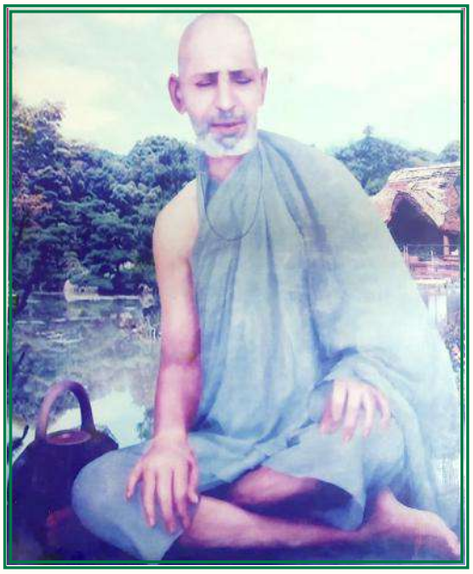

परमपिता परमात्मा को समर्पित

प्रसिद्ध संत श्री सेवाराम जी महाराज

नापासर के धर्म भीरू यहां के प्रसिद्ध सन्तश्री सेवारामजी महाराज रहे, जिन्होंने अपनी गुफा में एकान्तभाव से राम नाम का स्मरण किया तथा नापासर के जनमानस में परमपिता परमेश्वर के प्रति अटूट श्रद्धाभाव अंकुरित किया।

श्री दिव्य दर्शन संस्करण के अनुसार सेवाराम जी महाराज का जन्म सम्वत् १९५५ के आसपास मेवाड में देवलिया, प्रतापगढ में एक प्रतिष्ठित (क्षत्रिय) परिवार में हुआ। आपके पिताश्री मूलसिंह चौहान व माता का नाम नन्दुबाई था। सेवारामजी का बचपन का नाम शेरसिंह था। बचपन से ही सेवारामजी शान्त स्वभाव के धनी थे। १५ वर्ष की आयु में ही मातुश्री का देहान्त होने कारण आप जोधपुर आ गये वहां ९ रुपये मासिक पर भीखमशाह पुलिस अधिकारी के यहां नौकरी करने लगे, लेकिन मन परमात्मा के चरणों में था इसलिए अधिक समय भक्तिभाव में ही लीन रहने लगे। १८ माह बाद आपने रेल्वे आफिस में भी १३ रुपये मासिक में चपरासी की नौकरी की। सेवारामजी शिक्षा में प्रवीण नहीं थे, निरक्षर से ही थे, पर कार्यालय में अपनी मिलन सरिता के कारण अक्षर ज्ञान थोड़ा बहुत हुआ। आपने अपनी तीव्रबुद्धि से एक ब्रह्मचारी ब्राम्हण से संस्कृत का सुलभ ज्ञान प्राप्त कर लिया। अधिकतर समय पशु-पक्षियों की सेवा आध्यात्मिक परिचर्चा भजन कीर्तन में ही व्यतीत होता था। धीरे-धीरे मन में संसार विरक्ति हो गयी, आपके काका गणेशसिंह ने विवाह के बन्धन में बाँधने की कोशिश की लेकिन सेवारामजी ने इन्कार कर दिया। २२-२३ वर्ष यौवनकाल में आपने वृन्दावन आकर हरिचरणों में सन्यास ले लिया। वापस जोधपुर आये, भक्ति भाव से सराबोर प्राणीमात्र की सेवासुश्रु से आप शेरसिंह से सेवाराम हो गये। रामस्नेही पद्धति से दीक्षा प्राप्त कर क्षमादास महाराज के रामद्वारे में रहे। तत्पश्चात ब्यावर में भारतीय भवन आश्रम में दिगम्बरानन्दजी महाराज के सानिध्य में संस्कृत का विशद ज्ञान प्राप्त किया, इसी शाला में श्री रामसुखदास जी महाराज भी इनसे प्रभावित हुए तथा भजन कीर्तन हरि स्मरण की जोत जगी।

दिगम्बरानन्द के देहान्त के बाद सेवारामजी सन्त श्री रामसुखदास के साथ ऋषिकेश आये, यहां के बाद बांकुडा में चातुर्मास किया।

इसके बाद सींथल पधारे, रूघजी महाराज के आग्रह पर चोखारामजी महाराज की अनुमति से भजनश्रंग में चातुर्मास किया। आपको 'नापासर' अच्छा लगा। जीवन पर्यन्त यहीं रहे, आपकी कुटिया (गुफा) अभी भी गायत्री भवन के पास है। ऐसे महान सन्त का १७ अप्रैल १९८४ को सन्त समागम के बीच राम-राम उच्चारण करते हुए देवलोक गमन हो गया। आपके सद्प्रयासों से सन्त श्री सेवाराम गौशाला नापासर की स्थापना हुई।

मारवाड़ी सीख

चौखी संगत माय उठणो बैठणो
काम से काम करणों
उड़तो तीर नहीं पकड़नो
घणों लालच नहीं करणों
सोच समझ कर पग राखणों
रास्ते आणों, रास्ते जाणों
जित्तो हो सके उत्तो कम बोलणों
छोटा बड़ा को काण कायदो राखणों
जित्तो पचे उत्तो ही खाणों (पेट खुद को होवे है)
बीना पुच्छयाँ सलाह नहीं देणी
पराई पंचायती नहीं करणी
आटे में लूण समावे, लूण में आटो नहीं
पगा बलती देखणी डुंगर बलती नहीं
बीच में ही लाडे की भुवा नहीं बणनी
सुणनी सबकी, करणी मन की
या है मारवाड़ी सीख सबकी

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

Shiv Shankar Aggarwal (C.A)
Mob: 9811468534
Aggarwal Sarawagi & Co.
203-204, Himalaya Place, 65, Vijay Block,
Laxmi Nagar, Delhi, Bharat - 110092
Ph. : 011 - 43025340
e-mail - shivaggarwal_402@yahoo.co.in
Res. : B-124, UGF, Preet Vihar,
Delhi, Bharat - 110092 Ph. : 011- 40573672
भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

शिवालय, शंकर सनातन धर्म संस्कृत पाठशाला (शिव मठ)

नापासर: विक्रम संवत १९९६ ईस्वी सन् १९३८ को रामेश्वर दक्षिणामूर्ति वेदान्त आश्रम ट्रस्ट बनारस के अंतर्गत आचार्य बह्मलीन श्री निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य श्री १००८ नृसिंगगिरीजी महाराज द्वारा ग्रामवासियों से चंदा इकठ्ठा कर इस शिवालय की स्थापना की गयी थी, जिसमें मालकावत परिवार एवं आसोपा परिवार का योगदान सरहानीय सकारात्मक रहा। उसी समय विद्यार्थियों को संस्कृत कर्मकांड, वैदिक पूजा-पाठ का ज्ञान करवाने का कार्य शुरू हुआ। प्रथम पुजारी स्व. परमानन्द जी थे, उसके बाद में स्व. गोविंददेव जी शास्त्री, स्व. बालमुकुंद जी लाटा, स्व. भूधर जी शास्त्री रहे। वर्तमान में श्री रामरतन जी शर्मा हैं। यह श्री शंकर सनातन धर्म संस्कृत पाठशाला के नाम से जानी जाती है, संस्था के आचार्य श्री रामेश्वर वेदान्त आश्रम ट्रस्ट के ब्रह्मलीन गिरीजी महाराज, श्री नृसिंगगिरीजी महाराज, ब्रह्मलीन श्री महेशानन्द गिरीजी महाराज, ब्रह्मलीन श्री कृष्णानंदगिरी जी महाराज एवं वर्तमान में श्री १००८ श्री पुण्यानन्द गिरीजी महाराज द्वारा संचालित की जा रही है। यहां विद्यार्थियों को संस्कृत पढ़ाने तथा उनके रहने के लिए कमरे, कार्यालय, एक वाचनालय कक्ष, यज्ञशाला, आचार्य महोदय के रहने लिए कमरे बने हुए हैं। रसोई घर, सामान कक्ष, स्टोर व अन्न भंडार स्टोर के लिए भी कमरे बने हुए है। सरस्वती मंदिर तथा विशाल प्राचीन शिवमंदिर में भगवान लक्ष्मीनारायण की भव्य मूर्ति स्थापित है।

श्री १००८ स्वामी पुण्यानंद गिरिजी महाराज

श्री शंकर सनातन धर्म संस्कृत पाठशाला ८३ वर्षों से श्री रामेश्वर दक्षिणामूर्ति वेदान्त ट्रस्ट आश्रम बनारस से संचालित और पोषित है। ट्रस्ट के आचार्य को ही सर्वोच्च अधिकार है, इसके आचार्य श्री १००८ पुण्यानंद गिरीजी महाराज हैं। इस विद्यालय से हजारों पंडित विद्या अध्ययन कर भारत के कोने-कोने में अपने ज्ञान चक्षु से लोगों का जीवन सुधार रहे हैं। कई भगवंताचार्य है, कई मंदिरों में पाठ पूजा, विवाहशादी, कर्मकांडो में भाग ले रहे है। यह बीकानेर जिले की सबसे बड़ी संस्कृत पाठशाला भी यही है।

-शंकरलाल झंवर, कोलकात्ता

नापासर नागरिक मंच द्वारा आयोजित रंगारंग कार्यक्रम

कोलकात्ता: माहेश्वरी समाज की ओर से सम्मान समारोह के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। कोलकात्ता, मुंबई, सुरत हो चाहे नापासर इस धरा पर जन्मा जन्मानस हर प्रकार के सांस्कृतिक भाव संजोये हुए है। संयोजक शिवशंकर करनानी के अनुसार समारोह में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया।

सम्मानित होने वालों में भूतमल मूंधड़ा, सत्यनारायण झंवर, गिरधारीलाल झंवर, देवकिशन मूंधड़ा, फूसराज तोषनीवाल, बद्रीनारायण झंवर शामिल रहे, इसके अलावा शिक्षा पुरस्कार के तहत कक्षा पांच से बारह तक के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, हास्य-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। फूलों की होली से माहौल रंगमय हो गया।

कार्यक्रम में बड़ी तादाद में महिलाएं भी उपस्थित थी। अध्यक्ष ब्रजगोपाल मूंधड़ा, मंत्री शिवकुमार झंवर, कोषाध्यक्ष रामेश्वर लाल झंवर, संयोजक शिवशंकर करनानी ने अतिथियों का स्वागत किया। मनोज मूंधड़ा, जुगल राठी, ओमप्रकाश करनानी, नारायण झंवर ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

JITENDRA PUGALIA
Mob : 9843015393
BHARAT DHAREWA
Mob : 9442633403

CITY PLYWOOD

985, Mettupalayam Road, Near Iringal Lodge,
Coimbatore, Tamilnadu-641002
Ph: 0422-4366573, 0422-2546573
Email: cityplycbe@gmail.com

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

२०२१ भारत का ही होगा
भारत को केवल 'भारत' ही कहा जाएगा
बिजय जी! आप आगे बढ़ें
आपका अरमान जरूर पूरा होगा

HEMANT KUMAR JODHANI
Mob : 9811035224

Jodhani Brothers

V-2389, Chatta Shahji, Chawri Bazar,
Delhi, Bharat- 110006.
Ph: 011-23278322, 011-23284468, 011-23252759
E-mail- hjodhani2003@hotmail.com

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

Ashok Lunia
Mob: 9831020159

HB-323, Sector-III, Saltlake City,
Kolkata, West Bengal, Bharat- 700106
Ph.: 033-23596010
e-mail: luniaassociates@yahoo.in

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान जरूर पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

बच्छाराज राखेचा
उपाध्यक्ष तारानगर विकास एसोसिऐशन, दिल्ली

श्रीमती उमा देवी राखेचा
पूर्व अध्यक्ष तेरापंथ महिला मंडल दिल्ली

भ्रमणध्वनि
९८१००६२८९९

D-16 B, Haus Khas, 2nd Floor,
Delhi, Bharat - 110016.
Ph. : 011 - 26536479
e-mail : brakhecha@gmail.com

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

ईश्वर की रचना व मानव संविधान ईश्वर ने सृष्टि की रचना करते समय तीन विशेष रचना की...

१. अनाज में कीड़े पैदा कर दिए, वरना लोग इसका सोने और चाँदी की तरह संग्रह करते।
२. मृत्यु के बाद देह (शरीर) में दुर्गन्ध उत्पन्न कर दी, वरना कोई अपने प्यारों को कभी रहीं जलाता या नहीं दफनाता।
३. जीवन में किसी भी प्रकार के संकट या अनहोनी के साथ धैर्य और साहस भी दिया, वरना जीवन में निराशा और अंधकार ही रह जाता, कभी भी आशा, प्रसन्नता या जीने की इच्छा नहीं होती।

दोस्तों जीना सरल है...
प्यार करना सरल है..
हारना और जीतना भी सरल है...
तो फिर कठिन क्या है?
सरल होना बहुत कठिन है।
वक्त की एक आदत बहुत अच्छी है,
जैसा भी हो गुजर जाता है!
'कामयाब इंसान खुश रहे ना रहे,
खुश रहने वाला इंसान कामयाब जरूर हो जाता है।

-रतन लाल अग्रवाल
डायरेक्टर आर. आर. अग्रवाल ज्वेलर्स, कोलकाता

श्री श्याम मंदिर आलमबाज़ार में श्याम दीवानों का हुआ भारी संख्या में आवागमन

- **सुबह ५ बजे हिन्दमोटर से पैदल ध्वजा यात्रा कर श्याम दरबार पहुंचे भक्तजन**
- **सुरक्षा प्रबंध व्यवस्था के साथ सभी ने किये श्याम बाबा के दर्शन**

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में खाटू वाले श्याम बाबा के दिव्य अलौकिक दरबार श्री श्याम मंदिर आलमबाज़ार में नए साल के प्रथम दिन सुबह से मध्य रात्रि तक लगातार श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहा। मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही सैकड़ों भक्त हाथों में निशान लिए सुबह ५ बजे हिन्दमोटर श्री श्याम मंदिर मारवाड़ी पट्टी से पैदल यात्रा करते हुए बाबा श्याम का दीदार करने व बाबा को निशान अर्पित करने मंदिर पहुंचे। मंदिर में कोरोना से सुरक्षा हेतु उपलब्ध आवश्यक प्रबंध व्यवस्था के साथ सभी भक्तों ने भी अपनी निजी सुरक्षा वस्तुओं का बखूबी पालन करते हुए मास्क का उपयोग करते हुए, संभवतः आवश्यक दुरी को ध्यान में रखते हुए, हाथों को धोने के साथ मंदिर में भक्तों के लिए लगाए गए सैनिटाईजर टर्नल में प्रवेश करते हुए क्रमबद्ध होकर बाबा श्याम के नयनाभिराम श्रृंगार का दर्शन किया। मंदिर के न्यासी गोविन्द मुरारी अग्रवाल ने बताया कि नए वर्ष पर ईश्वर की पूजा आराधना व देवस्थानों के दर्शन से एक उर्जात्मक शक्ति का संचार होता है और नए साल का शुभारम्भ श्यामप्रभु की पूजा अर्चना व उनके दिव्य अलौकिक दर्शन के साथ हो तो हृदय रोमांचित हो उठता है और यही कारण है की निजी सुरक्षा के अलावा मंदिर द्वारा प्रबंध व्यवस्था में सहयोग करते हुए सुबह से मध्यरात्रि तक बाबा श्याम के दर्शन कर वर्ष भर सुख समृद्धि हेतु अरदास लगायी गई। सुरक्षा कारणों से मंदिर स्थल में ज्यादा देर बैठने की अनुमति नहीं होने से कतार में खड़े भक्तों ने शीघ्रता एवं सहजता से बाबा श्याम के दर्शन का आनंद उठाया। मंदिर की ओर से प्रतिदिन नियमित रूप से संचालित दोनों पहर भोजन वितरण की सेवा भी लॉकडाउन आरम्भ से निरंतर जारी है। इस अवसर पर मंदिर के न्यासीगण, मंदिर परिवार सदस्यगण व मंदिर से जुड़े हितैषीगण उपस्थित रहे।

बैरकपुर पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने रविवार को सहपत्नी श्री श्याम मंदिर आलमबाज़ार में श्याम बाबा के दर्शन एवं पूजा अर्चना करते हुए, चित्र में मंदिर की ओर से उनका अभिनन्दन करते हुए न्यासी गोविन्द मुरारी अग्रवाल।

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

MJF. Ln. Jagdish Prasad Porwal

President : Sri Maheshwari Samaj, Pondicherry
Vice President : Tamilnadu Kerala Pondicherry Pradeshik Maheshwari Sabha Chennai
Vice President : Rajasthan Welfare Association, Pondicherry
Mg. Trustee : Jagdish Porwal Charitable Trust

PORWAL BANKERS (Finance)
191, Anna Salai, Pondicherry - 605001
PONDY TILES (Branded Tiles & Sanitary Wares Showroom)
87, Cuddalore Main Road, Ariyankuppam, Pondicherry - 605007
PONDAY ASSOCIATES (Distributors for Paints & Epoxy)
59, Eight Cross Street, Rainbow Nagar, Pondicherry - 605011
PONDT FINANCIERS (Advances Against Gold & Silver Articles)
189, Anna Salai, Pondicherry - 605001

jagdishporwal@hotmail.com | 0413-2335899, 2335699 | 9442235899, 8015511111

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

Bimal Chachan
Mob : 9247591031
Abhishek Chachan
Mob : 9440037092

NIDHI ALLOY STEEL TRADERS

DEALERS IN IRON AND STEEL

Dealers & Stockists Of :

Die Steel, Tool Steel, Alloy Steel, Carbon Steel, HCHCr, HDS,
All EN Series,Mild Steel in Rounds, Flats, Squares, Hexagonals in Rolled,
Forged & Bright Bars & other forms of Iron & Steel

10-11-70/7, G.P. Complex, Shivalayam Road, Fathe Nagar,
Hyderabad, Telangana, Bharat - 500018
e-mail : nidhialloys@gmail.com

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

मेरा भारत बनेगा अब महान India हटेगा बढ़ेगी भारत की शान
सभी भारतवासियों का नववर्ष मंगलमय हो

Ummed Jewellers
Gold & Silver Jewellers
House Of Exclusive Designers Jewellery
Bureau Of Indian Standards Hallmarked Jewellery
Manufacturer, Exporters, Wholesalers Retailer Of :
All Kind Of Gold Jewellery Silver Utensiles, Coins., Lagdi
Jitu Jain : 098211 55 798 e-mail : utzaverisons@gmail.com

U.T. Zaveri & Sons
Exclusive Gold, Diamond & Solitaire Jewellery
36, Dagina Bazar, Mumbadevi Road,
Mumbai, Maharashtra, Bharat-400002 Ph: 022-22413336/7
अणुडाक:umedjewellers@rediffmail.com अंतरताना:www.umedjewellers.com

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

मेरा भारत बनेगा अब महान
India हटेगा, बढ़ेगी भारत की शान
२०२१
नूतन वर्ष में सब घुल-मिल जाए
हर जीवन में खुशियाँ लाए

PURUSHOTTAM LAHOTI
भ्रमणध्वनि : 9866337828

14-10-1494/95, Jinsi Chowraha,
Hyderabad, Telangana, Bharat - 500012
दूरध्वनि 040-24740589

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचायें

देखो देखो हम भारत बोल रहे हैं
आप भी भारत बोलो हम सुन रहे हैं

Ramratan Bhutra
Chairman

R R GROUP
Ramratan Bhutra Enterprise
Textiles • Laminates • Power
Corporate Office :
A/210, 2nd Floor, India Textile Market, Ring Road,
Surat, Gujarat, Bharat-395002
Ph.: +91 261 2326303, 2327929 e-mail : rrbhutra0707@gmail.com

भारत का स्वर्णिम संक्षिप्त इतिहास

भारत ने अपने इतिहास में किसी भी देश पर हमला नहीं किया है। जब कई संस्कृतियों में ५००० साल पहले घुमंतू वनवासी थे, तब भारतीयों ने सिंधु घाटी (सिंधु घाटी सभ्यता) में हड़प्पा संस्कृति की स्थापना की।

भारत का अंग्रेजी में नाम 'इंडिया' इंडस नदी से बना है, जिसके आस पास की घाटी में आरंभिक सभ्यताएं निवास करती थी। आर्य पूजकों में इस इंडस नदी को सिंधु कहा।

सिंधु नदी

ईरान से आए आक्रमणकारियों ने सिंधु को हिंदु की तरह प्रयोग किया। 'हिंदुस्तान' नाम सिंधु और हिंदु का संयोजन है, जो कि हिंदुओं की भूमि के संदर्भ में प्रयुक्त होता है।

● शतरंज की खोज भारत में की गई थी।

● बीज गणित, त्रिकोण मिति और कलन का अध्ययन भारत से ही आरंभ हुआ था।

● 'स्थान मूल्य प्रणाली' और 'दशमलव प्रणाली' का विकास भारत में १०० बी सी में हुआ था।

● विश्व का प्रथम ग्रेनाइट मंदिर तमिलनाडु के तंजौर में बृहदेश्वर मंदिर है। इस मंदिर के शिखर ग्रेनाइट के ८० टन के टुकड़ों से बने हैं। यह भव्य मंदिर राजाराज चोल के राज्य के दौरान केवल ५ वर्ष की अवधि में (१००४ ए डी और १००९ ए डी के दौरान) निर्मित किया गया था।

● भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और विश्व का सातवां सबसे बड़ा देश तथा प्राचीन सभ्यताओं में से एक है।

● सांप सीढ़ी का खेल तेरहवीं शताब्दी में कवि संत ज्ञान देव द्वारा तैयार किया गया था इसे मूल रूप से मोक्षपट कहते थे। इस खेल में सीढियां वरदानों का प्रतिनिधित्व करती थीं जबकि सांप अवगुणों को दर्शाते थे।

इस खेल को कोड़ियों तथा पासे के साथ खेला जाता था। आगे चल कर इस खेल में कई बदलाव किए गए, परन्तु इसका अर्थ वही रहा अर्थात अच्छे काम लोगों को स्वर्ग की ओर ले जाते हैं जबकि बुरे काम दोबारा जन्म के चक्र में डाल देते हैं।

● दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट का मैदान हिमाचल प्रदेश के चायल नामक स्थान पर है। इसे समुद्री सतह से २४४४ मीटर की ऊंचाई पर भूमि को समतल बना कर १८९३ में तैयार किया गया था।

● भारत में विश्व भर से सबसे अधिक संख्या में डाक खाने स्थित हैं।

● भारतीय रेल देश का सबसे बड़ा नियोक्ता है। यह दस लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

● विश्व का सबसे प्रथम विश्वविद्यालय ७०० बी सी में तक्षशिला में स्थापित

तक्षशिला विश्वविद्यालय

किया गया था। इसमें ६० से अधिक विषयों में १०,५०० से अधिक छात्र दुनिया भर से आकर अध्ययन करते थे।

नालंदा विश्वविद्यालय चौथी शताब्दी में स्थापित किया गया था जो शिक्षा के क्षेत्र

नालंदा विश्वविद्यालय

में प्राचीन भारत की महानतम उपलब्धियों में से एक है।

● आयुर्वेद मानव जाति के लिए ज्ञात सबसे आरंभिक चिकित्सा शाखा है। शाखा विज्ञान के जनक माने जाने वाले चरक में २५०० वर्ष पहले आयुर्वेद का समेकन किया था।

● भारत १७वीं शताब्दी के आरंभ तक ब्रिटिश राज्य आने से पहले सबसे सम्पन्न देश था। क्रिस्टोफर कोलम्बस भारत की सम्पन्नता से आकर्षित हो कर भारत आने का समुद्री मार्ग खोजने चला और उसने **शेष पृष्ठ २९ पर...**

पृष्ठ २८ से... गलती से अमेरिका को खोज लिया।

● नौवहन की कला और नौवहन का जन्म ६००० वर्ष पहले सिंध नदी में हुआ था। दुनिया का सबसे पहला नौवहन संस्कृत शब्द नव गति से उत्पन्न हुआ, शब्द नौ सेना भी संस्कृत शब्द नोउ से हुआ है।

● भास्कराचार्य ने खगोल शास्त्र के कई सौ साल पहले पृथ्वी द्वारा सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने में लगने वाले सही समय की गणना की थी। उनकी गणना के अनुसार सूर्य की परिक्रमा में पृथ्वी को ३६५.२५८७५६४८४ दिन का समय लगता है।

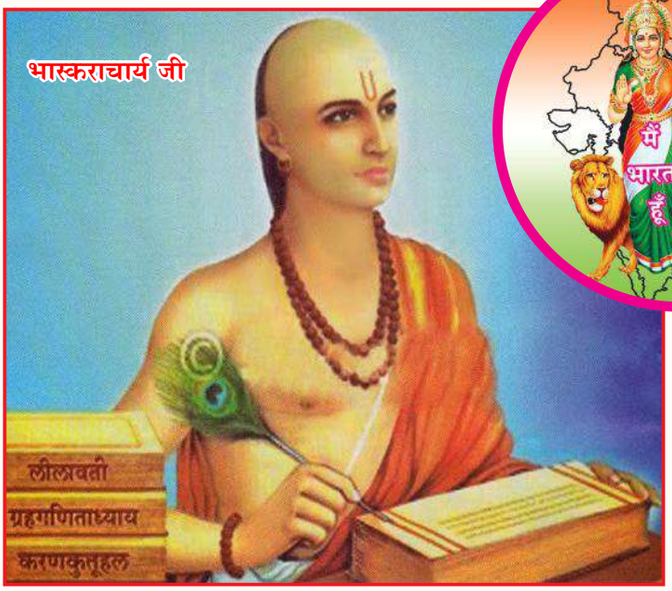

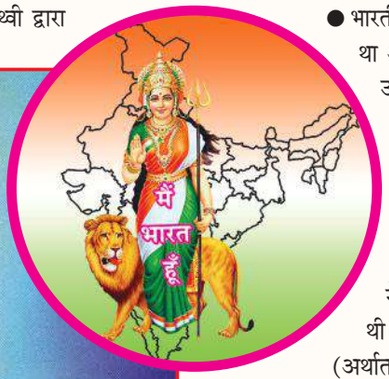

● भारतीय गणितज्ञ बुधायन द्वारा 'पाई' का मूल्य ज्ञात किया गया था और उन्होंने जिस संकल्पना को समझाया उसे पाइथागोरस का प्रमेय कहते हैं। उन्होंने इसकी खोज छठवीं शताब्दी में की, जो यूरोपीय गणितज्ञों से काफी पहले की गई थी।

● बीज गणित, त्रिकोण मिति और कलन का उद्भव भी भारत में हुआ था। चतुष्पद समीकरण का उपयोग ११वीं शताब्दी में श्री धराचार्य द्वारा किया गया था। ग्रीक तथा रोमनों द्वारा उपयोग की गई की सबसे बड़ी संख्या १०६ थी जबकि हिन्दुओं ने १०*५३ जितने बड़े अंकों का उपयोग (अर्थात १० की घात ५३), के साथ विशिष्ट नाम ५००० बीसी के दौरान किया। आज भी उपयोग की जाने वाली सबसे बड़ी संख्या टेरा: १०*१२ (१० की घात१२) है।

● वर्ष १८९६ तक भारत विश्व में हीरे का एक मात्र स्रोत था। (स्रोत: जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका)

● बेलीपुल विश्व में सबसे ऊंचा पुल है। यह हिमाचल पर्वत में द्रास और सुरु नदियों के बीच लद्दाख घाटी में स्थित है, इसका निर्माण अगस्त १९८२ में भारतीय सेना द्वारा किया गया था।

शेष पृष्ठ ३० पर...

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

संतो की भूमि
'नापासर' के इतिहास
प्रकाशन पर
'मेरा राजस्थान'
परिवार को धन्यवाद

Devkishan Mundhra
भ्रमणध्वनि : 9840602884

sunpet®
M-PET
CLEAR-PACK
Zodiac® COMBS
STEELO

MUNDHRA & ASSOCIATES
✻ DISTRIBUTORS ✻
PET CONTAINERS, BOTTLES, CAPS & COMBS

#7, KASI CHETTY LANE, CHENNAI,
TAMIL NADU, BHARAT - 600 079.
PHONE : 2538 0650, 4216 2093
e-mail : mundhraassociates@gmail.com

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

चहुं ओर स्नेह श्रद्धा, सदभाव की लहर, न कोई दिखावा,
ना कहीं आडंबर, प्रकृति का अनोखा उपहार है "नापासर"

दामोदर प्रसाद झंवर (दमजी)
भ्रमणध्वनि : ९३५२६३८१५१

बद्रीनारायण झूमरमल

मैन बाज़ार, पो.नापासर, जि. बीकानेर,
राजस्थान, भारत - ३३४२०१

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पृष्ठ २९ से... ● सुश्रुत को शल्य चिकित्सा का जनक माना जाता है। लगभग २६०० वर्ष पहले सुश्रुत और उनके सहयोगियों ने मोतियाबिंद, कृत्रिम अंगों का लगना, शल्य क्रिया द्वारा प्रसव, अस्थिभंग जोड़ना, मूत्राशय की पथरी, प्लास्टिक सर्जरी और मस्तिष्क की शल्य क्रियाएं आदि की।

● निश्चेतक का उपयोग भारतीय प्राचीन चिकित्सा विज्ञान में भली भांति ज्ञात था। शारीरिकी, भ्रूण विज्ञान, पाचन, चयापचय, शरीर क्रिया विज्ञान, इटियोलॉजी, आनुवांशिकी और प्रतिरक्षा विज्ञान आदि विषय भी प्राचीन भारतीय ग्रंथों में पाए जाते हैं।

● भारत से ९० देशों को सॉफ्टवेयर का निर्यात किया जाता है।

● भारत में ४ धर्मों का जन्म हुआ - हिन्दु, बौद्ध, जैन और सिक्ख धर्म और जिनका पालन दुनिया की आबादी का २५ प्रतिशत हिस्सा करता है।

● जैन धर्म की स्थापना हजारों वर्ष व बौद्ध धर्म की स्थापना भारत में ५०० बी सी में हुई थी।

इस्लाम भारत का और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा धर्म है। भारत में ३,००,००० मस्जिदें हैं जो किसी अन्य देश से अधिक हैं, यहां तक कि मुस्लिम देशों से भी अधिक।

● भारत में सबसे पुराना यूरोपियन चर्च और सिनागोग कोचीन शहर में है। इनका निर्माण क्रमश: १५०३ और १५६८ में किया गया था।

ज्यू और ईसाई व्यक्ति भारत में क्रमश: २०० बी सी और ५२ ए डी से निवास करते हैं।

● विश्व में सबसे बड़ा धार्मिक भवन अंगकोरवाट हिन्दु मंदिर है जो कम्बोडिया में

११वीं शताब्दी के दौरान बनाया गया था।

● तिरुपति शहर में बना विष्णु मंदिर १०वीं शताब्दी के दौरान बनाया गया था, यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल है। रोम या मक्का धार्मिक स्थलों से भी बड़े इस स्थान पर प्रतिदिन औसतन ३० हजार श्रद्धालु आते हैं और लगभग ६

मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रति दिन चढ़ावा आता है।

● सिक्ख धर्म का उद्भव पंजाब के पवित्र शहर अमृतसर में हुआ था। यहां प्रसिद्ध स्वर्ण मंदिर की स्थापना १५७७ में हुयी थी।

● वाराणसी, जिसे बनारस के नाम से भी जाना जाता है, एक प्राचीन शहर है जब भगवान बुद्ध ने ५०० बी सी में यहां आगमन किया और यह आज विश्व का सबसे पुराना और निरंतर आगे बढ़ने वाला शहर है।

भारत द्वारा श्रीलंका, तिब्बत, भूटान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के ३,००,००० से अधिक शरणार्थियों को सुरक्षा दी जाती है, जो धार्मिक और राजनैतिक अभियोजन के फलस्वरूप वहां से निकल गए हैं।

माननीय दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म के निर्वासित धार्मिक नेता हैं, जो उत्तरी भारत के धर्मशाला में अपने निर्वासन में रह रहे हैं।

● युद्ध कलाओं का विकास सबसे पहले भारत में किया गया और बौद्ध धर्म प्रचारकों द्वारा पूरे एशिया में फैलाई गई।

योग कला का उद्भव भारत में हुआ है और यह ५,००० वर्ष से अधिक समय से मौजूद है। ऐसी कई-कई विभूतियां को लिए विश्व में सम्मानित 'भारत' आज 'भारत और इंडिया' दो नामों से पहचाना जाता है जो कि हम १३० करोड़ भारतीयों के लिए शर्म की बात है। 'भारत' अंग्रेजों के शासनकाल से आजाद हुए ७५वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है

अब तो भारत को अंग्रेजों के द्वारा दिए गए गुलामी का नाम 'इंडिया' से मुक्त करवाना होगा और हर भारतीयों को कहना होगा कि 'मैं भारत हूँ'।

संकलन कर्ता
संतलाल यादव
तेलियारगंज, प्रयागराज,
उत्तर प्रदेश,
भारत- . २११००४
भ्रमणध्वनि : 99562 64907

With Best Compliments from

Amrit Agencies (Indore) Pvt. Ltd.

104, Corporate House, 1st Floor, 'A' Wing,
169, R.N.T. Marg, Indore – 452 001
Ph. : +91 731 3060900, Fax : +91 731 2526090
Email : info@amritaditi.com

Authorised Whole Sellers :

- The West Coast Paper Mills Ltd., Dandeli (U.K.)
- Tamil Nadu Newsprint & Papers Ltd., Chennai
- Century Pulp & Paper, Lalkua
- Khanna Paper Mills Ltd., Amritsar
- Kuantum Papers Ltd., Chandigarh
- Ballarpur Industries Ltd., Mumbai
- Shreyans Industries Ltd., New Delhi

Associate Concern:

- Shivganga Drillers Pvt. Ltd.
- Mosaic Network (India) Pvt. Ltd.
- Aditi Enterprises Pvt. Ltd.

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
!! श्री करणी माता !!

'नापासर' के
इतिहास प्रकाशन पर
'मेरा राजस्थान' परिवार को
हार्दिक शुभकामनाएं

Madan Gopal Meghraj Soni
(NAPASARWALA)

GOLD ORNAMENTS SUPPLIERS

8, HANSPUKURIA, 1ST LANE, 1ST FLOOR,
KOLKATA, WEST BENGAL, BHARAT - 700 007
PH. : 033 - 22737046
MOB. : 9830090703 / 9836549042

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचायें

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

चहुं ओर स्नेह श्रद्धा, सदभाव की लहर, न कोई दिखावा,
ना कहीं आडंबर, प्रकृति का अनोखा उपहार है "नापासर"

शंकर लाल झंवर

भ्रमणध्वनि : ९८२९९ ६५३४३

झंवरो का मोहल्ला, वार्ड नं. ८,
नापासर, जि. बीकानेर,
राजस्थान, भारत - ३३४२०१

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
'नापासर' के इतिहास प्रकाशन पर
'मेरा राजस्थान' परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं

लालचंद आसोपा

प्रधान, पंचायत समिति बीकानेर

भ्रमणध्वनि : ९८२९९ २२५४७

नापासर, जि. बीकानेर,
राजस्थान, भारत - ३३४२०१

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचायें

नापासर के लाल
सेवा के अवतार स्व. श्री आशाराम मूँधड़ा

माँ वसुन्धरा ऐसे महान सपूतों को जन्म देती है जो उसके गौरवमयी महानता एवं ऐश्वर्य को अक्षुण रखने में अपना सर्वस्व समपर्ण करने को तैयार रहते हैं और उनमें सेवा-भावना की लहरें हिलोरें लेती रहती है, जो किसी भी जरूरतमन्द की सहायता करने को सदैव तत्पर रहते हैं, ऐसे महान व्यक्तित्व एवं विभिन्न प्रतिभाओं के धनी श्री आशारामजी मूँधडा ने संत श्री सेवाराम जी महाराज की तपोभूमि व धर्मनगरी 'नापासर' में श्री भागीरथ जी मूँधडा के प्रांगण में १७ फरवरी १९२९ को जन्म लिया। पिता का दुलार, माँ का वात्सल्यभाव भरा प्यार एवं परिवार के अग्रज बन्धुओं की करूणामयी छत्रछाया में आपका पालन-पोषण हुआ। आपने कस्बे में ही गुरूजनों के सानिध्य में दसवीं तक शिक्षा प्राप्त की।

आप अल्पायु में ही कलकत्ता प्रवास कर व्यापार के गुर सीखे तथा मुम्बादेवी माँ की कृपा से सन् १९६२-६३ में आप बम्बई आ गये। यहाँ आकर आपने आढत का कार्य अत्यन्त उत्साह एवं कुशाग्रबुद्धि से शुभारम्भ कर अपने हमजोलियों के नाम किया। माँ लक्ष्मी एवं सरस्वती की कृपा से शीघ्र ही अपनी स्वयं की गद्दी बना ली।

फर्म का नाम भी 'भंवरलाल बृजलाल एण्ड ब्रदर्स' रखा, जो पारिवारिक सहभागिता की झलक बनिक समाज की प्रदर्शित करती है। इसी का प्रतिफल था कि आशाराम जी के निर्देशन में सभी भाई-बन्धुओं ने कठिन परिश्रम कर 'नापासर' का नाम रौशन किया। महानगरों में आवासीय व्यवस्था की समस्या तो रहती है, 'नापासर' एवं आस-पास के कस्बे का कोई भी व्यक्ति काम करने की भावना से बम्बई आता था, जब तक उसको कोई नौकरी नहीं मिलती तब तक आपकी गद्दी में रहने व खाने की निःशुल्क व्यवस्था होती थी, अब भी आपके परिवार इस परम्परा को निभा रहे हैं जो की 'नापासर' के लिए गौरव की बात है। आपके परिवार द्वारा सुशिक्षित किये गये लोग जो आज अपना व्यापार कर रहे हैं वो आपके उपकार को कभी नहीं भूलते।

श्री मूँधड़ा बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। व्यापारिक क्षेत्र में ही नहीं समाजसेवी, परोपकारी, निस्वार्थ भाव के धनी थे। चाहे फिल्म इण्डस्ट्रीज से हों या चिकित्सा विभाग से हों सभी से व्यक्तिगत व पारिवारिक सम्बन्ध थे।

'नापासर' के ही किसनलाल माली के सुपुत्र हृदय रोग से पीड़ित होने का पता चलते ही तुरन्त उन्हें बम्बई बुलाया तथा तन-मन-धन से निःस्वार्थ भाव से सेवा की, जिसकी ग्रामवासी मुक्तकंठ से प्रशंसा आज भी करते हैं, यही नहीं अनेक उदाहरण और भी ऐसे मिलते हैं।

पेन्टर बन्नेसिंह साधारण परिवार का सदस्य होने के कारण अपनी कला की प्रतिभा को उजागर नहीं कर पा रहा था। आप उसे बम्बई बुला लिए, जे.जे. आर्ट कॉलेज से डिग्री हासिल करवायी, आज उसका नाम भारतवर्ष के महान कलाकारों में सम्मान के साथ लिया जाता है। राजकपूर, देवानन्द, डॉ बी.के. गोयल, डॉस डायरेक्टर सत्यनारायण व्यास जैसी महान हस्तियां आपके परिवार के अनन्य मित्र थे।

गरबा नृत्य में गुजरातियों के बीच आप ही अकेले बिरले व्यक्तित्व थे। जिसे गरबानृत्य में सम्मान के साथ आमंत्रित किया जाता था। वास्तव में श्री मूँधड़ा नापासर के गौरव एवं महान विभूति थे। ऐसा महान व्यक्तित्व २५ मार्च १९८७ को सभी की आंखों को नम करते हुए देवलोक गमन कर गए। आप जैसे महान पुरूषों के मापदण्डों पर चलकर हम भी अपने जीवन को समर्थ बना सकते हैं।

-गणेशमल नागर
नापासर

जल्द ही भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा- श्रीमती सरोज मरोठी प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान मैं भारत हूँ

जोधपुरः भारत को भारत ही बोला जाए का आव्हान करने वाला संघ 'मैं भारत हूँ' की राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती सरोज मरोठी ने जोधपुर में जोधपुर जिलाध्यक्ष के लिए रीना जैन व जिलामहामंत्री के लिए मोनीका चोरड़िया को मनोनीत किया। सरोज जी मरोठी ने जिलाध्यक्ष व जिला महामंत्री को तिलक कर माला पहनाकर उनके कार्यकाल के लिए शुभकामना प्रेषित की।

सरोज जी मरोठी ने 'मेरा राजस्थान' को बताया कि ये मुहिम भारत माता को सम्मान दिलाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चलाई रही है, इस मुहिम को सफल बनाना है। भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, भारत के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रीयों और सांसदों को पत्र भेजकर भारत को भारत ही बोला जाए, इंडिया नहीं, इसे सविधान में पास कराने हेतु निवेदन भी किया गया है।

जिलाध्यक्ष रीना जैन ने बताया कि वो जल्द ही अपनी कार्यकारणी बनाकर इस विषय को जोधपुर के आसपास के गांव में भारत को भारत ही बोलने का आह्वान करेंगी। जिला महामंत्री मोनीका चोरड़िया ने बताया कि हम सभी मिलकर भारत को 'भारत' ही कहेंगे और आने वाली पीढ़ी को भी यही संदेश देंगे।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

वृहत्तर कोलकात्ता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के द्वारा अपनों से अपनी बात

जिस तरह पिछले ९ महीने बीते हैं उससे हम सभी प्रभावित हुए हैं, आज भी कुछ साथी मानसिक तनाव में होंगे, परन्तु इस तनाव से सिर्फ हमारी परेशानियां ही बढ़ती हैं इसलिये तनाव से दूरी बनाते हुए केवल सकारात्मक रहें। एक सकारात्मक सोच के साथ वृहत्तर कोलकात्ता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन ने अपने सत्र २०१९-२२ की शुरूआत रंग बिरंगी 'होली का त्यौहार'' मनाते हुए किया, जिसमें सभी आंचलिक पदाधिकारियों व युवाओं को एक साथ-एक मंच पर जोड़ने का प्रयास किया और सफल भी हुए। संगठन को आगे बढाने का प्रयत्न हो रहा था इसी बीच कोरोना महामारी ने सबको घेर लिया और घर में ही नजरबन्द कर दिया, लेकिन इसके पश्चात भी संगठन का कार्य रूका नहीं और निरन्तर समाज व लोगों की सेवा भाव में लगा रहा। लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों को राशन, दवाई व अन्य जरूरी सामान उपलब्ध करवाया गया, इन विषम परिस्थितियों में संगठन ने तकनीक का सहारा लेते हुए डिजिटल माध्यम द्वारा बच्चों के लिये ''ड्रॉइंग प्रतियोगिता'' रखी। जुम एप पर डॉ. स्नेह देसाई द्वारा वेबीनार किया गया, जिसमें हेल्थ एवं वेल्थ को कैसे फिट रखा जा सकता है, विषय पर मोटीवेट किया गया। तत्पश्चात हास्य कवि सम्मेलन रखा गया। महेश नवमी के अवसर पर युवा संगठन ने समाज व युवा पीढ़ी को अपने भावी कार्यक्रमों द्वार आपसी मेलजोल व एक दूसरे से जोड़ने हेतु ई पत्रिका का सफल विमोचन किया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन एवं पश्चिमी मध्यप्रदेश के युवा व महिला संगठन के संयुक्त प्रयासों से शैली जी माहेश्वरी इंदौर द्वारा आठ दिवसीय योगा क्लास का जूम एप पर आयोजन करवाया गया। बंगाल में दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर संगठन ने नवरंगी नवरात्रि प्रतियोगिता का आयोजन डिजिटल माध्यम द्वारा किया गया।

दीपोत्सव के शुभ अवसर पर सेल्फी विथ रंगोली एवं सेल्फी विथ दीपमाला प्रतियोगिता लेकर आये, जिसमें विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया, इसके साथ ही लक्की कूपन ड्रा भी लेकर आये, जिसमें विजेताओं ने लाखों के इनाम जीते।

युवा संगठन निरन्तर ऐसे कार्यक्रम लाता रहता है जिससे समाज व युवा पीढ़ी लाभान्वित हो। संगठन के भविष्य के कार्यक्रम में क्रिकेट प्रतियोगिता, रक्तदान शिविर, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आदि करवाने की सोच बनाई है, सभी आंचलिक संगठनों को धन्यवाद दिया जाता हैं, कि सभी के पूर्ण सहयोग से हम निरन्तर सफल कार्यक्रम करते रहें।

युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति की तर्ज पर संगठन सभी समाज बन्धुओं से निवेदन करता है कि आप अपने परिवार की युवा पीढी को अपने अंचल के युवा संगठन से जुड़ने के लिये जरूर प्रोत्साहित करें, क्योंकि युवा ही अपने समाज को नई ऊंचाइयों तक लेकर जायेंगे। कोलकात्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा को 'कोलकात्ता टाइम्स ई पत्रिका' के दूसरे संस्करण हेतु हार्दिक बधाई देते हुए आशा करते हैं कि यह पत्रिका निरन्तर आगे बढती जाये और समाज को एक दूसरे से जोड़ती जाये। कैलेण्डर नववर्ष २०२१ की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ हार्दिक बधाई। आने वाला नववर्ष आप सभी के जीवन के हर विभाग में इक्कीस साबित हो, भगवान महेश से यही कामना करते हैं।

अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष
केशव डागा	राजीव लखोटिया	अनुराग जाजू

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

अतुलप्रकाश मूँधड़ा
भ्रमणध्वनि: ०९८९३५ ११११११

मूँधड़ा होल्डिंग प्रा. लि.

५६/५७, कृष्णा क्राउन, ग्राउण्ड फ्लोर, रायगढ़, छत्तीसगढ़, भारत -४९६ ००१

नि. आशागीत, ३८,फ्रेण्डस कोलोनी, रायगढ़, छत्तीसगढ़, भारत -४९६ ००१,
e-mail:atul@mundhra.in, apmundhra@gmail.com

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान नीम लगायें पर्यावरण बचायें

अग्रवाल, ओसवाल और माहेश्वरी समाज का भौगोलिक विस्तार!

कोलकात्ता: मारवाड़ी कलकत्ता कैसे आये? कृष्ण कुमार बिड़ला की आत्मकथा 'ब्रशेज विद हिस्ट्री' में इसकी कहानी प्रकाशित की गई है:

'१६वीं सदी तक व्यापारिक समुदाय राजस्थान तक ही सीमित था। अकबर के प्रमुख सेनापति और अंबेर (आमेर) के राजा मानसिंह ने जब दूरदराज के इलाकों को जीतना शुरू किया, तो उनके साथ ही व्यापारिक समुदाय के लोग भी अपनी जन्मभूमि से प्रवासित हुए और समय के साथ-साथ पूरे भारत में फैल गए। राजा मानसिंह शेखावटी के रहने वाले थे। उसी इलाके के, जहां का बिड़ला परिवार है। मानसिंह को १५९४ में बंगाल का गवर्नर बनाया गया। इस पद पर वह अनेक वर्षों तक आसीन रहे। इसका अर्थ यह हुआ कि मारवाड़ी बंगाल में करीब ४०० वर्षों से रह रहे हैं। यहां मारवाड़ी शब्द सभी राजस्थानी बनियों के लिए इस्तेमाल होता है - चाहे वे मारवाड़ के हों, मेवाड़ के या फिर शेखावटी के। के.के.बिड़ला जी का कहना था कि उत्तर भारत में तीन मुख्य व्यापारिक समुदाय हैं - अग्रवाल, ओसवाल और माहेश्वरी। ये तीनों ही जातियां क्षत्रिय वंशज हैं। अग्रवाल, माहेश्वरी और ओसवाल ये तीनों आज भारत की धनाढ्य जातियां हैं और आज भारतीय अर्थव्यस्था की रीढ़ की हड्डी है। अधिकांश बड़े औद्योगिक घराने इन्हीं तीनों जातियों से हैं, इनमें माहेश्वरी समुदाय सबसे छोटा है और बिड़ला परिवार इसी समुदाय से है। बिड़ला जी बताते हैं कि माहेश्वरी मूल रूप से क्षत्रिय हैं, जिन्होंने वैश्य बनना पसंद किया। माहेश्वरी मूल रूप से राजस्थान के खंडेला के निवासी हैं। जहाँ ७२ क्षत्रिय उमरावों ने भगवान महेश और माता पार्वती के आदेश पर क्षत्रिय वर्ण त्याग कर वैश्य वर्ण स्वीकार किया, भगवान महेश के ही नाम से माहेश्वरी कहलाये।

वर्तमान में डी-मार्ट के दम्मानी, बांगड़ सीमेंट के बांगड़, फ्यूचर ग्रुप के बियानी, प्रसिद्ध मीडिया समूह इंडिया टुडे ग्रुप के बिड़ला, रामलला के लिए अपनी आहूति देने वाले दोनों कोठारी बंधु माहेश्वरी समाज से ही थे।

अग्रवाल समाज इक्ष्वाकु वंश में जन्में महाराजा अग्रसेन जी के वंशज माने जाते हैं। महाराज अग्रसेन हरियाणा के अग्रोहा क्षेत्र के शासक थे। भारतेंदु हरिश्चन्द्र द्वारा रचित 'अग्रवाल जाति की उत्पत्ति' और अग्रभागवत के अनुसार महाराज अग्रसेन ने पशु बलि के विरोध में क्षत्रिय धर्म का त्याग कर वैश्य धर्म स्वीकार किया था। जैन विदिशा के अनुसार जैन धर्म गुरु लोहचार्य अग्रोहा आये थे, उनके सान्निध्य में तत्कालीन राजा दिवाकर और काफी प्रजा जैन हो गयी थी, आज अग्रवालों की १४% जनसंख्या जैन हैं, बाकी सनातन धर्मी।

दिगम्बर जैन श्वेताम्बर

आजादी की लड़ाई में अग्रवाल समाज का अतुलनीय योगदान रहा है। गरम दल लाल-बाल-पाल तिकड़ी के लाला लाजपत राय, १८५७ की क्रांति के भामाशाह रामजीदास गुड़वाला, हरियाणा के हांसी के लाला हुकुमचंद जैन, गीता प्रेस के संस्थापक हनुमानप्रसादजी पोद्दार या महात्मा गाँधी के पंचम पुत्र माने जाने वाले जमनालाल बजाज अग्रवाल समाज से ही आते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स में भी फ्लिपकार्ट स्नैपडील से लेकर ओयो, ओला तक के फाउंडर अग्रवाल समाज से हैं। ओसवाल समाज राजस्थान के जोधपुर के समीप स्थित क्षेत्र ओसियां से निकला है. जैन ग्रंथों के अनुसार महाराजा उत्पल देव, जो सोलंकी क्षत्रिय थे, उनके शासन काल के दौरान एक जैनाचार्य ओसियां पधारे थे, उनके सान्निध्य में ओसियां के क्षत्रिय राजपूतों ने जैन धर्म स्वीकार किया, जिनकी गिनती कालांतर में व्यापार करने की वजह से वैश्य वर्ण में होने लगी। महाराणा प्रताप के प्रधानमंत्री भामाशाह स्वयं ओसवाल समाज से आते हैं, जिन्होंने महाराणा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर युद्ध किया और अपनी सर्व संपत्ति भी राज्य हित में समर्पित कर दी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज BSE के जनक प्रेमचंद रॉयचंद और ISRO के जनक विक्रम साराभाई ओसवाल जैन समाज के रत्न हैं।

'द मारवाड़ी हेरिटेज' और 'इंडस्ट्रियल एंटरप्रन्योरशिप ऑफ शेखावाटी मारवाड़ीज' के लेखक डी. के. टकनेत ने लिखा है कि कर्नल टॉड ने राजस्थान से निकली १२८ व्यापारिक जातियों की चर्चा की है, लेकिन भारतीय व्यापार में मुख्य भूमिका निभाने में अग्रवाल, माहेश्वरी और ओसवाल ही आगे आ पाये।

'महाराजा श्री अग्रसेन चौक' का हुआ नामकरण

ठाणे शहर में प्रभाग ४ के हीरानंदानी मेडोज के चौक का नाम 'महाराजा अग्रसेन चौक' करने का निर्णय ठाणे महानगरपालिका ने लिया है, इसलिए ठाणे महानगर पालिका एवं ठाणे महापौर नरेश म्हस्केजी का अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मलेन की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती सुमन अग्रवाल ने तहे दिल से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है।

ठाणे शहर में लगभग २०००० अग्रवाल समाज के परिवारों का निवास स्थल है। मारवाड़ी समाज हमेशा सामाजिक कार्यों में अग्रसर रहता है। ठाणे शहर में महाराजा अग्रसेनजी का उचित स्मारक हो, ऐसी माँग अग्रवाल समाज ने हमेशा की है। ठाणे मनपा ने चौक का नामकरण महाराजा अग्रसेन के नाम से कर अग्रवाल समाज की माँग को अंशतः पूरा किया है, इसलिए 'मारवाड़िज इन ठाणे' की अध्यक्षा व सुप्रसिद्ध समाजसेविका श्रीमती सुमन अग्रवाल ने धन्यवाद व्यक्त किया है।

ठाणे शहर के हित में मारवाड़ी समाज का योगदान हमेशा रहा है और आगे भी रहेगा, ऐसा श्रीमती सुमन अग्रवाल ने 'मेरा राजस्थान' को बताया है।

नमस्कार! मेरा राजस्थान

शंकरलाल झंवर
मंत्री- संत श्री सेवाराम गौशाला नापासर
कोलकाता प्रवासी-नापासर निवासी
भ्रमणध्वनि: ९६७४४८३२५२

शंकरलाल जी अपनी जन्म भूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि भारत के प्रमुख संतों में से एक संत श्री सेवाराम जी महाराज की तपोभूमि है 'नापासर'। इस भूमि को धर्म सम्राट करपात्री महाराज जी का आशीर्वाद भी प्राप्त है। रामसुखदास महाराज जी का भी इस भूमि पर हमेशा आवागमन रहा है। एक तरह से कहा जा सकता है, इस भूमि ने कई महापुरुषों के चरण स्पर्श किये हैं, इसी वजह से यहां कई मंदिर व धर्मशाला का निर्माण हुआ है, जो यहां के भामाशाह की देन है। यहां का सबसे प्रमुख मंदिर श्री दुर्गा जी का मंदिर व श्री काली जी का मंदिर है, जो भव्य रुप में स्थित है साथ ही सत्यनारायण जी, श्री गोपाल मंदिर आदि धार्मिक स्थल भी स्थापित है। यहां २ शिव मंदिर, श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर, माहेश्वरी सेवा सदन भव्य रूप में बना हुआ है। यहां के 'संत श्री सेवाराम गौशाला' भी यहां के भामाशाह द्वारा ही संचालित किया जाता है। यहां पर १९४४ में स्थापित श्री वैदिक संस्कृत पाठशाला है, जहां बालकों के रहने की पूर्ण व्यवस्था भी है जो निरंजन अखाड़े द्वारा संचालित है। अन्य समाज के गेस्ट हाऊस बने हुए है। यहां कई सामाजिक संस्थाएं हैं, जिसमें स्कूल, कॉलेज, पंचायत भवन, माहेश्वरी भवन आदि हैं, जो 'नापासर' की विशेषताओं को और भी बढ़ाता है। यहां के प्रमुख फसलों में मोठ, बाजरा के अलावा गेहूँ, चना, सरसों, मुंगफली की भी फसल होती है। 'नापासर' बीकानेर जिले का प्रमुख गांव है, जो बीकानेर से मात्र २७ कि.मी. दूरी पर ही स्थित है।

७४ वर्षीय शंकरलाल जी का जन्म व मैट्रिक तक की शिक्षा 'नापासर' में ही संपन्न हुई है, तत्पश्चात आपने कोलकाता विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात अपने पारिवारिक कारोबार से जुड़े। नापासर स्थित 'श्री संत सेवाराम गौशाला' में मंत्री के पद पर सेवारत हैं, साथ ही कोलकाता स्थित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। आपका कहना है कि जब आप किसी संस्था से जुड़ते है तो आपमें विनम्रता व व्यवहारिकता होनी चाहिए। अहंकार तो बिल्कुल नहीं होना चाहिए। भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर अपनी पूर्ण सहमति देते हुए कहते हैं कि हमारे देश का नाम प्राचीन काल से भारत ही रहा है और भारत ही रहना चाहिए।

ब्रह्मानंद बंग
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८३००७८१६०

ब्रह्मानंद जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' की विशेषताओं का वर्णन करते हुए कहते हैं कि पहले के मुकाबले 'नापासर' में विकास तो अवश्य हुआ है। सड़कें, बिजली आदि की सुविधा पहले की तुलना में बेहतर हुई है। रोड लाइट की भी सुविधा हो गई है। आर्थिक दृष्टि से यहां के लोगों की आय भी उत्तम है। पहले बरसात के पानी पर खेती निर्भर होती थी, पर अब सिंचाई की सुविधा अच्छी होने से यहां बाजरा, मोठ, गेहूं, मूंगफली आदि की उपज होती है। यहां के प्रमुख स्थलों में भद्रकाली मंदिर, हनुमान धोरा, हनुमान मंदिर आदि प्रमुख हैं जो यहां के लोगों की धार्मिकता और भक्ति भाव को दर्शाते हैं। यहां सभी वर्ग, सभी समुदाय के लोग धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर सम्मिलित होते हैं। यहां पर महेश नवमी, गोपाष्टमी आदि कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाये जाते हैं। कई विशेषताओं को लिए हुए है हमारा 'नापासर'।

६५ वर्षीय ब्रह्मानंद जी की जन्म व प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में ही संपन्न हुई। तत्पश्चात आपने उच्च शिक्षा कोलकाता से ग्रहण की। शिक्षा ग्रहण करने के बाद कपड़ों के व्यवसाय से जुड़ गए। आपके परिवार में आपकी धर्मपत्नी, २ पुत्र व भरा-पूरा परिवार है, एक पुत्री है जो विवाहित है। कोलकाता स्थित नापासर नागरिक परिषद, आर एस एस के सदस्य के रूप में सेवारत हैं। कोलकाता स्थित कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए, विषय पर आपका कहना है कि विश्व के सभी देशों का नाम एक है तो हमारे देश का नाम २ क्यों? प्राचीन काल से हमारे देश का 'भारत' ही था, अब 'भारत' नाम ही हमारे देश का होना चाहिए।

रमेश कुमार मूंधड़ा
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८३११००७५५

रमेश कुमार जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि पहले के मुकाबले 'नापासर' में विकास तो अवश्य हुआ पर जिस गति से होना चाहिए था वह नहीं हो पाया। स्वच्छता की दृष्टि से आज 'नापासर' बहुत सुंदर है। बचपन से ही वर्ष में एक बार 'नापासर' अवश्य जाता रहा हूँ, पर पिछले १० वर्षों से जब भी 'नापासर' जाना होता है मन प्रफुल्लित हो उठता है, वहां से वापस आने का मन ही नहीं होता। पर रोजी-रोटी और परिवार के लिए कोलकाता वापस आना पड़ता है। अपनी जन्मभूमि से सभी को प्यार होता है उसी तरह मुझे भी 'नापासर' से प्रेम है।

रमेश कुमार जी का जन्म १९७० में 'नापासर' में हुआ। बाल्यावस्था में आपका कोलकाता आना हुआ, जहां आपके पिताजी पहले से ही प्रवासित थे। कोलकाता में आप क्लॉथ मर्चेंट के रूप में कार्यरत हैं, साथ ही सामाजिक संस्थाओं में भी विशेष भूमिका निभा रहे हैं। कोलकाता स्थित फ्रेंड्स यूनियन क्लब, माहेश्वरी सभा, पुष्करणा माहेश्वरी संस्थान से भी जुड़े हुए हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि प्राचीन काल से ही हमारे देश का नाम भारत वर्ष रहा है और यही रहना चाहिए, यही हमारी वास्तविक पहचान है और यही हमारी देशभक्ति है।

श्री किशन मूंधड़ा
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८३००९२३३९

श्री किशन जी अपनी पैतृक भूमि 'नापासर' का वर्णन करते हुए कहते हैं कि यह धार्मिक स्थल के रूप में जाना जाता रहा है। 'नापासर' को संतों की भूमि भी कहा जा सकता है। इस भूमि को कई संतों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। संत रामसुखदास जी का हमेशा यहां आना-जाना रहा, उनके पवित्र प्रवचनों से यहां के लोग अविभूत हुए हैं। यहां अधिकतर माहेश्वरी समाज के लोग हैं जो व्यापार के लिए देश के विभिन्न भागों में बसे हैं। 'नापासर' के भामाशाहों में माहेश्वरी समाज का विशेष रूप से नाम है। 'नापासर' की प्रगति में माहेश्वरीओं का योगदान अधिक है इसके अतिरिक्त यहां ब्राह्मण, धोबी, कुम्हार आदि समाज के लोग भी निवासित हैं। सभी में आपसी सौहार्द व प्रेम व्यवहार है।

पहले व आज के 'नापासर' में काफी अंतर आ गया है, पहले यह गांव के रूप में था, पर आज धीरे-धीरे शहर का रूप लेता जा रहा है। यहां कई स्कूल बन गए हैं। सड़क का निर्माण अच्छा हो गया है। बैंक सुविधा, पोस्ट ऑफिस, हॉस्पिटल, अस्पताल की सुविधा आदि अच्छी हो गई है। पहले यहां की खेती वर्षा पर निर्भर होती थी पर आज सिंचाई की सुविधा अधिक होने से मूंगफली की भी पैदावार अधिक होने लगी है। यहां की भूमि उपजाऊ है। यहां कई धार्मिक स्थल हैं जिनमें शिव जी का मंदिर, रघुनाथ जी का मंदिर, लक्ष्मी नारायण जी का मंदिर, हनुमान जी का मंदिर प्राचीन व प्रमुख है। कई-कई विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है हमारा 'नापासर'।

६८ वर्षीय श्री किशन जी का जन्म व संपूर्ण शिक्षा 'नापासर' में ही संपन्न हुई। पिछले ५० वर्षों से आप कोलकाता के प्रवासी हैं, जहां सर्वप्रथम आपके पिताजी व्यापार के उद्देश्य से आए थे। वर्तमान में आपका संपूर्ण परिवार कोलकाता का प्रवासी है। आज भी आपको अपनी पैतृक भूमि से काफी लगाव है, इसलिए समय मिलते ही आप 'नापासर' अवश्य जाते हैं। कोलकाता स्थित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं। माहेश्वरी भवन, माहेश्वरी समाज में सदस्य के रूप में सेवारत हैं। कोलकाता स्थित 'नापासर नागरिक मंच' के भी सदस्य हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि 'भारत' शब्द हमारे देश का सम्मान व गौरव है, जिसे बनाए रखने के लिए हमें अपने देश को 'भारत' नाम से ही संबोधित करना चाहिए। 'भारत' शब्द से हम गौरवान्वित होते हैं, यह हमारी समृद्धता है और संपन्नता का प्रतीक भी, अतः हमें अपने देश को 'भारत' नाम से ही संबोधित करना चाहिए।

रतिराम तावणिया
समाजसेवी
नापासर
भ्रमणध्वनि: ६३७६८४८५८८

रतिराम जी अपनी कर्मभूमि व जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि नापासर को संतों की तपोभूमि व धार्मिक स्थल कहा जा सकता है क्योंकि यहां कई संतों का आगमन हुआ और यहां के लोगों को उनका शुभाशीष भी प्राप्त हुआ है। यहां सबसे प्राचीन शिव पाठशाला है जहां विद्यार्थियों को संस्कृत की शिक्षा दी जाती है। यहां के अधिकतर परिवार माहेश्वरी समाज से हैं जिनमें कई भामाशाह है। 'नापासर' के विकास में ९५% का योगदान माहेश्वरीयों का ही है। नापासर में ३५ वार्ड है। यहां की आबादी लगभग ५०००० है। इसका क्षेत्रफल लगभग ४ किलोमीटर में फैला है। यहां की सबसे बड़ी गौशाला 'संत श्री सेवाराम गौशाला' है। पूर्व में यहां बरसात के पानी पर ही खेती निर्भर रहती थी पर अब सिंचाई की व्यवस्था होने से व ट्यूबवेल हो जाने से मूंगफली, चने, गेहूं आदि की फसलें अच्छी होती है। यहां Riico Industrial Area है। यहां माहेश्वरी समाज के अलावा सोनी, ब्राह्मण व अन्य समाज के लोग भी रहते हैं, जिनका आपसी सामंजस्य व प्रेम भाव बहुत ही अच्छा है। यहां स्कूल, अस्पताल, सड़क आदि की सुविधा उत्तम है। कई विशेषताओं से भरा है हमारा 'नापासर'।

रतिराम जी का जन्म व संपूर्ण शिक्षा-दीक्षा यहीं संपन्न हुई है। शिक्षा संपन्न करने के पश्चात कुछ वर्षों तक आप कोलकाता में व्यवसाय से जुड़े पर अपनी जन्मभूमि व अपने माता पिता की सेवा की ललक ने आपको पुनः नापासर बुला लिया। सदैव भामाशाह के संपर्क में रहने पर और सामाजिक कार्यों की प्रेरणा से आप भी सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी रहे, इसी कारण लोकप्रिय बने और लोगों ने आपको सरपंच के रूप में चुना। वर्तमान में आप 'नापासर' के सरपंच के रूप में अपनी सामाजिक जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, साथ ही यहां कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। कोरोना काल के दौरान ही आपने 'अन्नपूर्णा रसोई' नामक संगठन तैयार किया जो जरूरतमंद को सुखा अनाज व भोजन वितरित करता रहा।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि 'भारत' का नाम 'भारत' ही रहना चाहिए जिससे हमारे देश का सम्मान बढ़ेगा। प्राचीन काल से हमारे देश का नाम 'भारत' ही था वही अस्तित्व पुनः कायम रखने के लिए हमें अपने देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही करवाना होगा।

समस्त राजस्थानी समाज की एकमात्र पत्रिका 'मेरा राजस्थान' के सभी पाठकों को विश्वनाथ भरतिया परिवार की ओर से शुभकामनाएं

बद्रीनारायण बागड़ी
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-नागपुर प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९४२३६३४८४८

बद्रीनारायण जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि यह बीकानेर से मात्र ३० किलोमीटर की दूरी पर ही स्थित है। यहां माहेश्वरी समाज की संख्या अधिक है जिस कारण इसे माहेश्वरीयों का गढ़ भी कहा जाता है, इसके अतिरिक्त ब्राह्मण, जाट व अन्य समुदाय के लोग भी रहते हैं, सभी में आपसी सामंजस्य बहुत अच्छा है। 'नापासर' के विकास में माहेश्वरी समाज का विशेष योगदान रहा है। यहां भव्य माहेश्वरी भवन बना हुआ है। नापासर संत श्री सेवाराम की तपोभूमि रही है। इसके साथ ही यह कई संतों की तपोस्थली भी रही है। यहां लगभग सात-आठ बड़े मंदिर है जो अपनी भव्यता व सुंदरता को लिए हुए है। यहां विशाल रूप में संत श्री सेवाराम गौशाला का निर्माण किया गया है। जहां वर्तमान में हजार गौवंश के रहने की पूरी व्यवस्था है। 'नापासर' में मूंग, मोठ, बाजरी आदि की उपज अधिक होती है, जब से सिंचाई की सुविधा बढ़ी है तब से मूंगफली की भी पैदावार अधिक होने लगी है। यहां का माहौल शांत प्रिय व प्रसन्नता वाला है, यहां सभी एक दूसरे के सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं, कई-कई विशेषताओं को लिए हुए हैं हमारा 'नापासर'। बद्रीनारायण जी का जन्म व मैट्रिक तक की शिक्षा 'नापासर' में ही संपन्न हुई है। कोलकाता यूनिवर्सिटी से आपने बीकॉम की शिक्षा ग्रहण की। तत्पश्चात आप आसाम हार्डवेयर कंपनी में कार्यरत रहे, उसी के तहत आप यहां नागपुर में इंचार्ज बन कर आए। कुछ वर्षों तक यहां कार्य करने के पश्चात स्वयं का प्लाईवुड का कारोबार प्रारंभ किया, जो आज आपके दोनों पुत्र संभाल रहे हैं। आप तीन भाई हैं। आप सामाजिक संस्थाओं में भी सतत सक्रिय रहते हैं। नागपुर स्थित मारवाड़ माहेश्वरी संघ से जुड़े हुए हैं। राधा कृष्ण मंदिर में ट्रस्टी के रूप में कार्यरत हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि यह बहुत अच्छा अभियान है, मैं इसका पूर्ण समर्थन करता हूं क्योंकि इंडिया तो अंग्रेजों का दिया हुआ नाम है जो गुलामी का प्रतीक है, हमारे देश का प्राचीन नाम तो 'भारत' ही रहा है। अतः हम अपने देश को 'भारत' ही कहें और भारतीय नाम से बनी रहे पहचान हमारी।

मनोज करनाणी
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकता प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९८३०३४४४८६

किसी व्यक्ति विशेष के स्वभाव में विनम्रता, सरलता, शालीनता और उदारमन जैसे गुण हों तो फिर वह समाज के लिए एक मिसाल बन जाते हैं, इन्हीं गुणों की वजह से नापासर निवासी मनोज कुमार करनाणी पुत्र श्री मुरलीधर जी करनाणी व इनके भाईयों का परिवार आज हर क्षेत्र में सफलता के झंडे गाढ रहा है और नापासर के सम्मानित परिवारों में शुमार है। सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में वैसे तो यश किर्ति प्राप्ति के अनेकों तरीके आज उपलब्ध है, पर वास्तविक यश किर्ति के लिए तो उपरोक्त वर्णित गुणों के साथ कुटुंब, समाज के लिए त्याग भी करना पड़ता है, चाहे सामाजिक सांस्कृतिक आयोजन हो या खेल की प्रतिस्पर्धा या फिर समाज के लिए सामूहिक भवन निर्माण, जन हित जैसे जुड़े कार्य श्री मुरलीधर जी और उनके सुपुत्रों मनोज जी, विनोद जी और अशोक जी ने खुले दिल से आगे बढ़ कर हमेशा यथाशक्ति योगदान दिया है, इससे भी बड़ी बात तो यह है कि इतने प्रतिस्पर्धी युग के बावजूद और समृद्धि के चरम पर पहुंच कर भी मनोज जी और उनके भाईयों का आपसी प्रेम और सामंजस्य निश्चित ही अनुकरणीय है। धन वैभव के साथ एक आदर्श परिवार के रूप में समाज के बीच अपने आपको स्थापित करना, ये तो दैवीय कृपा से ही संभव है।

पैतृक गाँव नापासर हो या कर्मभूमि का क्षेत्र कोलकाता, कटक आदि हो, हर जगह करनाणी परिवार को विशिष्ट सम्मान प्राप्त है और कोई भी इनका रिश्तेदार, मित्र या परिचित इस परिवार के साथ अपने संबंध होने में फक्र महसूस करता है। अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में मनोज जी का कहना है कि मुझे तो कभी-कभी ऐसा महसूस होता है कि 'नापासर' की धरती पर कोई दैवीय कृपा है जो यहाँ एक से एक बढ़कर नररत्न जन्म लेते रहे हैं 'नापासर' की धरती को मेरा कोटि कोटि नमन्।

मनोज जी का जन्म व प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में ही संपन्न हुई, तत्पश्चात उच्च शिक्षा हेतु आपका कटक आना हुआ। पिछले १५ वर्षों से आप व्यवसाय के सिलसिले में कोलकाता में बसे हुए हैं, यहां आप आयात निर्यात के कारोबार से जुड़े हुए हैं। कोलकाता और नापासर स्थित कई सामाजिक संस्था में विशेष रूप से सक्रिय हैं। आपके सामाजिक व स्पोर्ट्स के क्षेत्र में विशेष रूचि है इसी के तहत कोलकाता में होने वाले नापासर क्रिकेट टूर्नामेंट में विशेष रुप से सहभागी रहते हैं। अपनी जन्मभूमि 'नापासर' से आपको विशेष लगाव है।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि यह बहुत ही अच्छी बात है क्योंकि हमारे देश का वास्तविक नाम तो 'भारत' ही है और वही रहना चाहिए। किसी भी देश के २ नाम नहीं तो हमारे देश के २ नाम क्यों 'भारत' शब्द में हमारे देश की गौरव गरिमा है।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

गजानंद बंग
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ७००३०३२२६९

गजानंद जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' का वर्णन करते हुए कहते हैं कि पहले की तुलना में 'नापासर' में बहुत परिवर्तन आया है। सड़कें बन गई हैं, आज 'नापासर' में कई औद्योगिक केंद्र स्थापित हैं, जिससे लोगों की आय का स्रोत मजबूत हुआ है। आर्थिक दृष्टि से 'नापासर' समृद्ध माना जाने लगा है। पहले यह एक गांव के रूप में था आज विकसित कस्बे का रूप ले लिया है। नापासर में स्कूल, अस्पताल, बालिका विद्यालय, होटल, कई सामाजिक प्रतिष्ठान 'नापासर' की प्रतिष्ठा को बढ़ा रहे हैं। यहां कई सामाजिक संस्थाएं हैं जो 'नापासर' के विकास के लिए सतत सक्रिय रहती हैं। नापासर के विकास में यहां के भामाशाहों का विशेष योगदान रहा है, जिनमें माहेश्वरी समाज के लोग प्रमुख हैं। शिक्षा की दृष्टि से भी 'नापासर' में काफी उन्नति की है, यहां के गणमान्य लोगों ने बालिका विद्यालय, सरकारी स्कूल के विकास में विशेष भूमिका निभाई है। यहां के सरकारी स्कूल भी प्राइवेट स्कूल से कम नहीं है। आज यहां के सरकारी स्कूलों में प्रयोगशाला कंप्यूटर कक्ष जैसे कई कमरे हैं, जो विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा में सहायक हैं। यहां के सरकारी स्कूल के हेडमास्टर द्वारा स्कूल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। धार्मिक दृष्टि से भी 'नापासर' का विशेष महत्व है। यहां कई मंदिर हैं जो 'नापासर' को धार्मिक स्थल बनाते हैं, यहां कई प्राचीन और भव्य मंदिर है, जिनमें काली माता का मंदिर, गायत्री माता का मंदिर, हनुमान धोरा, हनुमान मंदिर प्रमुख हैं। काली माता मंदिर में बंग परिवार का विशेष योगदान रहा है। गायत्री माता मंदिर में वार्षिक ९ दिन का यज्ञ होता है जिसमें संपूर्ण गांव सम्मिलित होता है। यहां सरकारी अस्पताल भी लोगों को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करते हैं, कई विशेषताओं को लिए हुए है 'नापासर'।

मेरा जन्म मई १९५२ को नापासर गाँव, जिला बीकानेर, राजस्थान में हुआ। मैं पढ़ाई में बहुत ही कमजोर था, पढ़ाई में मन नहीं लगता था, खेलने में बचपन गुजरा। हमारा ६ भाई व ४ बहनों का भरापुरा परिवार है। परिवार की परिस्थिति इतनी अच्छी नहीं थी, इसके बावजूद परिवार का पालन-पोषण पिताजी ने अच्छी तरह किया। बचपन में मैंने अमीर-गरीब की सारी बातों का अनुभव किया। गाय को चारा खिलाने से लेकर गाय के गोबर की थेपडी तक बनाने का काम माँ के साथ किया। मैंने जीवन की शुरूवात निम्न स्तर से की, जहाँ से एक साधारण आदमी करता है। ८वीं कक्षा में जब मैं था तब हमलोग कोलकाता आये, यहाँ हमलोगों का सफर 'झंवर प्लेस', पी१८ कलाकार स्ट्रीट से शुरू हुआ। सर्वप्रथम मेरी पढ़ाई श्री सरस्वती विद्यालय से आरम्भ हुई, उसके बाद श्री माहेश्वरी विद्यालय में ८वीं में फ़ैल होने पर मैंने ९वीं के लिए एस. बी. मार्डन हाइस्कूल में प्रवेश लिया। यहाँ से हाई सेकेंडरी पास कर विद्यासागर कॉलेज में दाखिला लिया। यहाँ २ वर्ष पढ़ाई कर कॉलेज छोड़ दिया। मेरे भाई सावलराम के साथ व्यापार में लग गया, वहीं से मेरा व्यापार का सफर आरम्भ हुआ। हम दोनों भाईयों ने गोंद, गत्ता, मोबाइल आयल की फैक्ट्री में सप्लाई कार्य करना शुरू किया। पैसे की कमी होने के बाद भी लोगों के सहयोग से काम चलता रहा। कुछ दिनों बाद बड़े भाई इच्छलकरंजी महाराष्ट्र में कपड़े का काम करने लगे। बाद में छोटा भाई राजाराम भी यही कार्य करने लगा। मेरी शादी २३ वर्ष की उम्र में हुई। परिवार की गाड़ी अच्छी तरह चलने लगी। हम दोनों भाईयों ने अपना-अपना काम पिताजी के रहते ही अलग-अलग स्थापित कर लिया। मेरे ३लड़के व १ लड़की है। मेरे बच्चों की शादी हो चुकी है।

सामाजिक जीवन में मैंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में जाने लगा। आज भी मैं शाखा का स्वयंसेवक हूं। सिविल डिफेन्स का पोस्ट वार्डन बनकर कार्य किया। कोलकाता का श्रावणी में गंगासागर मेले में सक्रिय होकर सेवा कार्य किया। कुमार सभा पुस्तकालय में भी सह सचिव रह कर कार्य किया। 'नापासर' की संस्था आज हम जिसे 'नापासर नागरिक मंच' के नाम से जानते हैं वो पहले नापासर युवा मंच था, मैं सदस्य के रूप में कार्यरत हूँ।

वर्तमान में अखिल भारतीय माहेश्वरी बंग परमार्थ ट्रस्ट का उपाध्यक्ष हूँ। कोलकाता में बंग परिवार फोटो सहित नामावली की सोविनियर बना रहा हूँ, जिसका प्रकाशन २०२२ जनवरी के वार्षिक उत्सव में करूँगा।

राजनीति की यात्रा बड़ाबाजार कोलकाता से शुरू की। मैंने भारतीय जनसंघ पार्टी में जिला स्तर तक कार्य किया है। भारतीय जनता पार्टी में वार्ड क्र.४२ में मंत्री पद पर सेवारत रहा। जोरासांकू मण्डल का अध्यक्ष ६ सालों तक रहा।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि हम हिंदूवादी राष्ट्र में रहते हैं अतः हमारे देश का नाम भी 'भारत' ही होना चाहिए। 'भारत' शब्द प्राचीन काल से चला आ रहा है और यही शब्द हमारे देश का गौरव है। हमारे देश को 'भारत' ही बोला जाना चाहिए।

बाबूलाल करनानी
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९४३३१२८२२४

बाबूलाल जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' की विशेषताओं का वर्णन करते हुए कहते हैं कि 'नापासर' एक धार्मिक स्थल के रूप में विशेष रूप से जाना जाता है। यहां कई मंदिर बने हुए हैं। समय-समय पर कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। सावन के महीने में अधिक पूजा पाठ, हवन आदि कार्यक्रम होते हैं। यहां शांतिपूर्ण माहौल है। यहां सभी संप्रदाय व समाज के लोग आपसी मेल मिलाप के साथ रहते हैं व सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। आर्थिक स्थिति भी 'नापासर' की अच्छी है। यहां कई छोटी इंडस्ट्रीज है जो यहां के लोगों की आय मुख्य स्रोत है। यहां के अधिकतर लोग शाकाहारी हैं। कई विशेषताओं से परिपूर्ण है 'नापासर'। जब भी अवसर प्राप्त होता है तो 'नापासर' अवश्य जाता हूं क्योंकि मेरा पूरा बचपन 'नापासर' में ही बीता है। कोलकाता रहते हुए भी अक्सर 'नापासर' की यादों में खो जाता हूँ।

बाबूलाल जी का जन्म १९५३ को 'नापासर' में ही हुआ। आपकी मैट्रिक तक की शिक्षा यहीं हुयी है। तत्पश्चात उच्च शिक्षा हेतु कोलकाता आना हुआ। शिक्षा प्राप्ति के पश्चात पारिवारिक व्यवसाय होजरी से जुड़े। वर्तमान में आपके पुत्र यह व्यवसाय संभाल रहे हैं। आप कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। 'नापासर' नागरिक मंच कोलकाता में ट्रस्टी के पद पर सेवारत हैं। कोलकाता स्थित नवयुवक पुस्तकालय, सुभाष क्लब, हॉस्पिटल जैसी कई संस्थाओं के साथ, नापासर स्थित संत श्री सेवाराम गौशाला से भी जुड़े हुए हैं।

अनिल सोमानी

व्यवसाई व समाजसेवी

नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९८३०५५८१०३

अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में अनिल जी कहते हैं कि हम दुनिया में कहीं भी रहें पर अपनी मातृभूमि व जन्मभूमि हमें सदैव याद आती है। आज भी मेरी यादों में 'नापासर' है, जहां मैंने अपना पूरा बचपन बिताया। पहले की तुलना में 'नापासर' में बहुत परिवर्तन आया है। सड़कें बन गई हैं, बिजली की सुविधा हो गई है, पहले जहां गंदगी रहती थी अब ड्रेनेज लाइन बन चुके हैं। आज 'नापासर' स्वच्छ व सुंदर कस्बे के रूप में जाना जाता है। सामाजिक दृष्टि से 'नापासर' बहुत ही उत्तम है। यहां सभी समाज के लोग आपसी मेल मिलाप के साथ रहते हैं व सामाजिक कार्य में अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

आर्थिक दृष्टि से 'नापासर' आज समृद्ध है। व्यापार उद्योग आदि से 'नापासर' का आर्थिक विकास तेजी से हुआ है। यहां का प्रत्येक निवासी समृद्ध है। धार्मिक क्षेत्र में 'नापासर' वालों का रुझान अधिक है। समय-समय पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन यहाँ होते रहते हैं, जिसमें सभी नापासर वासी बड़े उत्साह पूर्वक सम्मिलित होते हैं। 'नापासर' साधु संतों की भूमि रही है जहां कई महानुभाव का आगमन हुआ है। यहां के मंदिरों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है यहां के निवासी कितने धार्मिक हैं, कई विशेषताओं से भरा है हमारा 'नापासर'।

अनिल जी पिछले कई वर्षों से कोलकाता के हावड़ा के निवासी हैं। आपका जन्म और प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में, तत्पश्चात उच्च शिक्षा हेतु आपका कोलकाता आना हुआ, जहां आपका परिवार पिछले ५ पीढ़ियों से बसा हुआ है। यहां आपका पारिवारिक व्यवसाय गारमेंट का है साथ ही आप कंस्ट्रक्शन के कारोबार से भी जुड़े हैं। 'नापासर' स्थित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ कोलकाता में दक्षिणामूर्ति गौ सेवा समिति से कई वर्षों से जुड़े हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि हमारे देश का वास्तविक नाम प्राचीन काल से 'भारत' ही रहा है और वही रहना चाहिए।

जुगल किशोर मूंधड़ा

व्यवसायी व समाजसेवी

नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९३३१८७७५३१

जुगल जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि मैं भले ही कोलकाता में निवासित हूँ पर मेरे दिल में 'नापासर' हमेशा रहता है, इसीलिए ऐसा कोई वर्ष नहीं गया, जब मैं 'नापासर' नहीं गया हूं, वर्ष में एक दो बार अवश्य 'नापासर' जाता हूँ, कोरोना काल के दौरान ३ महीने तक 'नापासर' ही रहा हूं, यह ३ महीने कभी नहीं भूल सकता। 'नापासर' का वातावरण बहुत ही सुंदर व शांतिपूर्ण है, यहां आकर मन प्रसन्न-चित्त हो जाता है। सारी चिंताएं मिट जाती हैं। यहां का रहन-सहन, खान-पान गांव के लोग बहुत ही अच्छे हैं। यहां की सामाजिक स्थिति और धार्मिक स्थिति बहुत ही अच्छी है। यहां हैंडलूम मैन्युफैक्चरिंग का कारोबार के साथ, भुजिया, पापड़ का उत्पादन आदि कार्य प्रमुख हैं। यहां के लोग बड़े ही धार्मिक प्रवृत्ति के हैं, धार्मिक कार्यक्रम होते रहते हैं, जिसमें संपूर्ण गांव शामिल रहता है। यहां की प्रमुख विशेषता यहां की गौशाला व संस्कृत पाठशाला है, इसके अतिरिक्त अन्य कई विशेषताएं हैं 'नापासर' में।

जुगल जी का जन्म १९६६ में व प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में संपन्न हुई। उच्च शिक्षा हेतु कोलकाता आना हुआ। यहां पर आपका परिवार पहले से ही बसा हुआ था। कुछ वर्षों तक आप मुंबई में भी प्रवासी रहे। वर्तमान में कोलकाता में आपका तिरपाल और ब्लैंकेट का कारोबार है। आपके पिताजी प्रयागचंद जी का 'नापासर' के सामाजिक कार्य में विशेष सहयोग रहा है। आप चार भाई और दो बहनें हैं। आप सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। माहेश्वरी संस्था, विक्टोरिया मॉर्निंग वॉक क्लब जैसी कई संस्थाओं से जुड़े हुए हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि हमारे देश का एक ही नाम होना चाहिए और वह है 'भारत'।

मेघराज सोनी

व्यवसायी व समाजसेवी

नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९३३९५६१२४१

मेघराज जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि यह एक सुसंस्कृत और सुशिक्षित गांव हैं, यहां से शिक्षित व्यक्ति आज देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्यों के माध्यम से अपना व 'नापासर' का नाम रोशन कर रहे हैं। 'नापासर' निवासी कहीं भी रहे, देश के किसी भी भाग में भी बसे हैं पर 'नापासर' के सामाजिक कार्य व विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहता है, इसीलिए 'नापासर' आज एक समृद्ध गांव के रूप में जाना जाता है। 'नापासर' का वातावरण बहुत ही सुंदर व स्वच्छ है जो 'नापासर' को अधिक आकर्षक बनाता है।

मेघराज जी का जन्म व प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में संपन्न हुई है। उच्च शिक्षा हेतु आपका कोलकाता आना हुआ। यहां आभूषणों के कारोबार से जुड़े हैं। आप समाजसेवी के रूप में विख्यात हैं, विशेषकर आयुर्वेद के क्षेत्र में आपका विशेष योगदान रहा है। आप आयुर्वेद के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में आपका व्यवसाय आपके पुत्र संभाल रहे हैं। आपके ३ पुत्र हैं। कोलकाता स्थित कई सामाजिक संस्था से जुड़े हैं। नागौर कामधेनु गौशाला की कोलकाता शाखा के अध्यक्ष पद पर सेवारत हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि हमारे देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही होना चाहिए, जिस पर हमें गर्व है।

सुशील कुमार माहेश्वरी

व्यवसायी व समाजसेवी

नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९८३११७१२३१

सुशीलजी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि यह एक सुंदर और समृद्ध गांव है। यहां के निवासी शांत व धार्मिक प्रवृत्ति वाले व्यक्तित्व के धनी है। साल में चार-पांच बार अवश्य 'नापासर' आपका जाना होता है। आज यह गांव विकासशील गांव के रूप में जाना जाता है। यहां के भामाशाह व दानदाताओं द्वारा गांव के विकास में विशेष सहयोग प्राप्त होता है। यहां कई सामाजिक संस्थाएं हैं जो 'नापासर' के विकास में सतत सक्रिय रहती हैं। यहां की संत श्री सेवाराम गौशाला व शिव मठ एक विशेष सामाजिक पहचान है। यहां के धार्मिक स्थानों में हनुमान धोरा विशेष रूप से प्रसिद्ध है, यहां की अपनी मान्यताएं हैं। कई विशेषताओं से भरा है हमारा 'नापासर'।

सुशीलजी का जन्म 'नापासर' के पास स्थित काकड़ नामक गांव में हुआ, जो आपका ननिहाल है। आपकी प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में हुई, तत्पश्चात उच्च शिक्षा व स्नातक की शिक्षा कोलकाता से संपन्न की। जहां आपका परिवार पहले से ही निवासित था। कोलकाता में कपड़े व कंस्ट्रक्शन के कारोबार से जुड़े हुए हैं। नापासर व कोलकाता स्थित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय रहते हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि यह एक बहुत ही अच्छा मुद्दा है और यह जरूरी भी है कि हमारे देश का नाम एक हो और वह हो 'भारत'!

हेमन्त मूंधड़ा

व्यवसायी व समाजसेवी

नापासर निवासी-कानपुर प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९३३६१०५७४९

हेमन्त जी अपनी पैतृक भूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि इस गांव का इतिहास लगभग ५०० साल से भी अधिक पुराना है। कहा जाता है कि इसकी स्थापना नापाजी द्वारा किया गया था। उन्हीं के नाम से इस गांव का नाम 'नापासर' पड़ा। हमारा 'नापासर' आज एक विकसित कस्बे के रूप में जाना जाता है। कस्बा होते हुए भी यहां नगरपालिका स्थापित है। कुछ वर्षों में यहां का विकास बहुत ही तेज गति से हुआ हैं। हमारे लिए हमारा गांव ही दुनिया है, लोग विदेश घूमने जाते हैं पर हमारे लिए हमारा 'नापासर' ही विदेश है। यहां आकर मन आनंदित और प्रफुल्लित हो जाता है, सारी चिंताएं मिट जाती हैं, जिस शहर की भाग दौड़ भरी जिंदगी में हम जी रहे होते हैं, उससे कुछ समय के लिए और यहां आकर मानसिक शकुन प्राप्त होता है, इसीलिए वर्ष में जब भी संभव होता है 'नापासर' अवश्य जाता हूं। यहां के लोग, यहां के निवासी सभी अच्छे, प्रिय और मिलनसार हैं। यहां के लोग सामाजिक कार्यों में भी विशेष रूप से सक्रिय रहते हैं। 'नापासर' के विकास में यहां के भामाशाहों का विशेष योगदान रहा है।

यहां कई सामाजिक संस्थाएं हैं जिनमें श्री संत सेवाराम गौशाला, माहेश्वरी भवन प्रमुख है जो यहां के दानदाताओं के सहयोग से निर्माण किया गया है। हमारे परिवार का भी इसमें विशेष योगदान रहा है। यहां कई धार्मिक स्थल भी हैं जिनमें हनुमान धोरा, हनुमान मंदिर, काली माता जी का मंदिर आदि कई प्रमुख हैं। नापासर के निवासी आज देश-विदेश में अपनी विशेष पहचान बनाए हुए हैं।

हेमन्त जी का जन्म व प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में संपन्न हुई है। तत्पश्चात उच्च शिक्षा हेतु आपका मुंबई आना हुआ। इंटर व कॉलेज की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात पारिवारिक व्यवसाय से जुड़े, जो ऊंट छाप तिरपाल के नाम से प्रसिद्ध है। कुछ वर्षों तक यहां व्यवसाय करने के बाद आपका १९९२ में भारत का एक राज्य उत्तर प्रदेश का एक शहर कानपुर आना हुआ। कानपुर में भी आप इसी व्यवसाय से जुड़े। कानपुर स्थित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में से भी जुड़े हुए हैं। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सदस्य हैं। पेशेन्ट हेल्थ केयर सोसायटी, सालासर बालाजी मंदिर ट्रस्ट व अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं। आपका ४ भाई व दो बहनों का परिवार हैं। भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका पूर्ण समर्थन है।

शंकरलाल झंवर

व्यवसायी व समाजसेवी

नापासर निवासी-गुवाहाटी प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९८२९९६५३४३

शंकरलाल जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि पहले और आज के 'नापासर' में रात-दिन का फर्क आ गया है, पहले यहां खेती-बाड़ी होती थी। गाय, भैंसों का जमावड़ा रहता था। हर घर खुला होता था। कोई नया मेहमान आता, वह पूरे गांव का मेहमान होता था। 'नापासर' जैसा गांव अन्य कहीं भी देखने को नहीं मिलेगा। यहां ३६ कौम बसती है। सभी आपस में प्रेम और भाईचारे के साथ रहते हैं। आज भी गांव में सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, सभी एक दूसरे को नाम से पहचानते हैं। आज 'नापासर' के अधिकतर लोग रोजगार व उद्योग धंधे हेतू देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवासित हो गए। वे भी अपने 'नापासर' से जमीनी रूप से जुड़े हुए हैं। आज 'नापासर' में बाहर से आकर बसने वालों की संख्या अधिक हो गई है। सभी में आपसे भाईचारा है। भौगोलिक दृष्टि से भी 'नापासर' बहुत ही उत्तम है। धार्मिक दृष्टि से 'नापासर' एक धार्मिक स्थान कहा जा सकता है क्योंकि यहां हर गली में आपको मंदिर मिल जाएंगे, जिनमें से प्रसिद्ध मंदिर शिव मठ, हनुमान धोरा, हनुमान मंदिर आदि है। शिव मठ एक संस्कृत पाठशाला है, जिसे पंडितों के निर्माण की फैक्ट्री कहा जा सकता है। यहां के गायत्री मंदिर में सालाना गायत्री पुष्पचरण फाल्गुन महीने में होता है। यहां कीर्तन पिछले ३० वर्षों से चल रहा है। कई विशेषताओं को लिए हुए हैं हमारा 'नापासर'। शंकरलाल जी का जन्म व प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में ही सम्पन्न हुयी। व्यवसाय हेतु २५ सालों तक असम स्थित गुवाहाटी में बसे, जहाँ मोटर पार्ट्स के व्यवसाय से जुड़े रहे। वर्तमान में 'नापासर' में रहते हैं और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं।

भारत को 'भारत' ही कहा जाए विषय पर अपना पूर्ण समर्थन देते हुए कहते हैं कि हमारे देश का वास्तविक नाम 'भारत' है और वही रहना चाहिए।

देवकिशन मूंधड़ा

व्यवसायी व समाजसेवी

नापासर निवासी-चैन्नई प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९८४०६०२८८४

देवकिशन जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि 'नापासर' में बहुत तेजी से विकास हुआ है पहले यह एक गांव के रूप में था, आज विकसित कस्बा है। 'नापासर' धार्मिक कस्बे के रूप में विशेष रूप से जाना जाता है। यहां कई मंदिर हैं साथ ही यह संतों की भूमि रही है। यहां कई संतों का आगमन हुआ है और उनकी तपोस्थली भी रही है। अगर देखा जाए तो 'नापासर' में मुख्यतः माहेश्वरी समाज की संख्या अधिक है साथ ही ब्राह्मण, सुथार, जाट आदि समुदाय के लोग भी रहते हैं, सभी समृद्ध हैं। साथ ही सभी में 'नापासर' के लिए भी विशेष लगाव बना हुआ है। कहीं भी रहें अपनी जन्म भूमि के विकास के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

'नापासर' के विकास में यहां के निवासियों का विशेष योगदान रहा है। आज 'नापासर' के निवासी देश के विभिन्न भागों में बस कर अपना और 'नापासर' नाम रोशन कर रहे हैं। देव किशन जी का जन्म व उच्च माध्यमिक शिक्षा 'नापासर' में ही संपन्न हुई है। तत्पश्चात बीकानेर से उच्च शिक्षा ग्रहण की, शिक्षा प्राप्त करने के बाद कोलकाता आना हुआ। कुछ वर्षों तक यहां रहने के बाद आप व्यवसाय के निमित्त चैन्नई आकर बस गए। पिछले २० वर्षों से चैन्नई के प्रवासी हैं और यहां प्लास्टिक ट्रेडिंग के कारोबार से जुड़े हुए हैं। आप कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। माहेश्वरी समाज में सदस्य के रूप में सेवारत हैं। 'नापासर' स्थित केसरिया ग्रुप से भी जुड़े हुए हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि हमारे देश का नाम भारत है और 'भारत' ही रहना चाहिए, इस विषय का पूर्ण समर्थन करता हूँ।

बिहारीलाल मूंधड़ा

व्यवसायी व समाजसेवी

नापासर निवासी

भ्रमणध्वनि: ९८२९८९९०८७

बिहारी लाल जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि 'नापासर' पहले एक गांव के रूप में था, आज यह विशाल कस्बे का रूप धारण कर लिया है। आज 'नापासर' में कई सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। आज यहां इंडस्ट्रीज हैं। आर्थिक व सामाजिक दृष्टि से 'नापासर' विकास की ओर निरंतर बढ़ता जा रहा है। यहां के शॉल, चादर, टाइल्स, मट्टी की मटकी, झालर मशीन, पापड़ और रोटी बेलने वाली मशीन प्रसिद्ध है।

इन मशीनों का निर्यात देश के विभिन्न भागों में होता है। धार्मिक दृष्टि से भी 'नापासर' महत्वपूर्ण है। यहां कई मंदिर हैं जिनमें हनुमान वाटिका, हनुमान धोरा, माता जी का मंदिर प्रसिद्ध है, साथ ही यहां स्थित शिवालय भी पूरे राजस्थान में प्रसिद्ध है जो कि एक संस्कृत पाठशाला है। यहां से शिक्षित विद्वान आज पूरे राजस्थान व भारत के अन्य भागों में अपना नाम विख्यात किए हुए हैं। यहां की पंडरिया तलाई पूरे भारत में प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि पांडव जब वनवास के लिए निकले थे तो यहां रुके थे। सामाजिक दृष्टि से 'नापासर' महत्वपूर्ण है यहां हर समाज व धर्म के लोग प्रेम भाव व भाईचारे के साथ रहते हैं। यहां सबसे अधिक संख्या बनियों में माहेश्वरी की है। यहां माहेश्वरी परिवार के लगभग ३००० घर हैं जो कि राजस्थान में ही नहीं पूरे भारत में एकमात्र गांव है जहाँ इतने परिवारों की संख्या है।

बिहारी लाल जी का जन्म व संपूर्ण शिक्षा 'नापासर' में हुई है। वर्तमान में आप निजी कारोबार से जुड़े हुए हैं। १० वर्षों तक आपने मुंबई में भी व्यवसाय किया। 'नापासर' स्थित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में सदस्य के रूप में सतत सक्रिय रहते हैं। चिड़िया दल के माध्यम से रामदेवरा जी के लिए यात्रियों को दर्शनार्थ ले जाते हैं इस ग्रुप के आप अध्यक्ष पद पर सेवारत हैं, साथ ही केसरिया ग्रुप के भी अध्यक्ष है। इस कार्यक्रम को लगभग २८ वर्ष पूर्ण हो चुके हैं।

शिव कुमार झंवर

व्यवसायी व समाजसेवी

नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९३३९८८४६६७

शिवजी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि 'नापासर' एक सुंदर गांव है। 'नापासर' की पंचायत राजस्थान की सबसे बड़ी पंचायत के रूप में जानी जाती है। 'नापासर' धार्मिक रूप में जाना जाता है क्योंकि यहां हर मोहल्ले में मंदिर हैं, यहां के लोग धार्मिक प्रवृत्ति वाले हैं, यहां संत श्री सेवाराम गौशाला है जो सबसे बड़ी गौशाला है। यहां शिव मठ संस्कृत पाठशाला है जहां से कई विद्वान व प्रकाण्ड पंडित हुए है। यहां सरकारी व गैर सरकारी अस्पताल व स्कूल हैं। आज 'नापासर' के निवासी देश के विभिन्न भागों में बसे हैं। कोलकता में ही लगभग २०० से अधिक परिवार प्रवासित हैं, जो 'नापासर नागरिक मंच' के माध्यम से जुड़े हुए हैं, इनके द्वारा होली मिलन कार्यक्रम व नापासर क्रिकेट टूर्नामेंट का भी आयोजन होता है जिसे पिछले २६-२७ सालों से आयोजित किया जा रहा है। मरुधर लायंस क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में भी 'नापासर' के युवक बड़े उत्साह से सहभागी होते हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में 'नापासर' के निवासी आपको मिल जाएंगे जो आज भी अपनी मातृभूमि 'नापासर' से जुड़े हुए हैं और 'नापासर' के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते है। 'नापासर' में माहेश्वरी समाज की संख्या अधिक है, जो करीब ७०% कपड़ों के कारोबार से जुड़े हुए हैं, कई विशेषताओं को लिए हुए है हमारा 'नापासर'।

शिव जी का जन्म 'नापासर' में हुआ है। आपकी संपूर्ण शिक्षा-दिक्षा कोलकाता में संपन्न हुई, यहां कपड़ों के कारोबार से जुड़े हुए है। 'नापासर' नागरिक मंच कोलकाता के सचिव पद पर सेवारत हैं, अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। 'नापासर' स्थित गौशाला व माहेश्वरी भवन से भी आप संबंधित हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि हमारे देश का नाम 'भारत' ही रहना चाहिए, इसमें देशभक्ति की व अपनों की खुशबू आती है। 'भारत' शब्द बोलने पर हमें गर्व महसूस होता है अतः हमारे देश का नाम केवल 'भारत' ही होना चाहिए।

नापासर के विकास में सतत सक्रिय आसोपा परिवार

लालचन्द आसोपा
नापासर
प्रधान, पंचायत समिति बीकानेर
भ्रमणध्वनि: ९८२९९२२५४७

बीकानेर पंचायत समिति के नव निर्वाचित प्रधान नापासर निवासी लालचन्द आसोपा व्यवसायिक रुप से कृषि और व्यापार से जुड़े हुए हैं।

पिछले १५ वर्षों से आप समाज सेवा से जुड़े हैं। 'नापासर' की समाजिक संस्थाओं से आपका जुडाव शुरू से ही रहा है। वर्तमान में भी नापासर युवा मित्र के मंडल संरक्षक और महर्षि दधीचि सेवा समिती के अध्यक्ष पद पर भी सेवारत हैं। ग्राम पंचायत नापासर के पिछले कार्यकाल में आप वार्ड पंच रहे और ग्राम विकास के कार्यों के लिये सदैव प्रयासरत रहे। आपकी सक्रियता को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ने पंचायत समिति के सदस्य के चुनाव हेतु आपको अपना उम्मीद्वार बनाया, जिसमें जीत हासिल करने के पश्चात प्रधान हेतु भी कांग्रेस पार्टी ने आपका नाम घोषित किया, जिसमें भी आपने विजय प्राप्त कर 'नापासर' में इतिहास रच दिया, क्योंकि बीकानेर पंचायत समिति की सब से बड़ी ग्राम पंचायत होने के बावजुद ७० साल के इतिहास में 'नापासर' का कोई प्रधान नहीं बन पाया था। आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि के देखते हुए न केवल 'नापासर' वासियों को अपितु बीकानेर पंचायत समिति क्षेत्र के लोगों को आपसे विशेष उम्मीद थी।

पारिवारिक पृष्ठभूमि: श्री आसोपा स्व. श्री महादेव आसोपा के सबसे छोटे पुत्र हैं। आसोपा परिवार समाज सेवा और राजनैतिक रुप से सदैव सक्रिय रहा है। आजादी से पूर्व श्री आसोपा के बड़े दादाजी स्व श्री रघुनाथ जी आसोपा समाज सेवा में अग्रणी थे। एक समय था जब 'नापासर' को 'रूघजी वाला नापासर' के नाम से जाना जाता था। आजादी से पूर्व सरकार ने उन्हें नापासर नगरपालिका के उपाध्यक्ष के रुप में मनोनीत किया, जो वर्षों तक 'नापासर' की जनता की सेवा में लगे रहे। 'नापासर' का विद्युतीकरण का श्रेय भी आपको ही जाता है, क्योंकि आपने ही सर्वप्रथम पांच विद्युत कनेक्सन अपने परिवार और मन्दिरों लगाई थी, जिसके बाद ही 'नापासर' में बिजली आ सकी।

आपके पुत्र श्री धनराज जी आसोपा ने वर्षों तक गांव की सेवा की। सैकड़ों गांव के लोगों को नहरी भुमि आवंटित करवाई, जिसके लिये आज भी लोग आपको याद करते हैं। नापासर नगरपालिका के प्रथम निर्वाचित चेयरमैन श्री आसोपा के ताऊजी श्री सत्यनारायण जी आसोपा रहे और नापासर के नियोजित विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया। कालान्तर में नापासर ग्राम पंचायत बनने के पश्चात आसोपा परिवार के ही ताऊजी श्री बजरंग लाल जी आसोपा लम्बे समय तक सरपंच रहे और गांव के विकास में कई महत्वपूर्ण कार्य किये, जिसमें पेयजल योजना का क्रियान्वयन महत्वपूर्ण है। पुत्र घनश्याम आसोपा भी दो बार नापासर सरपंच रहे और नापासर में विकास के कई महत्वपूर्ण कार्य किये। 'नापासर' में सीवर लाईन और सफाई व्यवस्था आपके महत्वपूर्ण कार्य रहे।

स्व. श्री महादेव आसोपा आपके पिताश्री निरन्तर गरीब हितेषी रहे, बड़े भाई श्री श्यामसुन्दर आसोपा ग्राम उत्थान हेतु सदैव तत्पर रहते हैं। वर्तमान में आप अखिल भारतवर्षीय दाहिमा (दाधीच) ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और समाज हित के कार्यों में लगे रहते हैं। अभी हाल ही में आपके ही नेतृत्व में कोरोना काल में ग्रामीणों के सहयोग से अन्नपूर्णा रसोई का संचालन हुआ और गांव में करीब एक लाख अठानवे हजार भोजन (पैकेटों) का वितरण किया गया। संक्षेप में आसोपा परिवार सदैव नापासर के विकास हेतु तत्पर रहा है। १०० से अधिक वर्ष पहले मुख्य बाजार में स्थित आसोपा धर्मशाला एवं जन सामान्य एवं गोधन के पेयजल हेतु विशाल पक्की तलाई का निर्माण, जो आज भी जस का तस है, इसके अलावा अन्य समाज के सहयोग से गांव के लिये मीठे पानी का कुआं निर्माण, नवयुवक पुस्तकालय निर्माण में सहयोग की बात, खेलकूद को बढावा देने हेतु सुभाष क्लब की स्थापना, जिसके संस्थापक सदस्य श्री आसोपा के पिताजी महादेव जी आसोपा रहे हैं। वैदिक शिक्षा को बढावा देने के लिये संस्कृत पाठशाला की स्थापना में भी आसोपा परिवार का सहयोग रहा है।

पन्नालाल कोठारी
व्यवसायी व समाजसेवी
'नापासर' निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९३३०९२६६३३

पन्नालाल जी अपनी मातृभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि 'नापासर' शांत और विकासशील कस्बा है। एक कस्बा होते हुए भी यहां पंचायत स्थापित है। पहले की तुलना में 'नापासर' में बहुत विकास हुआ है। लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। 'नापासर' में अधिकतर परिवार माहेश्वरी समाज के हैं, जो आज देश-विदेश में अपना व्यवसाय जमाए हुए हैं। अपने सामाजिक कार्य के माध्यम से अपना व 'नापासर' का नाम रोशन कर रहे हैं। 'नापासर' के विकास में यहां के भामाशाहों का विशेष योगदान रहा है। 'नापासर' में उद्योग भी हैं, कई संतों की कर्मस्थली भी रही हैं, यहां कई संतों का आगमन हुआ है। 'नापासर' के निवासी धार्मिक कार्यों में अधिक सक्रिय रहते हैं, इसलिए यहां कई मंदिर बने हैं। यहां के मंदिरों में हनुमान धोरा, हनुमान मंदिर, शिव मठ लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र है, साथ ही 'नापासर' की विशेषताओं में प्रमुख है यहां की संत श्री सेवाराम गौशाला। अन्य कई विशेषताएं लिए हुए है 'नापासर'। ७५ वर्षीय पन्नालाल जी का जन्म व संपूर्ण शिक्षा 'नापासर' में ही संपन्न हुई, तत्पश्चात आपका भी कोलकाता आना हुआ। कोलकाता में ६० वर्षों से एक कपड़ा व्यवसायी के रूप में कार्यरत हैं, साथ ही सामाजिक कार्य में भी सतत सक्रिय रहते हैं। किसी भी सामाजिक कार्यों के लिए आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान करते रहते हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि प्राचीन काल से ही हमारे देश का नाम 'भारत' रहा है और इसे हिंदुस्तान भी कहा जाता है, पर वास्तविक नाम तो 'भारत' ही है अतः हमारे देश का नाम भारत ही होना चाहिए।

दामोदर प्रसाद झंवर (दमजी)
प्रसिद्ध समाजसेवी व व्यवसायी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९३५२६३८१५१

दामोदर जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि 'नापासर' बीकानेर का एक प्रसिद्ध कस्बा है। यह एक धार्मिक नगरी के रूप में जाना जाता है। यहां के लोग धार्मिक व सामाजिक प्रवृत्ति वाले हैं। 'नापासर' के हर मोड़ पर आपको एक मंदिर दिख जायेगें, जो यहां के लोगों की धार्मिक आस्था का प्रतीक है। 'नापासर' के विकास में यहां के भामाशाहों का विशेष योगदान रहा है। नापासर स्वच्छ व सुंदर कस्बा है। एक कस्बा होते हुए भी यहां पंचायत स्थापित है। यहां के निवासी आज देश के विभिन्न भागों में बसे हुए हैं फिर भी सभी अपने 'नापासर' से जुड़े हुए हैं, कई विशेषताओं को लिए हुए हैं हमारा 'नापासर'।

दामोदर जी का जन्म २७ मई १९३८ को 'नापासर' में ही हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में तथा माध्यमिक शिक्षा जैन कॉलेज बीकानेर से हुई, तत्पश्चात उच्च माध्यमिक शिक्षा कोलकाता के सिटी कॉलेज से हुई, तभी से आप कोलकाता में प्रवासित हैं। यहां आप व्यापार से जुड़े हैं। वर्तमान में आप 'नापासर' में निवासित हैं। अनाज व मिठाई के कारोबार से जुड़े हुए हैं। आप सामाजिक संस्थाओं में विशेष रूप से सक्रिय रहते हैं। नापासर माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट व नापासर विकास सहयोग समिति के अध्यक्ष पद पर सेवारत हैं। नापासर माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के माध्यम से दानदाताओं के सहयोग से माहेश्वरी भवन के निर्माण में आपका विशेष सहयोग रहा है। सीएम मुंदडा मेमोरियल ट्रस्ट के माध्यम से यहां स्थित बालिका विद्यालय का नवनिर्माण आप ही के कठोर संघर्ष का प्रतिरूप है। आप स्वच्छता के लिए विशेष रूप से सक्रिय रहते हैं, अन्य कई सामाजिक कार्य में भी विशेष भूमिका निभाते रहते हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि बिल्कुल हमारे देश का नाम 'भारत' है और 'भारत' ही रहना चाहिए, यही हमारी संस्कृति व पहचान है।

नापासर की बहुमुखी प्रतिभा

सुमन मूँधडा
समाजसेवी, प्रेरक वक्ता काउंसलर
इवेंट व्यवस्थापक
नापासर निवासी
भ्रमणध्वनि: ७८७७४३१०३७

बीकानेर जिले के 'नापासर' निवासी श्री बालचन्द जी मूंधड़ा (उचोवला) की सुपौत्री तथा श्री गिरधारी लाल जी एवं श्रीमती विमला देवी मूंधड़ा की सुपुत्री सुमन मूंधड़ा माहेश्वरी समाज के लिये एक ऐसा जाना पहचाना नाम है जो अपने व्यक्तिगत प्रयासों से समाज के सैकड़ों विवाह योग्य युवक-युवतियों के निःशुल्क रिश्ते करवाकर एक अनूठी सेवा का कार्य कर रही हैं।

'नापासर' के प्रमुख समाजसेवी श्री सोहनलाल जी झंवर (नीमड़ीवाला) की दोहिती सुमन की प्रारंभिक, शिक्षा 'नापासर' में ही हुई है। आपने दसवीं कक्षा की परीक्षा में विशेष योग्यता सूची में स्थान प्राप्त किया, तत्पश्चात आगे की पढ़ाई पूना महाराष्ट्र से फैशन डिजाइनिंग का कोर्स किया है।

सुमनजी बचपन से ही मिले समाज सेवा के सदसंस्कारों का ही परिणाम है कि समाज के लिये कितना भी करुं वह कम ही होता है की भावना के साथ कार्य कर रही हैं। आपने घर पर रहते हुए ही ऑनलाइन समाज सेवा शुरू की और फेसबुक पर माहेश्वरी क्लब ग्रुप बनाया, जिसमें ३ लाख से भी ज्यादा माहेश्वरी सदस्य हैं, इस ग्रुप के माध्यम से समाज की महिलायें घर बैठे ऑनलाईन सेलिंग कर १०,००० से १५,००० मासिक कमा रही हैं। समाज की सबसे बड़ी समस्या युवक-युवतियों के शादी को लेकर हो रही है। इस समस्या के समाधान के लिये सुमन जी ने 'माहेश्वरी परिचय मित्र' नाम से टेलीग्राम ग्रुप पर युवक-युवतियों को जोड़ रही हैं। इस ग्रुप के माध्यम से अब तक ५१०० से ज्यादा रिश्ते निःशुल्क करवाये जा चुके हैं तथा १०००० से भी ज्यादा बायोडाटा आपके पास उपलब्ध हैं। आपकी इन सेवाओं को देखते हुए कई संगठनों द्वारा आपको विभिन्न सम्मान प्राप्त हुए हैं।

नोटबंदी के दौरान सुमन जी ने नापासर की बैंक में एक महीने तक निःशुल्क सेवाएं प्रदान की, जिसके लिये नापासर ग्रामवासियों द्वारा काफी सराहना की गई। बहुत से परिचय सम्मेलनों को होस्ट करने वाली सुमनजी को जोधपुर, इन्दौर तथा दिल्ली समाज द्वारा भी सम्मानित किया गया है।

प्रशंसा और प्रचार से दूर रह कर मानवता की सेवा ही आपका ध्येय रहा है, जिस जज्बे को 'मेरा राजस्थान' परिवार प्रणाम करता है।

सुमन मूंदड़ा जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहती हैं कि हम चाहे जहां भी रहें पर अपनी जन्मभूमि व पैतृक भूमि को कभी नहीं भूल सकते, वह हमारी यादों में हमेशा रहती है, इसी तरह मेरी यादों में हमेशा 'नापासर' व 'नापासर' में बिताया हुआ समय हमेशा ही रहता है। 'नापासर' एक महत्वपूर्ण कस्बा है जो बीकानेर से मात्र ३० किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, इसे धार्मिक नगरी भी कहा जाता है, सारी सुविधाओं से संपन्न है 'नापासर'!

'नापासर' में एक कमी है कि यहां का जो विकास होना चाहिए था वह नहीं हो पाया, आज भी लड़कियों को उच्च शिक्षा हेतु बीकानेर जाना पड़ता है। नापासर में एक भी कॉलेज नहीं है जिससे कई लड़कियों की पढ़ाई वहीं रुक जाती है, अतः इसके लिए सभी नापासर वासियों को प्रयास करना चाहिए। भारत को 'भारत' की बोला जाए विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए सुमन जी कहती हैं कि यह एक अच्छी पहल है और इसके लिए सभी भारतवासियों को प्रयास करना चाहिए। सर्वप्रथम हमें अपनी तरफ से ही इसके लिए पहल करनी होगी और राजनीतिक दृष्टि में इसका बिल पारित करवाना होगा, तभी हम भारत मां को सच्चा सम्मान दिलवा पाएंगे।

बृज गोपाल मूंधड़ा
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८३०५५७०५७

बृज गोपाल जी अपनी पैतृक भूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में नापासर का विकास अवश्य हुआ है, पहले यहां सड़कें नहीं थी, चारों तरफ रेत ही रेत था। घर के बाहर भी रेत होती थी, अब यहां पक्की सड़कें बन गई हैं। यातायात की सुविधा बढ़ गई है। गाड़ियों का आवागमन अधिक होने लगा है। पहले गांव जाने के लिए बीकानेर से पैदल जाया जाता था, पर अब यातायात की सुविधा हो जाने से गांव का सफर अच्छा हो गया है। 'नापासर' बीकानेर से मात्र २७ किलोमीटर की दूरी पर ही स्थित है। 'नापासर' को माहेश्वरीओं का गढ़ कहा जाता है, यहां अधिकतर संख्या माहेश्वरीओं की है। यहां के माहेश्वरी परिवार अधिकतर व्यापार उद्योग में लगे हुए हैं। 'नापासर' के लोग भारत के विभिन्न भागों में बसे हुए हैं और अपने कार्यों व व्यापार के माध्यम से 'नापासर' का नाम रौशन कर रहे हैं। आज 'नापासर' में माहेश्वरीओं की संख्या कम हो गई है और अन्य समाज के लोगो की संख्या अधिक हो गई है। 'नापासर' के विकास में माहेश्वरी समाज का महत्वपूर्ण योगदान है, इनके द्वारा 'नापासर' में एक भव्य सुंदर माहेश्वरी भवन का निर्माण किया गया है। 'नापासर' में कई धार्मिक स्थल हैं, जो यहां के लोगों की आस्था का प्रतीक है। 'नापासर' को संतों की भूमि कहा जाता है। यहां कई संतों का आगमन हुआ है और यहां के लोगों को व इस भूमि को आशीर्वाद प्राप्त हुआ है।

५१ वर्षीय बृज गोपाल जी का पैतृक निवास स्थान है 'नापासर', आपका परिवार कई वर्षों से कोलकाता का प्रवासी है, जो पश्चिम बंगाल के उत्तर चौबीस परगना जिले में स्थित बनगांव में बसा हुआ था। विगत कुछ वर्षों से आप कोलकाता में प्रवासित हैं। आपका जन्म बनगांव में ही हुआ है। आपकी आरंभिक शिक्षा भी यहीं संपन्न हुई, तत्पश्चात संपूर्ण शिक्षा कोलकाता में संपन्न की। यहां आप रेडीमेड कपड़ों के कारोबार से जुड़े हुए हैं, साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं। कोलकाता में स्थित नापासर नागरिक परिषद में अध्यक्ष पद पर सेवारत हैं।

भारत बने 'भारत' विषय पर आपका कहना है कि हमारे देश का नाम तो हमेशा 'भारत' ही रहा है और भारत ही रहना चाहिए, भारतीयता हमारी वास्तविक पहचान है।

नारायण झंवर
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९३३१००७३७२

नारायण जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि 'नापासर' एक विकासशील कस्बा है। पहले की तुलना में आज यहां बहुत ही परिवर्तन आ गए हैं। सड़कें, लाइटें आदि की सुविधा अच्छी हुई है। यहां सभी समाज के लोग आपसी मेल-मिलाप के साथ रहते हैं, अधिकतर माहेश्वरीओं की संख्या है। आज 'नापासर' के विकास में माहेश्वरी समाज का विशेष योगदान रहा है। 'नापासर' निवासी देश के विभिन्न भागों में बसे हुए हैं। अपने रोजगार व समाज कार्य से 'नापासर' का नाम रोशन किए हुए है। 'नापासर' में कई मंदिर हैं, जो यहां के लोगों की धार्मिकता का प्रतीक है, कई विशेषताओं को लिए हुए है हमारा 'नापासर'।

५४ वर्षीय नारायण जी का जन्म 'नापासर' में व संपूर्ण शिक्षा-दीक्षा कोलकाता में संपन्न हुई। आपका परिवार पिछले ६० सालों से कोलकाता में प्रवासित है। आपके पिताजी व ताऊजी का संयुक्त परिवार आज भी कोलकत्ता में संयुक्त रूप से व्यवसाय में कार्यरत है। आपके ताऊजी के ३ पुत्र व आप २ भाई एक ही साथ व्यवसाय में कार्यरत हैं। आप सामाजिक कार्यों में सतत सक्रिय रहते हैं। 'नापासर' स्थित गौशाला में पूरी तरह से समर्पित हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाना चाहिए विषय पर आपका कहना है कि यह बहुत ही अच्छा विचार है और यह अवश्य होना चाहिए।

भारत हमारा गौरव है। भारत हमारी संस्कृति की पहचान है, अतः हमारे देश का नाम केवल 'भारत' ही होना चाहिए।

आसाराम झंवर
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९३३९४१६१६६

आसाराम जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि 'नापासर' एक विकासशील कस्बा है, यहां हर सुविधा आसानी से उपलब्ध हो जाती है। यहां के निवासी आज देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी विशेष पहचान बनाए हुए हैं और अपने कार्यों के माध्यम से 'नापासर' का नाम रोशन कर रहे हैं। नापासर निवासी धार्मिक व सामाजिक प्रवृत्ति वाले हैं, विशेषकर धार्मिक कार्य में विशेष रुझान रहता है, हर धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर सरीक होते हैं। 'नापासर' का हर निवासी व्यक्तिगत रूप से भी एक दूसरे से जुड़ा है। 'नापासर' में कई धार्मिक स्थल हैं, यहां कई साधु-संतों का आगमन हुआ है। कईयों की तो यह तपोभूमि भी रही है। 'नापासर' के बारे में जितना कहा जाए उतना कम होगा, कई विशेषताओं से भरा है हमारा 'नापासर'।

६१ वर्षीय आसाराम जी पिछले ४० वर्षों से कोलकाता के प्रवासी हैं। आपका जन्म व संपूर्ण शिक्षा 'नापासर' में ही संपन्न हुई। कोलकाता में आप कपड़ों के कारोबार से जुड़े हुए हैं व व्यक्तिगत रूप से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं।

भारत को 'भारत' बोला ही जाए विषय पर आपका कहना है कि हमारे देश का नाम 'भारत' है और 'भारत' ही रहना चाहिए, क्योंकि यही हमारी विशेष पहचान है।

प्रेम मित्तल
व्यवसायी व समाजसेवी
तारानगर निवासी-वापी प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९३७४९८६२७२

प्रेम जी तारानगर के निवासी हैं। आपका जन्म व संपूर्ण शिक्षा 'तारानगर' में ही संपन्न हुई है। रोजगार हेतु पिछले २० वर्षों से वापी में प्रवासी हैं। वापी के सुपर ट्रांसपोर्ट ऑफ इंडिया नामक कंपनी में विशेष पद पर सेवारत हैं, साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ प्रचार मंडल में पिछले ७ सालों से जुड़े हैं और वर्तमान में ट्रस्टी के रूप में कार्यरत हैं। वापी स्थित अग्रवाल समाज में भी सदस्य के रूप में कार्यरत हैं, व्यक्तिगत रूप से भी सामाजिक कार्य करते रहते हैं।

अपनी जन्मभूमि 'तारानगर' के संदर्भ में कहते हैं कि मेरा संपूर्ण बाल्यकाल 'तारानगर' में ही संपन्न हुआ। 'तारानगर' हर दृष्टि से समृद्ध व संपन्न है। मैं तारानगर के महत्वपूर्ण क्षेत्र 'बांय' का निवासी हूं, यह एक धार्मिक स्थल के रूप में भी जाना जाता है। तारानगर चूरू जिले का एक महत्वपूर्ण सुंदर व शांतिपूर्ण कस्बा है, गांव तो गांव होता है वहां जाकर मन प्रसन्नचित्त हो जाता है, वहां के खुशनुमा वातावरण व लोगों से मिलकर मन प्रफुल्लित और आनंदित होता है। आज राजस्थान के निवासी देश ही नहीं विदेशों में भी प्रवासित हैं और अपनी विशेष पहचान बनाए हुए हैं।

आज के युवा वर्ग को मैं यही संदेश देना चाहूंगा कि वह अपने परिवार व बड़े बुजुर्गों के बताए नक्शे कदम पर चल कर अपने धर्म और समाज के प्रति समर्पित रहे, इसी तरह हमारा समाज आगे बढ़ता रहेगा।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए, विषय पर आपका कहना है कि हम भारतवंशी है, हम भारत के निवासी हैं अतः हमारे देश का नाम सिर्फ 'भारत' होना चाहिए, यही हमारी विशेष पहचान है और यही कायम रखनी चाहिए।

ऍड. राजकुमार पुरोहित
अधिवक्ता
नापासर निवासी
भ्रमणध्वनि: ९९२८८१२३४१

राजकुमार जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि 'नापासर' को छोटी काशी कहा जा सकता है। यह संतों व भामाशाहों की नगरी कही जाती है। संतों में श्री सेवाराम जी महाराज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और उनके नाम से आज यहां एक बहुत बड़ी गौशाला भी चलाई जा रही है, साथ ही यहां कृष्णानंद जी, महेशानंद जी आदि संतों का भी अमूल्य योगदान रहा है। प्राचीन काल से यहां संस्कृत पाठशाला चलाई जा रही है। यहां से शिक्षित व विद्यार्थी देश के विभिन्न क्षेत्रों में कर्मकांड पंडितों के रुप विशेष रुप से विख्यात हैं जिनमें मोहन व्यास, किशन लाल जी आदि का नाम विशेष रूप से लिया जा सकता है। राजनीति दृष्टि से भी 'नापासर' अग्रणी रहा है, इनमें बजरंग लाल आसोपा, भंवरलाल गहलोत आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वर्गीय मानिकचंद सुराणा जी का भी नापासर के विकास में विशेष योगदान रहा है, उन्होंने 'नापासर' को नगरपालिका के रूप में परिवर्तित करने के लिए कई प्रयास किए पर राजनीतिक कारणों से संभव नहीं हो पाया। वर्तमान में यहां की सरपंच सरला देवी जी हैं। आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो मानिकचंद सुराणा जी द्वारा ही रीको इंडस्ट्रियल एरिया विकसित की गई, जहां कई उद्योग धंधे व्यवस्थित हैं, पूर्व में यहां कई दाल मिले थी, जो अब बंद हो गई हैं, यह गांव संपन्न गांव के रूप में जाना जाता है। यहां के माहेश्वरी समाज के लोग सेठ साहूकार के नाम से विख्यात हैं, उन्हीं के द्वारा गेस्ट हाउस, स्कूल, मंदिर, अस्पताल आदि का निर्माण किया गया है। स्व. माणकचन्द जी सुराणा द्वारा वित्त मंत्री रहते हुए नापासर में रिको औद्यागिक क्षेत्र की स्थापना की जो आज निरन्तर रूप से चल रहा है एवं नापासर को दो बार नगरपालिका बनाया गया जो दोनो बार ही राजनीति की भेंट चढ़ गई।

पूर्व विधायक विरेन्द्र बेनीवाल जो राज्यसरकार में गृहराज्य मंत्री एवं परिवहन मंत्री रहे, इन्होंने नापासर को कृषि उपज मण्डी के रूप में नई सौगात दी जो अभी प्रारंभ होने वाली है एवं नापासर को नहरी पानी से जोड़ कर आने वाले समय में पीने के पानी की समस्या से निजात दिलायेगी तथा ये 'नापासर' के विकास हेतू हमेशा ही तत्पर रहते हैं। इनका सपना है कि नापासर में लड़कियों हेतू कॉलेज खुलवाना, नापासर को ३४ तहसील एवं पंचायत समिति मूख्यालय बनाना, शायद इसी कार्यकाल में ये सब करवा देगें। हमारा 'नापासर' विशेषताओं से भरा हुआ है।

राजकुमार जी का परिवार 'नापासर' से कुछ ही दूरी पर स्थित कल्याणसर गांव का निवासी है, जहां से आप के दादाजी रोजगार व पानी की सुविधा होने से 'नापासर' आकर बसे। आपका जन्म १९७७ में व प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में ही हुई, तत्पश्चात आपने बीकानेर के डूंगर कॉलेज से स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की। बीकानेर के रामपुरिया कॉलेज से एलएलबी व B.J.S की उपाधि प्राप्त की। तत्पश्चात बीकानेर गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से एल.एल.बी. व एल.एल.एम किया। वर्तमान में तांतिया यूनिवर्सिटी गंगानगर से आप पीएचडी कर रहे हैं, साथ ही आप टैक्सेशन और सिविल में प्रैक्टिस भी करते हैं। आप सामाजिक संस्था में भी विशेष भूमिका निभाते हैं। आवारा पशुओं को संरक्षित करने के लिए नागौर में गौशाला बनाई है, जिसके तहत कामधेनु संस्था चलाई जा रही है जिसके आप जिला उपाध्यक्ष हैं, साथ ही आप राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े हुए हैं, साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं में भी सेवारत हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर आपका कहना है कि हम भारतवंशी हैं और एक हिंदू राष्ट्र की कल्पना के तहत 'भारत' नाम का मैं समर्थन करता हूं, चाहता हूं कि हमारे देश को 'भारत' ही बोला जाना चाहिए, इसके लिए सोशल मीडिया व अन्य आधुनिक यंत्रों के माध्यम से देश भर में इसका प्रचार-प्रसार करना चाहिए।

बनवारीलाल झंवर
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८३००७०५२४

बनवारी लालजी को जब उनकी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में बात की गई तो अपने बचपन के समय का उल्लेख करते हुए बनवारी जी ने बताया कि मेरा पूरा बचपन 'नापासर' में ही बीता, उस समय वहां का वातावरण शांत व हवा पानी शुद्ध था। आज भी जब गांव जाने की तैयारी होती है, तो मन विचलित हो उठता है कि हम कब 'नापासर' पहुंचें। पहले वहां कुंए खुले होते थे, पर अब लोग ट्यूबवेल के माध्यम से खेती करते हैं, जिससे यहां अब चारों तरफ हरियाली हुयी है। यहां की सड़कों पर १० किलोमीटर तक भामाशाहों द्वारा वृक्ष लगाया गया है। यहां का हनुमान धोरा व हनुमान मंदिर प्रसिद्ध है, साथ ही दुर्गा माता जी और काली माता जी का मंदिर आस्था का केंद्र है, कई सामाजिक संस्थाओं का निर्माण किया गया है। यहां शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी विशेष प्रगति हुई है, आज यहां के निवासी देश के विभिन्न भागों में बसे हुए हैं और अपने कार्य और सामाजिक सेवाओं में योगदान से अपना व नापासर का नाम रोशन कर रहे हैं। यहां के कई भामाशाह परिवार समाज सेवी व लोक सेवी है, जिनकी गाथा आज भी लोगों की जुबान पर है।

बनवारी जी का जन्म १९६० में 'नापासर' में ही संपन्न हुआ। आपकी इंटर तक की शिक्षा यहीं संपन्न हुई, तत्पश्चात बी.कॉम. आपने कोलकाता यूनिवर्सिटी से ग्रहण की व सुरेंद्रनाथ लॉ-कॉलेज से लॉ की पढ़ाई की, पर कुछ कारणवश यह पढ़ाई अधूरी छोड़नी पड़ी। तत्पश्चात अपने पारिवारिक व्यवसाय 'चंपालाल सोहनलाल' फॉर्म, कपड़ों के व्यवसाय से जुड़े हुए है। आपको एक पुत्र व तीन पुत्रियां हैं। सभी उच्च शिक्षित व अपने-अपने क्षेत्र में अग्रणी है। आप कोलकाता स्थित कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए है। भारत को 'भारत' ही बोला जाए संदर्भ में आपका कहना है कि विश्व का कोई देश ऐसा नहीं है जो २ नामों से जाना जाता है, मात्र भारत ही है जो २ नामों से पहचाना जाता है। हमारा प्राचीन नाम 'भारत' ही था, इंडिया तो अंग्रेजों ने दिया है जो गुलामी का प्रतीक है अतः इंडिया छोड़ हमें 'भारत' शब्द को ही अपनाना चाहिए। **मे.रा.**

प्रतिभा की धनी श्रीमती रामादेवी झंवर

नापासर के नीमडी वाला परिवार की वधु श्रीमती रमा देवी जी को प्रारंभ से ही गीतों को लिखने व गाने का शौक रहा है इसी शौक के कारण आपने कई गीतों की रचना भी की है, जिसमें शादी विवाह और विशेष करके गणगौर के गीत प्रमुख रूप से हैं आपके इन्हीं गीतों की प्रथम पुस्तिका 'गीत मालिका' के रूप में प्रकाशित की गई, जिनमें आपके द्वारा विवाह गीतों की रचना को संग्रह किया गया है। दूसरी पुस्तिका 'भक्ति प्रभा' जिसमें स्वरचित भजन का संग्रह है। गणगौर उत्सव के समय हर वर्ष में गीत रचती हैं इसके लिए 'गणगौर के गीत' नामक पुस्तक का भी प्रस्तुतीकरण किया गया है। आपको भोजन व नए-नए पकवान बनाने का भी शौक है अतः 'मीठी मनवार' नामक पुस्तक

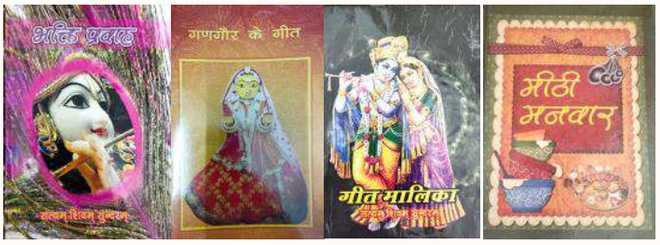

भोजन से संबंधित है। आपके द्वारा इन पुस्तकों को कोलकाता मुंबई आदि शहरों में बड़े ही मनोभाव से पढ़ा जाता है। आपकी यह पुस्तकें नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
भारत को भारत ही बोला जाए
भामाशाओं की भूमि 'नापासर' के इतिहास प्रकाशन पर 'मेरा राजस्थान' परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ

RAINTUFF
TARPAULIN

Maheshwari Industries
Praveen Baheti
भ्रमणध्वनि: 8905542322 / 9724323115
No. 21, jasoda Park Society, Bhadwat Nagar,
Ishanpur Canal, Maninagar,
Ahmedabad, Gujarat, Bharat - 380008
भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

हर भारतीयों से है आव्हान
भारत को भारत ही बोला जाए

गौवंश बचाओं देश बचाओं

भारत नाम आजादी का है
India नाम गुलामी का है
हम गुलाम नहीं आजाद हैं
बिजय जी! आप आगे बढ़ें हम आपके साथ हैं

Prem Agarwal
Mob. : 9374986272
Sanjay Agarwal
Mob. : 9327411116

SUPER TRANSPORT OF INDIA (VAPI)
FLEET OWNERS & TRANSPORT CONTRACTORS
Near Sunita Textile, Plot No. 65, Room No. 25, 1st Phase,
G.I.D.C, Police Station Road, Vapi, Valsad, Gujarat, Bharat - 396 195
e-mail : prem_supertransport@yahoo.com
Ph. : 0260 - 2428939

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

Rajendra Khater
Mob:9845023851
Ashok Plastics
(Manufacturers of Household Items)
157/35, 3RD Main Road, Industrial Town Rajajinagar,
Bengaluru, Karnataka-560010
Ph: 080-23350804, email: rajendrakhater13@gmail.com
Res: Meghdoot Apartment, 3rd Floor, No.7, Lakshmi Road
Shantinagar, Bengaluru, Karnataka-560027
Ph: 080 22239413, 41245663

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान 'हिंदी' को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

भामाशाओं की भूमि 'नापासर' के इतिहास प्रकाशन पर 'मेरा राजस्थान' परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं

Amit Bang CA.C.S
Mob: 98311 74515
Brahma Nand Bang
Mob: 98300 78160
Ajit Bang
Textile Commission Agent
Mob: 88708 78269
Bang Trading Company
12, Noormal Lohia Lane, Ground Floor, Kolkatta, West Bengal, Bharat - 700007

श्रीमती सी.एम. मूंधड़ा मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी

प्रमुख ट्रस्टीगण: कन्हैयालाल मूंधड़ा, देवकिशन मूंधड़ा, श्री किशन मूंधड़ा, द्वारका प्रसाद मूंधड़ा, संतोष कुमार मूंधड़ा

नापासर में निम्न कार्य करवाये गए:

१) श्रीमती गीता देवी बागड़ी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का निर्माण पांच करोड़ की लागत से करवाया गया और विद्यालय की रख रखाव के लिए ३ साल तक गोद लिया गया।

२) नापासर के राजकीय अस्पताल में डेन्टल मशीन लगवाई।

३) नापासर एवं आसपास के गांवों के गरीब परिवार, जिनके घर में कोई कमाई का साधन ना हो, ऐसे १५० परिवारों को प्रतिमाह परिवार सन्चालन के लिए २५०० से ५००० रूपये तक मसिक पेंशन उनके बैंक खाते में जमा करवाई जाती है।

४) नापासर व आसपास के गाँव में स्वच्छता को ध्यान में रखकर तकरीबन ४३१ शौचालयों का निर्माण करवाया गया।

५) नापासर के सम्पूर्ण क्षेत्रों मे लगभग २८ माह तक साफ-सफाई करवाई गई।

६) नापासर मे साफ-सफाई के लिए ग्राम पंचायत को ट्रैक्टर ट्रोली दी गई।

७) नापासर और आसपास के गांवों में जरूरतमन्द परिवार को पक्के मकान बनवा कर दिए।

८) संत श्री सेवाराम गौशाला में गौवंश हेतु टिनशेड व चारा भंडारण गृह का निर्माण किया गया।

कन्हैयालाल मूंधड़ा द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य

९) राधाकृष्ण गौशाला में गौवंश हेतु टिनशेड का निर्माण किया गया।

१०) नापासर वॉटर वर्कस के कई वर्षों से बंद पड़े कुंओं को ठीक करवा कर पुन: सुचारू रूप से चलवाये गए व भविष्य में रखरखाव का जिम्मा ट्रस्ट ने लिया।

११) नापासर गौचर भूमि में २००० वृक्ष लगवाए एवं सिंचाई के लिए कुंए का निर्माण किया।

१२) कोविड काल में नापासर के कुछ परिवारों को १००० रूपए का निशुल्क राशन दिया गया।

१३) राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय नापासर में करीब ५० लाख की लागत से ५ कमरे, ऑफिस ब्लॉग एवं फर्नीचर हेतु आर्थिक सहयोग दिया गया।

१४) शिक्षा विभाग बीकानेर में विडिओ कॉन्फ्रेंसिंग भवन का निर्माण करवाया।

१५) उच्च शिक्षा हेतु जरूरतमंद बच्चों को आर्थिक सहयोग दिया जाता है।

१६) कोविड काल में जिला प्रशासन को १० लाख रुपए की सहायता राशि दी गई।

१७) नापासर के आसपास के गांवों के १३०० परिवारों को सुखा राशन प्रदान किया जाता है।

१८) नापासर के ५ घरों मे सोलर लाइट लगवाई गई है। यह सभी कार्य श्रीमान दमजी झंवर 'नापासर' के नेतृत्व और सहयोग से सम्पन्न हुआ है।

बालिका शिक्षा के लिए विद्यालय का निर्माण मूंधड़ा परिवार का सराहनीय कार्य

-नमित मेहता, जिला कलेक्टर, बीकानेर

नापासर: पहली बार देख रहा हूँ कि इस तरह का विशाल भव्य भवन बनाकर सरकार को सौंपना, वह भी बालिका शिक्षा के लिए, अविस्मरणीय है यह उद्गार थे जिला कलक्टर नमित मेहता के, जो भामाशाहों की नगरी 'नापासर' में सी.एम. मूंधड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग के आयोजित किये गए प्रतिभावान छात्राओं के सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि द्वारा व्यक्त किए गए। जिला कलेक्टर मेहता ने संबोधित करते हुए कहा कि ट्रस्ट ने अपना काम किया है साथ ही बालिका शिक्षा को और बढ़ाने के लिए प्रतिभावन् छात्राओं का सम्मान करना और भी प्रेरणादायक है क्योंकि इससे अन्य छात्राओं को प्रोत्साहन मिलेगा। श्री मेहता ने वहां उपस्थित छात्राओं को आह्वान किया कि अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कीजिये और जब तक वह प्राप्त नहीं होता तब तक निरंतर प्रयासरत रहें। जिला कलक्टर ने सी.एम. मूंधड़ा ट्रस्ट का आभार जताते हुए कहा कि इन्होंने केवल भवन बनाकर ही नहीं दिया बल्कि इसके रख-रखाव का जिम्मा भी खुद देख रहे हैं यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उपस्थित महानुभावों के बीच बाबूलाल मूंधड़ा, प्रयागदास मूंधड़ा, श्याम सुंदर मूंधड़ा ने जिला कलक्टर नमित मेहता का शाल ओढ़ाकर अतिथि सत्कार किया, वहीं तहसीलदार का शाला प्रधानाचार्य मंजू देवी वर्मा ने शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

-संतोष आसोपा

With Best Compliments From
Mob. : 9433128224 / 9830123640
Ph. : 033 - 22723426
GoldStar® SEIKO
K.R. HOSIERY
Mfg. of Quality Hosiery Goods
203/1, Mahatma Gandhi Road, 5th Floor, Kolkata, West Bengal, Bharat - 700 007

राजस्थानी सेवा संघ ने मनाया राष्ट्रीय पर्व

मुंबई: राजस्थानी सेवा संघ अंधेरी द्वारा संचालित श्रीनिवास बगड़का कॉलेज के प्रांगण में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। संघ के अध्यक्ष डॉ विनोद टिबरेवाला ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत करते हुए गणतंत्र दिवस का महत्व बताया। संस्था द्वारा आगामी सत्र में कॉलेज के लिए किए जाने वाले भवन निर्माण के बारे में जानकारी दी।

संस्था द्वारा संचालित श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी द्वारा मिलिट्री स्कूल के शुरुआत करने के बारे में बताया, उन्होंने कहा कि हमारी यूनिवर्सिटी का लक्ष्य मेडिकल एजुकेशन शुरू करने का है एवं उसके उसके लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्यों की जानकारी दी।

जेजेटी यूनिवर्सिटी के उच्च शिक्षा एवं पीएचडी विभाग के विस्तार के लिए, अभी हाल ही में देश भर से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ फैकल्टी के रूप में नियुक्ति की गई है, ताकि भविष्य में हायर एजुकेशन में हमारी यूनिवर्सिटी का विशेष स्थान हो, श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी, पीएचडी डिग्री के अध्ययन के लिए देश की प्रीमियम संस्थानों में से एक मानी जाती है।

कार्यक्रम में बाबूलाल अग्रवाल, डॉ एम जी श्रीहट्टी, डॉ. अंजू सिंह, डॉ. स्वाति देसाई, दीनदयाल मुरारका, डॉ.अश्विन मेहता, रामअवतार अग्रवाल, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. शशि मरोलिया, डॉ. दीनानाथ केडिया, अनिल अग्रवाल, मोहन बागड़ी, डॉ नायकवाड़ी एवं कई महानुभाव विशेष रुप से उपस्थित थे।

- दीनदयाल मुरारका

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा
Kashinath Gadia
Bilasrai Kashinath
Cloth Merchants
Jai Hind Bldg No.1, 2nd Floor, Block 4,
Bhuleshwar, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 002
Tel.: 022-2205 3862 / 3201 2546
B-229, Kewal Industrial Estate, 2nd Floor,
Senapati Bapat Marg,
Lower Parel West, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 013
Tel.: 022-24924210 / 20 / 30
भारतीय भाषा अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
नूतन वर्ष में सब घुल-मिल जाए
हर जीवन में खुशियाँ लाए
नववर्ष के शुभागमन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ
२०२१
BIRENDRA KUMAR JHANWAR
Mob. : 98200 37803
605/606, Raheja Classic Building No.3,
New Link Road, Mumbai,
Maharashtra, Bharat - 400053
Ph. : 022 - 2631 0023/ 2631 4698
भारतीय भाषा अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचायें

नापासर में हनुमान धोरा

हनुमान धोरा 'नापासर' के प्राचीन मंदिरों में से एक है। यहां भारी संख्या में भक्त लोग दर्शन के लिए आते है। मंदिर का निर्माण गांव के कही भामाशाहों ने करवाया है। मंदिर में पूजा आरती गांव के पंडित श्री गुलाब जी व्यास करते हैं। आज भी विधिवत बाबा को चूर्मे का प्रसाद चढ़ाया जाता है एवम दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को दिया जाता है। यहां पर भारी संख्या में पक्षी आते हैं जिनके लिए चुग्गे की भी व्यस्था गांव के लोगों द्वारा ही की जाती है।

कबूतर निवास हनुमान धोरा में बनाया हुआ है। जहां भारी संख्या में कबूतर निवास करते है कि जिसको सोहनलाल जी झंवर परिवार द्वारा बनाया गया है। क्योंकि समता, दया एवं करूणा के आधार पर वसुधैव कुटुम्बकम का सिद्धान्त हिन्दु धर्म की आधारशिला है।

इसी वाक्य को अपना ध्येय मानकर केवल मानव की ही नहीं मूक पशु-पक्षियों के प्रति भी अपना कर्तव्य निभा रहे समाजसेवी व भामाशाह सोहनलाल झंवर ने यहां हनुमान धोरा परिसर में ७०० कबूतरों के रहने के लिए जमीन से करीबन चालीस फीट ऊंचाई का पिजन हाउस बनाकर पक्षियों की प्रति दया व सहानुभूति का परिचय दिया है। ग्यारह मंजिल वाले इस पिजन हाऊस में पक्षी आराम से रह सकते है, इसके नीचे चुग्गा-दाना डालने के लिए चौकी बनाई गई है। झंवर जी ने 'मेरा राजस्थान' को बताया कि आधुनिकता के युग में कई पक्षियों रहने, खाने का ठिकाना नहीं होने से इनकी प्रजातियां लुप्त हो रही हैं। मनुष्य की तरह पशु-पक्षियों में भी जान होती है,उनकी रक्षा करना, दया करना मनुष्य का धर्म है। हनुमान मंदिर आने वाले श्रद्धालु इस पिजन हाऊस को देखकर जीवदया के इस नेक कार्य के लिए झंवर की प्रशंसा करते हैं।

- अंकित झंवर
नापासर

नापासर की शान माहेश्वरी भवन

नापासर: माहेश्वरी भवन का निर्माण कार्य २००९ में शुरू हुआ था, इसका लोकार्पण २०११ में हुआ था। इसमें २ भाग बनाए गए है। दोनो भाग में बहुत ही सुन्दर बगीचा लगाया गया है।

भवन के निर्माण में कस्बे के समस्त माहेश्वरी समाज के नागरिकों ने तन-मन और धन से सहयोग दिया, इसको बनाने में लगभग २ साल लगे।

इस भवन में गेस्ट हाउस की भी सुविधा है जो बाहर से आने वाले लोगों के ठहरने के लिए बनाया गया है।

यह भवन नापासर कस्बे के देशनोक रोड पर स्थित है।

भवन में कई प्रकार के चिकित्सा शिविर लगते हैं। दो भागों के बनने के बाद यहां शादी समारोह में बुकिंग ज्यादा होने लगी, जिस कारण तीसरे भाग की भी जरूरत पड़ी तब नापासर के सेठ परिवार श्री मदन गोपाल जी एवं भूरी देवी जी के परिवार के सदस्यों से बात कर भवन के पास उन्हीं की भूमि पर भाग नंबर ३ बनाया गया जिसका लोकार्पण २०१७ में हुआ।

'भारत' नामकरण के मूलभूत आधार

ज्ञान-विज्ञान की विविध विधाओं में प्राचीनकाल से अग्रणी रहने वाले हमारे राष्ट्र भारत का नाम 'भारत' रखा गया तो क्यों?

क्या अकारण, अनायास या आधारहीन है यह नामकरण?

विचारणीय यह है कि जिस धरती पर जातक को उसकी भावी कायिक, मानसिक क्षमताओं का लाग्निक आकलन करके नामकूत किए जाने की परम्परा हो, जिस समाज में नामकरण-उत्सव एक पावन सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाए जाने की प्रथा हो, जिस समाज में व्युत्पत्ति शास्त्र सदृश तर्कसंगत शास्त्र विद्यमान हो, उस समाज में देश का नाम 'भारत' अनायास या आधारहीन, अतार्किक या सर्वथा असंगत स्वरूप में मान्य किया गया होगा, यह कदापि स्वीकार्य नहीं, अतएव देखना होगा कि क्यों और कैसे नामकूत हुआ हमारा राष्ट्र/देश 'भारत'?

तत्क्रम में भारत, जिसे बिना गहराई में उतरे कुछेक लोग 'इण्डिया', 'हिन्दोस्तान' भी कह बैठते हैं के नामकरण-आधार की तलाश में हमें भारत के राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय वैशिष्ट्य और तद्गत ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्यों को सुसंगत एवं तर्कसंगत स्वरूप में तलाशना होगा। एतदर्थ कुछेक दहाई, कुछेक सैकड़ा नहीं, अपितु 'भारत के उद्भव-काल' तक का इतिहास खँगालना होगा, तभी हमें यथार्थपरक सत्य हस्तामलक हो सकता है। यथा उन दिनों जब हर तरफ अँधेरा ही अँधेरा था, जब प्राकृतिक पारिवेशिक प्रतिकूलताओं के फलस्वरूप पृथ्वी के धरातल पर सूर्य का प्रकाश अलभ्य था, उन्हीं दिनों मानव प्रकाश के लिए प्राकृतिक स्रोत 'अग्नि' पर ही निर्भर रहा होगा। हमारे आस-पास के प्राकृतिक तत्त्वों में प्रकाश-प्रदाता दो स्रोत हैं- अग्नि व सूर्य। इन्हीं दो प्राकृतिक प्रकाश-स्रोतों की सहायता से मानव

अपने आसपास के पर्यावरण का ज्ञान प्राप्त कर सकता था। अतएव सूर्य-प्रकाश के अभाव में अग्नि का प्रथम अभिनन्दन, प्रथम वन्दन अति स्वाभाविक था। ऋक में अग्नि की भरपूर वन्दना है। ऋक का आरम्भ ही अग्नि की वन्दना से है (ऋग्वेद : प्रथम मण्डल, प्रथम अध्याय, प्रथम ऋचा)

ज्ञात हो कि आभारत प्रत्युत आविश्व सर्वमान्य प्राचीनतम ग्रन्थ है ऋग्वेद। ऋग्वेद (४/२५/४) से भारत-नामकरण का आधार अग्नि से सहयुजित होने का प्रमाण मिलता है- 'तस्मा अग्निर्भारतः ...।' तथ्यतः आर्य याज्ञिक थे। यज्ञ में अग्नि की महत्ता अकथनीय है। इस आधार पर कुछ लोग मानते हैं कि यज्ञाग्नि के प्रस्तारकों का देश होने के कारण इस देश को 'भारत' कहा गया। मात्र अग्नि से 'भारत' को जोड़ने से पूर्व देखना होगा कि अग्नि सदैव सात्विक नहीं होती। अनियन्त्रित होने पर 'अग्नि' विध्वंसक/सर्वविनाशक हो जाती है, इसीलिए सत्त्वशील, भारत-ऋतशील भारतीय मनीषा ने ऋक के प्रथम मण्डल के प्रथम अध्याय के प्रथम मंत्र से अग्नि की स्तुति आरम्भ करने और अनेक ऋचाएँ अग्नि को समर्पित करने के बावजूद यजुर्वेद में अग्नि को 'नय सुपथा' से सुयोजित होने की प्रार्थना भी की है। अग्नि को (मांसभक्षक अग्नि को) दूर हटाने की कामना वाली ऋचा (१०,/१६,/९) भी है ऋक के दसवें मण्डल में। तथ्यतः अग्नि को सर्वदा सात्विक तभी बनाए रखा जा सकता है जब अग्नि को अपरिमित बढ़ने से रोकने के सदुद्देश्य से सीमित दायरे में (यथा यज्ञकुण्ड आदि तक) सीमित-नियंत्रित रखा जा सके। अतएव सूर्य का प्रकाश लभ्य होने के पश्चात आर्यजन के मन में सात्विक, ऊर्जस्विल, उज्ज्वल प्रकाश के अबाध प्रदाता सूर्य के प्रति आकर्षण बढ़ने के कारण कालान्तर में अग्नि के प्रकाश का महत्त्व अपेक्षाकृत कम हो गया, इसलिए कि सूर्य के प्रकाश में 'वस्तु-सत्य का ज्ञान' सहज होता है। प्रकटतः सत्त्वशीलता बढ़ने पर सत्त्वशील भारतीयों को अग्नि की उदण्ड दाहकता कालान्तर में रास नहीं आई, जो कि यह अस्वाभाविक नहीं है।

अतएव भारतवर्ष के नामकरण में अग्नि को स्थान नहीं दिया गया; अपितु अग्नि का तेज और तज्जनित सात्विक ऊर्जस्विल प्रकाश सूर्य में पूर्णतया समेकित पाकर ऐसे प्रकाश को सूर्य द्वारा प्रदान करने के आधार पर भारत देश के नामकरण (भा + रत) में सूर्य को न केवल सम्मिलित किया गया, वरन सम्पूर्ण भारत प्रधानतया सूर्योपासक हो गया।

तथ्यतया ऋक में सूर्य की पूजा और सूर्य की ढेरमढेर प्रशस्तियाँ विद्यमान हैं। सूर्य को प्रकाशदाता और ज्ञानप्रदाता भी बताया गया है। हमारे सौरमण्डल के बारे में ऋक-ऋषियों को सम्यक ज्ञान था या नहीं, यह प्रश्न शोध का विषय हो सकता है, तदापि सूर्य से भरपूर प्रभावित थे, इसीलिए यहाँ के प्रथम प्रभावशाली राजकुल को सूर्यकुलीन (सूर्यवंशी) ही कहा गया। कालान्तर में सूर्यपूजक के रूप में ख्यात हुए ऋक्युगीन आर्यजन, इस निष्कर्ष में कोई सन्देह नहीं है। सूर्य के प्रकाश से जैविक शक्ति भी प्राप्त होती है और सूर्य का प्रकाश ज्ञान-प्राप्ति में भी सहायक है। ऐसे में सूर्यपूजकों के देश को 'भा (प्रकाश) + रत' अर्थात 'प्रकाश-निरत' कहा जाना स्वाभाविक है। सूर्य की किरणें नम-जल-थल सबमें परिव्याप्त होती है-

'आपो नारा इति प्रोक्ता आपो वै नरसूनवः'

इसी कारण सूर्य को 'सूर्यनारायण' कहते हैं। ख्यात साहित्यकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के आलेख 'वैष्णवता और भारतवर्ष' के अनुसार सूर्य में चतुर्भुज देव की कल्पना की गई है।

सूर्य का नाम वेद में विष्णु है। सूर्य के 'तद्विष्णोः परमं पदं' रूप आधिभौतिक, आधिदैविक ऐश्वर्य के प्रशंसक थे वैदिक आर्य, जिनकी परिकल्पना बाद में विष्णु-मूर्ति के वर्णन में व्याख्यात हुई और बाद में सम्पूर्ण 'भारत' वैष्णव हो गया। प्रत्युत विश्व भर में सूर्यपूजा भारत से ही निर्यातित हुई, इस तथ्य की पुष्टि जोराष्ट्रियन, हित्ती, मित्ती एवं मिस्नी सभ्यताओं के राजनैतिक, सांस्कृतिक इतिहास में मिलती है। विचारकों का मानें तो 'भारत' की वैष्णवता के पीछे भी आर्यों की सूर्योपासना ही विद्यमान दिखती है, यद्यपि भारत भर में पूर्व-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण में किसी न किसी रूप में सूर्य की पूजा की जाती है और उसे बहुत अधिक महत्त्व दिया जाता है। तथैव, सूर्य के गुण 'प्रकाश-प्रदान' को प्रत्यक्ष रूप में 'भारत' देश के नामकरण में स्थान मिलना आश्चर्य का विषय नहीं माना जा सकता।

वहीं, आर्यजन ज्ञान-खोजी अर्थात् ज्ञान की खोज में सतत निरत रहने वाले मानव थे। 'भा' का एक अर्थ 'ज्ञान को आगे लाने (प्रत्यक्ष करने)' से भी अर्थायित होता है, तथैव सतत ज्ञान-निरत रहवासियों के देश का नाम 'भा' (ज्ञान)+ रत' अर्थात् भारत नामकृत किया जाना भी स्वाभाविक है।

'नापासर' व्यवसाय केंद्र के रूप में भी जाना जाता है

बाबूलाल जी अपनी जन्मभूमि 'नापासर' के संदर्भ में कहते हैं कि 'नापासर' गांव एक ऐतिहासिक गांव है, इसका इतिहास लगभग ५०० साल पुराना है। सामाजिक धार्मिक और आर्थिक स्तर पर बहुत ही समृद्ध है। यहां माहेश्वरी समाज की संख्या अधिक है, माहेश्वरी समाज के लोग आज मुंबई, कोलकाता, सूरत, अहमदाबाद, कानपुर आदि स्थानों में बसे हुए हैं और अपने कार्यों के माध्यम से 'नापासर' का नाम रोशन कर रहे हैं। कोरोना काल के दौरान यहां के बंद घर भी खुल गए थे। 'नापासर' व्यवसाय केंद्र के रूप में भी जाना जाता है। यहां की शॉल पूरे भारत में प्रसिद्ध है, साथ ही यहाँ टाइल्स की फैक्ट्री है। पापड़-भुजिया आदि बनाने वाली इंडस्ट्रीज भी है, जिससे यहां के लोग आर्थिक दृष्टि से संपन्न कहे जाते हैं। यहां के लोग काफी धार्मिक प्रवृत्ति के हैं।

बाबूलाल मूंधड़ा
व्यवसायी व समाजसेवी
नापासर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८३००३७७९७

यहां कई महान संतों का आगमन हुआ है जिससे यह संतों की भूमि भी कही जाती है, कई विशेषताओं को लिए हुए है हमारा 'नापासर'।

बाबूलाल जी का जन्म व प्रारंभिक शिक्षा 'नापासर' में ही संपन्न हुई, तत्पश्चात उच्च शिक्षा आपने कोलकाता से ग्रहण की। पिछले ४० वर्षों से कोलकाता में निवास कर रहे हैं। यहां आप रेनकोट, वूलन व अन्य कारोबार से जुड़े हुए हैं। 'नापासर' गौशाला से भी जुड़े हुए हैं। कोलकाता स्थित नापासर नागरिक मंच में पूर्व अध्यक्ष के रूप में सेवारत रहे हैं। वर्तमान में सदस्य के रूप में जुड़े हुए हैं, साथ ही अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए विषय पर अपना समर्थन प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि हम भारतीय हैं अतः हमारे देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही होना चाहिए।

कलबुर्गी गुलबर्गा किला Fort में पुरातन विभाग द्वारा गणतंत्र दिवस मनाया गया

कलबुर्गी गुलबर्गा किला Fort में पुरातन विभाग द्वारा ७२वां गणतंत्र दिवस मनाया गया, इस अवसर पर पुरातन विभाग के नंदकुमार तांडलकर, संजिव कुमार, संगप्पा अक्की, विकास सिन्हा, अरविंद और रिजवान उर- रहमान सिद्दिकी, दिपक बलदवा, मोहम्मद राफिक इत्यादी उपस्थित थे। राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सबने एक दुसरे को शुभकामनायें दी।

हिन्दू सेवा परिषद के ध्वजारोहण कार्यक्रम में सांताक्रूज़ के संसद सदस्य श्री विनायक राउतजी के साथ सुमन अग्रवाल

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

हैल्थ वर्कर्स का जल्द टीकाकरण जरूरी: अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री राजस्थान

जयपुर: २२ जनवरी २०२१। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्यकर्मी उत्साह के साथ स्वयं आगे आकर कोरोना की वैक्सीन लगवा रहे हैं। टीकाकरण के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले राजस्थान आगे है और अब तक वैक्सीनेशन पूरी तरह सुरक्षित रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए विस्तृत मूल्यांकन में राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है जो टीकाकरण के सभी मानकों पर बेहतर प्रदर्शन के कारण ग्रीन कैटेगरी में है। निर्देश दिए गए हैं कि भारत सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक प्रदेश में वैक्सीनेशन साइट्स की संख्या बढ़ाकर प्रथम चरण का टीकाकरण जल्द से जल्द पूरा किया जाए। श्री गहलोत ने २१ जनवरी को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से टीकाकरण अभियान की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने वैक्सीनेशन साइट्स की संख्या १६७ से बढ़ाकर ३५० करने और आवश्यकता के अनुरूप इनकी संख्या और बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैल्थ वर्कर्स के जल्द टीकाकरण के लिए सप्ताह में टीकाकरण दिवस की संख्या बढ़ाएं, साथ ही निजी अस्पतालों में भी साइट्स की संख्या बढ़ाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञों की राय के अनुसार कोरोना का खतरा पूरी तरह टला नहीं है। इसलिए हमारे हैल्थ वर्कर्स का शत-प्रतिशत टीकाकरण जल्द से जल्द होना जरूरी है ताकि भविष्य में कोरोना की नयी लहर आए तो वे पूरी सुरक्षा एवं आत्मविश्वास के साथ प्रदेशवासियों के जीवन की रक्षा कर सकें, साथ ही हम अगले चरण के टीकाकरण के लिए भी तैयार हो सकें। अभियान को गति देने के लिए व व्यवस्थाओं का विकेन्द्रीकरण के लिए श्री गहलोत ने कहा कि देश में करीब ३० करोड़ लोगों को वैक्सीनेट किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ऐसे में केन्द्र सरकार को इस अभियान को गति देने के लिए इसकी व्यवस्थाओं तथा प्रबंधन का अधिक विकेन्द्रीकरण करना चाहिए ताकि राज्य अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप टीकाकरण के लक्ष्य को जल्द हासिल कर सके। उन्होंने कहा कि कोविन सॉफ्टवेयर में तकनीकी बाधाओं के कारण टीकाकरण के लक्ष्य की प्राप्ति में कठिनाई अनुभव की जा रही है। केन्द्र सरकार इसमें भी आवश्यक तकनीकी का सुधार करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैक्सीनेशन को लेकर लोगों में किसी तरह की भ्रांति न रहे, इसके लिए लोगों को मीडिया का सहयोग लेकर निरन्तर जागरूक किया जाए, उन्होंने कहा कि कोरोना से जंग जीतने के लिए वैक्सीन की एक-एक बूंद कीमती है। वैक्सीनेशन सेन्टर्स पर प्रबंधन इस प्रकार से हो कि हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत से तैयार वैक्सीन का अधिकतम सदुपयोग हो सके। श्री गहलोत ने कहा कि प्रदेश में अब तक टीकाकरण से कोई गंभीर या असामान्य दुष्प्रभाव देखने को नहीं मिला है, इसलिए लोग पूरे विश्वास के साथ टीकाकरण करवाएं और किसी भी तरह की भ्रांति से बचें। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के शासन सचिव श्री सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि भारत सरकार की गाइडलाइन में विभिन्न कारणों से वैक्सीन की ९० प्रतिशत मात्रा के उपयोग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है लेकिन राजस्थान में अभी तक ९६.५९ प्रतिशत वैक्सीन का उपयोग किया गया है। प्रदेश में वैक्सीन का वेस्टेज प्रतिशत मात्र ३.४० रहा है, हम इसे और कम करने के लिए प्रयासरत हैं, उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रथम तीन दिन में ५०१ सेशन साइट्स पर ३२३७९ लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया है, यह राष्ट्रीय औसत से करीब ९ प्रतिशत अधिक है।

.विश्व स्वास्थ्य संगठन के राजस्थान प्रमुख डॉ. राकेश ने प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि प्रदेश में टीकाकरण की ६७ प्रतिशत साइट्स का निरीक्षण किया गया है, इसमें स्टेट स्टीयरिंग कमेटी, स्टेट एवं डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठक, निजी संस्थानों का आमुखीकरण, वैक्सीनेशन टीम और मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षण सहित अन्य मानकों पर राजस्थान की परफोरमेंस अन्य राज्यों से काफी बेहतर रही है, राजस्थान सभी मानकों पर ग्रीन कैटेगरी में रहने वाला राज्य है।

आरयूएचएस के कुलपति डॉ. राजाबाबू पंवार, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर भण्डारी, विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. वीरेन्द्र सिंह, डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. रमन शर्मा, डॉ. रामबाबू शर्मा सहित अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों ने टीकाकरण के संबंध में अनुभव साझा करने के साथ ही अभियान को सफल बनाने के लिए सुझाव दिए। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, मुख्य सचिव निरंजन आर्य, पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर, प्रमुख शासन सचिव गृह अभय कुमार, शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा वैभव गालरिया, शासन सचिव स्वायत्त शासन भवानी सिंह देथा, सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त महेन्द्र सोनी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मारवाड़ी समाज द्वारा गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

कलबुर्गी: बालाजी गार्डन में ७२वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। मारवाड़ी समाज के उपाध्यक्ष श्री अरविंद बराडीया ने ध्वज फहराया। साथ थे सचिव द्वारका प्रसाद तिवाडी, शिरीश ओझा, हरिकिशन दायमा, रामगोपाल दायमा, विद्याधर शर्मा, दिपक बलदवा, सुरेश सेन, मनोज चव्वान आदि उपस्थित थे।

गौरवमय राजस्थान की शिक्षा जगत में प्रगति

राजस्थान शौर्य एवं बलिदान की गाथाओं से भरा हुआ क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत देश का सबसे बड़ा प्रान्त है, जो २३°३' उत्तरी अक्षांश से ३०°२ उत्तरी अक्षांश के मध्य तथा ६९°३०! पूर्वी देशान्तर से ७८°१२' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है, जिसका क्षेत्रफल ३,४२,२३९ वर्गकिलोमीटर है।

राजस्थान अपनी सामाजिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक थातियों का अनुपम संग्रहालय है, जहाँ सुनहरे धोरे, हरे भरे पहाड़, ऊँचे किले, भरे पूरे घर, सम्मोहक गाथा, रंग-बिरंगा पहनावा, सुरीले गीत, समृद्ध कला ऐतिहासिक सम्पदा, विकास की गति, प्रतिपल प्रगति, सांस्कृतिक विविधता, भावनात्मक एकता, शौर्य और मान, विजय, स्वाभिमान, ऐसे अनेक पहलू हैं जो विभिन्न रंगों की तरह आज राजस्थान के प्रतीक हैं और इनकी नींव है देश की आन-बान-शान के लिए अपने प्राणों को उत्सर्ग करने वाले वीर-वीरांगनाओं ने अपने प्राणों का बलिदान किया तथा देश का गौरव बढ़ाया। आतताइयों ने कई बार इस देश को रौंदने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन यहाँ के रणबांकुरों ने हमेशा आतताइयों को लोहे के चने चबवाये। आजादी के बाद देश के चहुंमुखी विकास में हर नागरिक ने अपना दायित्व समझकर योगदान दिया। कला, कौशल, उद्योग धन्धे, कल कारखाने, शिक्षा, स्वास्थ्य, जलयोजना, पशुपालन, कृषि सभी क्षेत्रों में अभिनव वैज्ञानिक प्रयोग कर क्रान्तिकारी परिवर्तन हासिल किया, फिर भी कुछ ऐसी समस्याएं हैं जो प्रदेश के विकास में अवरोधक बनी हुयी है।

माँ का प्रश्न

कहते हो मुझको माता, तो पूछूँ एक सवाल।
मैं भारत हूँ भारत बोलोगे, बोलो ना लाल! (मु)

कैसे अंगीकार करूँ मैं, नाम गुलामी वाला!
पूछे मेरा पुत्र भरत तो, मुँह को लगता ताला॥
क्या 'इण्डिया' कहने पर होता, उन्नत देश का भाल?
मैं भारत हूँ भारत बोलोगे, बोलो ना लाल! (१)

संस्कार मेरे जन-जन में, इसी नाम से आते।
भारत की जयकार करो तो, गौरव-पौरूष पाते॥
'इण्डिया' में इतिहास की काली, परछाई विकराल।
मैं भारत हूँ भारत बोलोगे, बोलो ना लाल! (२)

गीता में अर्जुन को पुकारे, इसी नाम से केशव।
जगद्गुरू भारत कहलाता, भारतीय का वैभव॥
पहचानो 'इण्डिया' में छुपी है, जो पश्चिम की चाल।
मैं भारत हूँ भारत बोलोगे, बोलो ना लाल! (३)

प्रतीक 'भारत' पलोड़ (दर्पण)

प्रयाण गीत

बिजयसिंह 'पथिक' बिजैलियां- भीलवाड़ा (राज.)

उठो वीरगण करो प्रयाण।
विजय हो, या दे दो प्राण।।
हां लो ठान, समर महान,
बढ़-बढ़, चढ़-चढ़ हो बलिदान।
छेड़ो भारत सम्मान की तान।।
विजय ।।१।।
बाल वृद्ध मिल गावें गान्, जय-जय प्यारो राजस्थान!
श्वान समान, खो सम्मान।
गुच चुप सह लें क्यों अपमान।
प्राण जाये पर जाये न आन ।। विजय ।।२।।
हिन्दू रक्त न हो बदनाम, हो न कलंकित 'भारत' नाम।
गाते गान, हों कुर्बान,
अरिदल कल बल खोदे शान।
रहे दृष्टि में लक्ष्य महान ।। विजय ।।३।।
कर सत्याग्रह कठिन कृपाण,
मन में हो मातृभूमि कल्याण।
राजस्थान हो या भारत महान
मैं भारत हूँ
एक ध्येय हो-एक विधान
एक नाम हो 'भारत' महान ।।विजय।।४।।

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

जैसलमेर रियासत के ४४ वें महारावल श्री चैतन्यराज सिंह जी के राजगद्दी पर विराजमान होने पर बधाई एवं उत्तरोत्तर प्रगति की मंगलकामनाएं।
आपका वैभव हमेशा बना रहे, और भारत को 'भारत' ही बोला जाए

श्री हनुमान जी का मंदिर, जाटों का बास, नापासर

श्री इच्छापूर्ण बालाजी मन्दिर, गाढ़वाला

श्री तौलीयासर भैरूनाथ जी

नागदेवता मन्दिर

नवयुवक पुस्तकालय

हनुमानदास हरिशंकर झंवर

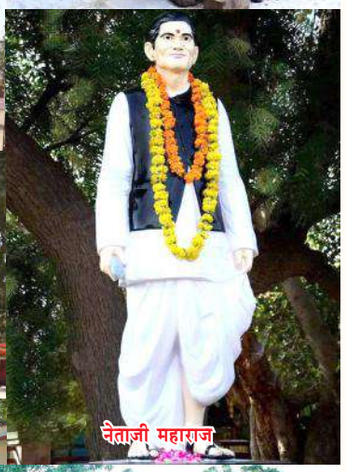
नेताजी महाराज

बस स्टेण्ड

पुलिस स्टेशन

देवी मंदिर

मांडण प्याऊ

मैन बाजार

माहेश्वरी भवन

सच्चियाय माता मंदिर, नापासर

राजकीय प्राथमिक विद्यालय

उपडाकघर

राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय

पांडरीया तलाई

मैं भारत हूँ

मेरे सपूतों आज मैं तुमको
'मन की बात' सुनाती हूँ
जन्मभूमि हूँ तुम सबकी
'भारत' मैं कहलाती हूँ...

युगों युगों से बहने वाली
(अनवरत) संस्कृति की धारा हूँ
दुनिया लोहा मान चुकी पर
(अपने) 'नाम' के लिए बेसहारा हूँ

मुझे लौटा दो मेरा नाम
तुम सबको मनाती हूँ
जन्मभूमि हूँ तुम सबकी
'भारत' मैं कहलाती हूँ...

हर एक बच्चा नाम है अपना
मात पिता से पाता है
गौरांवित माँ हूँ मेरा नाम
(पराक्रमी) पुत्रों से आता है

सूर्यवंशी भी चन्द्रवंशी भी
इक्ष्वाकु की धरती हूँ
चक्रवर्ती भारत लालों से
'भारत' मैं कहलाती हूँ...

मेरी पुत्री संस्कृत ने भी
मेरा नाम सजाया है
भा-से 'ज्ञान' भा-से 'ओज'
भा-से 'हवन की ज्योति' बनाया है

रत- से 'भीगी' हरदम मैं
ज्ञान ओज में रहती हूँ
जन्मभूमि हूँ तुम सबकी
'भारत' मैं कहलाती हूँ...

आक्रांताओं ने जब भी मुझको
लूटा और खसोटा है
धूल चटाता शूरवीर
मेरा हर इक बेटा है

लुटा नाम मेरा लौटा दो
अपना 'नाम' तुझसे चाहती हूँ
जन्मभूमि हूँ तुम सबकी
'भारत' मैं कहलाती हूँ...

देश-विदेश में नाम अमर हो
हर एक इंसा चाहता है
फिर नालायक जगत में मुझको
क्यूँ India, India गाता है

मेरा नाम ले बड़े शान से
क्यूँ दर्द पराये नाम का सहती हूँ
जन्मभूमि हूँ तुम सबकी
'भारत' में कहलाती हूँ...

नगर भवन या गली सड़क हो
सबका नाम लौटाया है
सबके ऊपर 'भारत' को आखिर
ऐसे कैसे भुलाया है

'मैं भारत हूँ' भारत रहने दे
आदेश मैं तुझको देती हूँ
जन्मभूमि हूँ तुम सबकी
'भारत' मैं कहलाती हूँ...

मेरे सपूतों आज मैं तुमको
'मन की बात' सुनाती हूँ
जन्मभूमि हूँ तुम सबकी
'भारत' मैं कहलाती हूँ...

- शिखा (बांगड़) मूंदड़ा
मुंबई, महाराष्ट्र, भारत

माहेश्वरी परिचय मित्र द्वारा किया जा रहा है ग्रामीण क्षेत्र में बायोडाटा सर्वे

माहेश्वरी परिचय मित्र टेलिग्राम बायोडाटा ग्रुप, पिछले ४ सालों से माहेश्वरी समाज के लिए घर बैठे रिश्ते ढूंढने में सहयोग प्रदान कर रहा है। इससे पहले भी परिचय मित्र निःशुल्क हाई प्रोफेशनल बायोडाटा का सर्वे और री मैरिज (विधवा, विधुर, तलाकशुदा और दिव्यांग) बायोडाटा का सर्वे कर चुका है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अभी भी शादी विवाह में बहुत विकट समस्या का सामना करना पड़ रहा है इसलिए ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को निःशुल्क निस्वार्थ भाव से सहयोग प्रदान करने के लिए माहेश्वरी परिचय मित्र टेलिग्राम बायोडाटा ग्रुप ने सभी का हाथ थामने का प्रयास किया है। १ फरवरी २०२१ से १५ मार्च २०२१ तक होने वाले सर्वे में आप निःशुल्क बायोडाटा भेज सकते हो लेकिन कुछ नियम बनाए गए हैं जिनको मानना अनिवार्य है अन्यथा इस सर्वे में बायोडाटा नहीं लगाया जाएगा।

किसी भी लड़की का बायोडाटा आप सिंगल भेज सकते हैं लेकिन अगर आप किसी भी लड़के का बायोडाटा भेज रहे हो तो उसके साथ आपको लड़की का बायोडाटा भेजना अनिवार्य है तभी उस लड़के का बायोडाटा इस सर्वे में लगाया जाएगा। अधिक जानकारी के लिये संपर्क करें।

-सुमन मूंधड़ा,
भ्रमणध्वनि: ७८७७४३१०३७

मुख्यमंत्री का महत्वपूर्ण निर्णय
पेट्रोल-डीजल पर वैट में दो प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली: जयपुर, २९ जनवरी २०२१ मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने राज्य में पेट्रोल एवं डीजल पर लगने वाले वैट की दर में २ प्रतिशत की कमी कर पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ती कीमतों से लोगों को बड़ी राहत दी है।

इस संबंध में वित्त विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। यह आदेश २८ जनवरी रात १२ बजे से प्रभावी हुआ। कोविड-१९ महामारी के कारण आर्थिक गतिविधियों के प्रभावित होने तथा राजस्व में आई कमी के बावजूद मुख्यमंत्री ने आमजन के हित में यह महत्वपूर्ण निर्णय किया है। इससे आमजन के साथ-साथ ट्रांसपोर्ट, इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट एवं अन्य व्यवसाय को भी काफी राहत मिलेगी।

वैट की दरों में कमी से राज्य सरकार को प्रतिवर्ष राजस्व में अनुमानतः एक हजार करोड़ रूपए की कमी आयेगी। केन्द्र सरकार ले रही पेट्रोल पर ३२.९८ और डीजल पर ३१.८३ रु. प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी श्री गहलोत ने कहा है कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड ऑयल के दाम लंबे समय तक न्यूनतम स्तर पर होने के बावजूद पेट्रोल-डीजल के दाम उच्चतम स्तर पर होने से महंगाई बढ़ रही है और आमजन को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भारत सरकार द्वारा वर्तमान में पेट्रोल पर ३२ रुपये ९८ पैसे प्रति लीटर तथा डीजल पर ३१ रुपये ८३ पैसे प्रति लीटर उत्पाद शुल्क लिया जा रहा है, जो अत्यधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा बेसिक एक्साइज ड्यूटी राज्यों को दिये जाने वाले डिविजिएबल पूल का हिस्सा होती है। जिसे लगातार कम करते हुये पेट्रोल पर ९.४८ रुपये से २.९८ रुपये तथा डीजल पर ११.३३ रुपये से ४.८३ रुपये किया जा चुका है। जिससे राजस्थान सहित सभी राज्यों को राजस्व की भारी हानि हो रही है।

केन्द्र भी दे राहत

श्री गहलोत ने कहा कि भारत सरकार द्वारा एडिशनल एक्साईज ड्यूटी को लगातार बढ़ाते हुये पेट्रोल एवं डीजल पर ८ रुपये से १८ रुपये प्रति लीटर तथा स्पेशल एक्साईज ड्यूटी को बढ़ाकर पेट्रोल पर ७ रुपये से १२ रुपये एवं डीजल पर शून्य से बढ़ाकर ९ रुपये प्रति लीटर किया जा चुका है। भारत सरकार की इस नीति के कारण राज्यों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। साथ ही आमजन को महंगे पेट्रोल-डीजल की मार झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जो पहल की है, केन्द्र सरकार भी उसका अनुसरण करते हुये पेट्रोल एवं डीजल पर केन्द्रीय करों में कमी कर लोगों को राहत दे।

कोरोना ने कहा इण्डिया भारत बन रहा

कुछ-कुछ ऐसा हो रहा,
इण्डिया, भारत बन रहा।
डी जे का धुन ठिठक गया,
रामायण का धुन बज रहा।
हवाई और रेल यात्रा रूक गए
पद यात्रा का दौर चल रहा।
कुछ-कुछ ऐसा हो रहा,
इण्डिया, भारत बन रहा।
जंक फूड को जंग लग रहे,
देशी व्यंजन घर मे पक रहा।
हाथ मिलाना-गले लगना बंद है,
नमस्ते से अभिवादन चल रहा।
कुछ-कुछ ऐसा हो रहा,
इण्डिया, भारत बन रहा।
शीतल पेय अनर्गल लग रहे,
लस्सी-चाय का चलन बढ़ रहा।
पिज्जा, बर्गर बिसरा गये अब,
दाल रोटी का डंका बज रहा।
कुछ कुछ ऐसा हो रहा,
इण्डिया, भारत बन रहा।
बिग बास के दिन अब लद गये,
ज्येष्ठ भ्राताश्री भड़क रहे।
सरपट भाग रहा था मानव
घर पर थोड़ा रम रहा।
कुछ-कुछ ऐसा हो रहा।
इण्डिया, भारत बन रहा।
जरूरतें सारी सिमट गयी
थोड़े में ही काम चल रहा।
अपने लिए तो ही रहे हैं,
औरों के लिए दीप जला रहे हैं
कुछ-कुछ ऐसा हो रहा।
इण्डिया, भारत बन रहा।
प्रदूषण भी जरा कम हुआ है,
गंगा,यमुना प्राकृतिक
निर्मल धारा से
कलकल करती बह रही
खुला आसमान तक रहा है।
विश्व सारा जूझ रहा है।
भारतीय संस्कृति चमक रही।
कुछ-कुछ ऐसा हो रहा।
इण्डिया, भारत बन रहा...

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

विश्व में भारत को कब 'भारत' ही कहा जाएगा ?
बिजय जी! आप आगे बढें आपके अरमान पूरे होगें
भारत को 'भारत' ही बोला जाएगा

मंगल चंद सगतानी
भ्रणध्वनि: ९८३२०२१४११

श्री बालाजी ट्रेड लिंक
नेहरू रोड़, खालपाड़ा, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल, भारत - ७३४००४
दूरध्वनि: ०३५३-२५००६६७

मंगल केनवासेस
जी.टी. बिल्डिंग, नया बाजार, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल, भारत - ७३४००५
दूरध्वनि: ०३५३-२५३११७५, २५३१५८६

भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान
भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
नीम लगायें पर्यावरण बचाये

BIYANI
GROUP OF COLLEGES

BIYANI
Where you can trust

Follow us

Accredited 'A' Grade by NAAC

ADMISSION OPEN FOR SESSION 2020-21

On Campus Hostel Facility (For Girls)

VISION : YOUTH EMPOWERMENT | MISSION : PROFESSIONAL EDUCATION

- **Biyani Girls College**
  (NAAC Accredited) www.biyanicolleges.org
- **Biyani Inst. of Science & Mgmt. for Girls**
  (NAAC Accredited) www.bisma.in
- **Biyani Girls B.Ed. College**
  (NAAC Accredited) www.biyanigirlscollege.com
- **Biyani School of Nursing & Paramedical Science for Girls**
  www.biyaninursingcollege.com
- **Biyani Ayurvedic Medical College & Hospital for Girls**
  www.biyaniayurvediccollege.com
- **Biyani College of Science & Mgmt. (Co-Ed.)**
  www.bcsmjaipur.com
- **Biyani Law College (Co-Ed.)**
  www.biyanilawcollege.com
- **Biyani Inst. of Pharmaceutical Sciences (Co-Ed.)**
  www.biyanipharmacycollege.com
- **Biyani Private ITI (Co-Ed.)**
  www.biyaniiti.com
- **Biyani Inst. of Skill Development (Co-Ed.)**
  www.bisd.in
- **Biyani Inst. of Yoga & Naturopathy (Co-Ed.)**
  www.biyanicolleges.org

GURUKPO .COM — www.gurukpo.com

BIYANI TV — www.youtube.com/BiyaniTv

बियानी टाइम्स BIYANI TIMES JAIPUR — www.biyanitimes.com

Radio Selfie 90.8 FM — www.radioselfie.in

BioSeeds — www.bioseeds.jp

Campus 1 : Sector-3, Vidhyadhar Nagar, Jaipur, Rajasthan, India
Campus 2 : Kalwar-Jobner Road, Kalwar, Jaipur, Rajasthan, India
Campus 3 : Champapura, Kalwar Road, Jaipur, Rajasthan, India

Phone : 8890435298, 8290636942, 0141-2338591
E-mail : acad@biyanicolleges.org
Website : www.biyanicolleges.org

For more information visit our website : www.biyanicolleges.org & fill the enquiry/feedback form

जैन समाज एकत्र हो यह है हमारा नारा
इसके लिए चाहिए मात्र आप ही का सहारा

पंजीकृत कार्यालय

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९

दूरध्वनि: ०२२-२८५० ९९९९ अणुडाक: mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना : www.jinagam.co.in

RNI No. MAHHIN/ 2003/11570
Postal Registration No. MCN/113/2019-2021
WPP License No. MR/Tech/WPP-246/North/2019-21
'License to post without prepayment'
Published on 28/01/2021 & Posting on 30th of every previous Month
at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

ADD Gel®

ACHIEVER®

THE WORLD'S
FINEST GEL PEN

Non Dry
NOW...UPTO 2 YEARS

ONLY ₹50/- PER PC

LEADERS IN WRITING TECHNOLOGY

Presenting New ADD Gel Achiever, the world's finest gel pen.With improved dye base ink that stays Non-Dry for up to 2 years.For smoother, effortless writing.

www.addpens.com

गेलाई पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400093 से मुद्रित करवाकर बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-022-2850 9999
अणुडाक - mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना - www.merarajasthan.co.in